किशोर न्याय और विधि विवादित बच्चे

ज़मीनी स्तर पर क्षमता का अध्ययन

राज्य तथ्यपत्र

India Justice Report | 2025

किशोर न्याय और विधि विवादित बच्चे: ज़मीनी स्तर पर क्षमता का अध्ययन

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट द्वारा नवंबर 2025 में प्रकाशित

किशोर न्याय व्यवस्था के इस अध्ययन में यह मूल्यांकन किया गया है कि 'किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015' के तहत राज्य 'विधि विवादित बच्चों' (CCL) के प्रति अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए किस हद तक तैयार हैं। यह अध्ययन मुख्य रूप से संसद में दिए गए जवाबों और एक वर्ष तक विभिन्न राज्यों से पूछे गए RTI के उत्तरों पर आधारित है। इस अध्ययन में 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB), 'बाल देखरेख संस्थान' (CCI), 'विशेष किशोर पुलिस इकाइयों' (SPJU) और 'ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण' (DLSA) जैसे प्रमुख संस्थानों की क्षमता का विश्लेषण किया गया है। सभी संस्थानों में यह क्षमता चार प्रमुख मानकों- आधारभूत संरचना, मानव संसाधन, बजट और विविधता के संदर्भ में आंकी गई है।

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (IJR) का यह अध्ययन बिखरे हुए आंकड़ों को एक स्थान पर संकलित करके नीति निर्माताओं, सक्रिय नागरिकों और हितधारकों को बहुमूल्य उपकरण प्रदान करता है, जिससे वे व्यवस्था की गंभीर चुनौतियों का समाधान करने और उसके समग्र कामकाज में सुधार लाने के लिए प्रभावी कदम उठा सकते हैं।

मुख्य शोधकर्ता और लेखक

1. माया दारूवाला, मुख्य संपादक, IJR
2. नयनिका सिंघल, वरिष्ठ शोधकर्ता, IJR
3. निदा परवीन, शोधकर्ता, IJR
4. सौम्या श्रीवास्तव, शोधकर्ता, IJR
5. कृष्णा शर्मा, सलाहकार
6. वलय सिंह, लीड, IJR

शोध सहायक

1. डॉ. अर्शी शौकत, डेटा एनालिस्ट, IJR
2. दिपुल यादव, शोधकर्ता, IJR

तकनीकी समीक्षा

अनंत कुमार अस्थान, अधिवक्ता एवं बाल न्याय तथा आपराधिक मामलों के वकील

हिंदी अनुवाद: भारत सिंह, संचार सलाहकार, IJR

रिपोर्ट डिज़ाइन: हाउ इंडिया लिव्स (www.howindialives.com)

कवर डिज़ाइन: मुकेश साह

अधिक जानकारी के लिए IJR की वेबसाइट देखें:

https://indiajusticereport.org

प्रिंटवर्ल्ड द्वारा मुद्रित

पता: 1743 उदयचंद मार्ग, फ़र्स्ट और अपर ग्राउंड फ़्लोर, कोटला मुबारकपुर, साउथ एक्सटेंशन के पास, भाग-1, नई दिल्ली- 110003

© इंडिया जस्टिस रिपोर्ट, 2025

यह रिपोर्ट सूचना के अधिकार के आवेदन के जवाबों से मिले आंकड़ों और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध स्रोतों पर आधारित है। यहां प्रस्तुत सूचनाओं को हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सत्यापित करने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं।

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस रिपोर्ट के डिज़ाइन समेत किसी भी हिस्से को, किसी भी रूप में- इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, किसी भी माध्यम से- फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या कोई अन्य सूचना भंडारण या पुनः प्राप्ति प्रणाली द्वारा नीचे दिए गए संदर्भ के साथ फिर से प्रस्तुत किया जा सकता है।

संदर्भ सुझाव: 'किशोर न्याय और विधि विवादित बच्चे: ज़मीनी स्तर पर क्षमता का अध्ययन (इंडिया जस्टिस रिपोर्ट, 2025)'

किशोर न्याय और विधि विवादित बच्चे

ज़मीनी स्तर पर क्षमता का अध्ययन

राज्य तथ्यपत्र

India Justice Report | 2025

विषय सूची

रिपोर्ट और लेखकों के बारे में, कॉपीराइट और उद्धरण		2
शीर्षक पृष्ठ		3
तथ्यपत्र को समझें		5
राज्य तथ्यपत्र		6
1	बिहार	6
2	छत्तीसगढ़	9
3	दिल्ली	13
4	हरियाणा	17
5	हिमाचल प्रदेश	21
6	जम्मू और कश्मीर	26
7	झारखंड	30
8	मध्य प्रदेश	34
9	पंजाब	38
10	राजस्थान	42
11	उत्तर प्रदेश	47
12	उत्तराखंड	51
13	आंध्र प्रदेश	57
14	अरुणाचल प्रदेश	60
15	असम	64
16	गोवा	69
17	गुजरात	73
18	कर्नाटक	76
19	केरल	79
20	महाराष्ट्र	84
21	मणिपुर	88
22	मेघालय	92
23	मिज़ोरम	97
24	नगालैंड	102
25	ओडिशा	107
26	सिक्किम	112
27	तमिलनाडु	117
28	तेलंगाना	121
29	त्रिपुरा	125
30	पश्चिम बंगाल	130
अनुलग्नक		135
ज़िलावार आंकड़े		135

* शुरुआती 12 हिंदीभाषी राज्यों के तथ्यपत्र हिंदी में दिए गए हैं।

तथ्यपत्र को समझें:

राज्य तथ्यपत्र यह जानकारी देते हैं कि 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB)[1] 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH)[2], 'विशेष गृह' (SH)[3], 'सुरक्षित स्थान' (PoS)[4], 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU)[5] और विधिक सेवाओं[6] जैसे प्रमुख संस्थानों ने 'किशोर न्याय अधिनियम, 2015' के तहत अपने दायित्वों को 1 नवंबर 2022 से 31 अक्टूबर 2023 के बीच किस हद तक पूरा किया।

सभी आंकड़े RTI से प्राप्त उत्तरों पर आधारित हैं। अन्य स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

सभी राज्यों में निम्न बिंदु समान हैं:

1. **NP** से आशय है "जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।"
2. **'बाल देखरेख संस्थानों' (CCI) में बच्चों के आंकड़े** लोकसभा के आतारांकित प्रश्न संख्या-4264 (दिनांक 31 मार्च 2024) से लिए गए हैं।
3. **JJB के कुल कार्यभार से आशय,** पिछले सभी वर्षों के लंबित मामलों + 1 नवंबर 2022 से 31 अक्टूबर 2023 के बीच प्राप्त मामलों का योग है।
4. **केसों के निपटारे की दर (%)**: (निपटाए गए मामले/कुल कार्यभार) × 100
5. **JJB द्वारा निरीक्षण:** प्रत्येक JJB को हर गृह का कम से कम महीने में एक बार या साल में 12 बार निरीक्षण करना आवश्यक है।7 IJR ने 12 महीनों की अवधि में प्रत्येक गृह में किए गए दौरों की संख्या गिनी है।
6. **LCPO का कार्यभार:** प्रत्येक ज़िले में एक नामित LCPO होना चाहिए।[8] LCPO का कार्यभार उस ज़िले के JJB के समक्ष कुल मामलों की संख्या को LCPO की संख्या से विभाजित करके निकाला गया है।

1 'धारा 4, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015'.
2 'धारा 47, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015'.
3 'धारा 48, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015'.
4 'धारा 49, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015'.
5 'धारा 107(2), किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015'.
6 नियम 3, 'नालसा (विधिक सेवा क्लिनिक) विनियम, 2011'.
7 'धारा 8(3)(j), किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015'.
8 ' मिशन वात्सल्य नियमावली, 2022'.

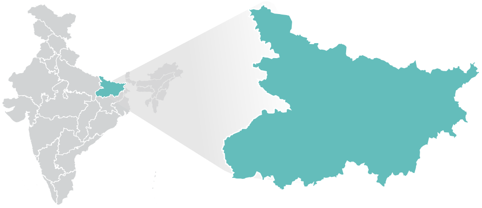

बिहार

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार- जानकारी उपलब्ध नहीं कराई
38	44	1,052	3,162	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब दिया	जवाब नहीं दिया	जवाब नहीं दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (22/38 ने जवाब दिया)

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[40]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	20	892
विशेष गृह	1	12
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	5	250
कुल	26	1,154

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
गृह	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
कुल गृह					Not provided			NP	
क्षमता									
कुल क्षमता					Not provided			NP	
बच्चे					Not provided			NP	
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक					Not provided				
चिकित्सा अधिकारी					Not provided				
परामर्शदाता					Not provided				
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)					Not provided				

बाल देखरेख संस्थान: NP [2] **निरुद्ध बच्चे: NP**

41 बिहार ने गृहों से संबंधित सवालों का कोई उत्तर नहीं दिया। "दिनांक 9 अप्रैल 2020 तक बाल देखरेख संस्थानों, पश्चातवर्ती देखरेख गृहों और आसरा गृहों, अल्पकालिक गृहों और सुरक्षित गृहों में बच्चे/निरुद्ध की जानकारी" शीर्षक वाले एक दस्तावेज़ के अनुसार, राज्य में 14 'पर्यवेक्षण गृह' हैं, जिनमें कुल 700 की क्षमता के मुकाबले 435 किशोर रह रहे थे। इसके अलावा, 1 'विशेष गृह' (50 की क्षमता के मुकाबले 7 बच्चे) और लड़कों के लिए 1 'सुरक्षित स्थान' (50 की क्षमता के मुकाबले 55 बच्चे) का भी उल्लेख है। हालांकि, इस दस्तावेज़ की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी। दस्तावेज़ इस लिंक पर उपलब्ध: https://patnahighcourt.gov.in/jjs/PDF/UPLOADED/182.PDF

42 आंकड़े 'किशोर न्याय निगरानी समिति, पटना उच्च न्यायालय' से मई 2024 तक के हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://patnahighcourt.gov.in/jjs/

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
38	37 [3]

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	NP [43]
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	NP
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	NP
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	NP
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	NP
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	NP

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
NP	NP	NP

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
17/37 [44]	20/37 [45]

43 बिहार ने कार्यभार पर पूछे सवालों का कोई उत्तर नहीं दिया, इसलिए इसका आकलन नहीं किया जा सका। "सन् 2022 के दौरान बिहार के 'किशोर न्याय बोर्ड' में लंबित और निपटाए गए केसों का समेकित चार्ट" शीर्षक वाले दस्तावेज़ के अनुसार, राज्य के 37 JJB के समक्ष कुल मिलाकर 3.7 लाख से अधिक केसों का कार्यभार था, जिनमें से जनवरी से दिसंबर 2022 की अवधि में 3.62 लाख मामले लंबित थे। हालांकि, इस दस्तावेज़ की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी। दस्तावेज़ इस लिंक पर उपलब्ध: https://patnahighcourt.gov.in/jjs/PDF/UPLOADED/250.PDF
44 केवल 17 ज़िलों ने इस सवाल का जवाब दिया।
45 कैमूर, मुंगेर और वैशाली ज़िलों ने 'किशोर न्याय बोर्ड' से संबद्ध 'क़ानूनी सेवा क्लिनिक' की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई, लेकिन किशोरों के केसों के लिए विशेष वकीलों की एक सूची दर्ज की।

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

किशोर न्याय कोष

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	40 [46]
पुलिस ज़िले	44 [47]

SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	NP
महिला	NP
पुरुष	NP

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

कुल 44 पुलिस ज़िलों में 1,219 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPO) थे। इनमें मुज़फ़्फ़रपुर, जमालपुर, कटिहार और पटना के 4 रेलवे ज़िलों से 67 CWPO शामिल थे। इनमें महिला CWPO केवल 63 थीं।

46 बिहार पुलिस मुख्यालय ने जवाब दिया कि "सभी ज़िलों में विशेष किशोर पुलिस इकाई है।"
47 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

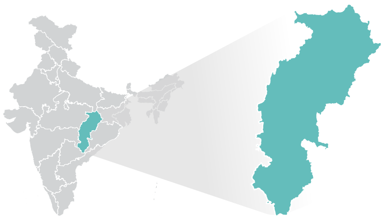

छत्तीसगढ़

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
33	33	2,356	5,421	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब नहीं दिया	जवाब नहीं दिया	जवाब नहीं दिया	जवाब दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[9]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	14	301
विशेष गृह	7	8
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	5	85
कुल	26	394

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	11	3	14	4	3	7	5	0	5
क्षमता									
कुल क्षमता	NP	NP	NP	NP	NP	NP	NP	NP	NP
बच्चे	232	6	238	15	2	17	83	0	83
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	Not provided								
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 26 [54] **निरुद्ध बच्चे:** 338

53 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
54 'किशोर न्याय समिति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय' से गृहों और उनमें रखे गए बच्चों की संख्या के आंकड़े। 'नवचेतन- एक नई शुरुआत'। खंड. 2/JJC/2023। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourt.cg.gov.in/jj/ebook/Newsletter_Volume_2.pdf

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
33	28 [55]

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	NP
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	NP
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	NP
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	NP
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	NP
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	NP

उल्लेखनीय: 'किशोर न्याय समिति' ने अपने न्यूज़लेटर में बताया कि 3 अगस्त 2023 तक कुल 3,845 मामले लंबित थे।

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
NP	NP	NP

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
27/28	20/28 [56]

55 'किशोर न्याय समिति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय' से गृहों और उनमें रखे गए बच्चों की संख्या के आंकड़े। 'नवचेतन- एक नई शुरुआत'। खंड. 2/JJC/2023। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourt.cg.gov.in/jj/ebook/Newsletter_Volume_2.pdf

56 बीजापुर, गरियाबंद, कबीरधाम, नारायणपुर, सुकमा, सुरजपुर और सरगुजा 'ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरणों' ने पूछताछ का कोई उत्तर नहीं दिया। हालांकि, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति द्वारा तैयार किया गया न्यूज़लेटर (2023) बताता है कि राज्य में वकीलों की अलग पैनल सूची है, जिसमें वर्तमान में 28 'किशोर न्याय बोर्ड' और 27 'बाल कल्याण समितियों' में 315 पैनल लॉयर्स काम कर रहे हैं।

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	50
2022-23 (RE)	50
2022-23 (AE)	0
उपयोग (%)(AE/RE*100)	**0**
2023-24 (BE)	50

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	**34** [57]
पुलिस ज़िले	**33** [58]

SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता

कुल	**NP**
महिला	**NP**
पुरुष	**NP**

57 छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की 'किशोर न्याय समिति' के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourt.cg.gov.in/jj/sjpu.htm
58 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

'किशोर न्याय समिति' के अनुसार, 495 पुलिस थानों में कुल 674 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' नियुक्त किए गए थे।

दिल्ली

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
11	15	2,340	5,128	2,461

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
ज़िलों को हस्तांतरित (12/15 ने जवाब दिया)	ज़िलों को हस्तांतरित (12/15 ने जवाब दिया)	जवाब दिया	जवाब दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[71]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	3	91
विशेष गृह	1	4
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	1	32
कुल	5	127

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

'महिला और बाल विकास विभाग' के अनुसार 'बाल देखरेख संस्थानों' में बच्चों को ग़ैर-औपचारिक कक्षाएं,'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ ओपन स्कूलिंग' (NIOS) के माध्यम से औपचारिक कक्षाएं, अभिव्यक्तिपरक कला कार्यशाला, इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण कक्षाएं, प्लंबिंग कक्षा और हेयर सैलून की कक्षा दी जाती है।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	2	1	3	1	0	1	1	1	2
क्षमता									
कुल क्षमता	225	20	245	40	-	40	60	30	90
बच्चे	NP	-	NP	10	-	10	NP	NP	NP
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	NP	-	NP	1	-	1	NP	NP	NP
चिकित्सा अधिकारी	NP	-	NP	NP	-	-	NP	NP	NP
परामर्शदाता	NP	-	NP	3	-	-	NP	NP	NP
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	NP	-	NP	NP	-	-	NP	NP	NP

बाल देखरेख संस्थान: 6[72] **निरुद्ध बच्चे: 10**[73]

71 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
72 'महिला और बाल विकास विभाग' के अनुसार, लड़कों के लिए 3 'पर्यवेक्षण गृह', 1 'विशेष गृह' और 1 'सुरक्षित स्थान' है, जबकि लड़कियों के लिए 1 'सुरक्षित स्थान' है। लड़कियों के लिए कोई 'पर्यवेक्षण गृह' या 'विशेष गृह' नहीं है।
73 'महिला और बाल विकास विभाग' ने केवल 'विशेष गृह' में रह रहे बच्चों की जानकारी प्रदान की।

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
11	7 *

* चार ज़िलों में 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) नहीं हैं — दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली, पश्चिम दिल्ली और दक्षिण-पूर्व दिल्ली।

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	1,650
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	811
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	2,461
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	1,030
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	1,431
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	41.9

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
NP	NP	NP

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
7/7	7/7

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
3/11 [74]	820

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

किशोर न्याय कोष

महिला और बाल विकास विभाग' के अनुसार, "रिकॉर्ड के मुताबिक किशोर न्याय कोष (JJF) के लिए कोई बजटीय आवंटन उपलब्ध नहीं है।"

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	15 [75]
पुलिस ज़िले	15 [76]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	0
महिला	0
पुरुष	0

महिला और बाल विकास विभाग' ने जानकारी दी कि "वर्तमान में विशेष किशोर पुलिस इकाई में सामाजिक कार्यकर्ता के पद रिक्त हैं।"

74 दिल्ली ने JJB के कार्यभार पर ज़िला-वार विवरण प्रदान नहीं किया।
75 दिल्ली पुलिस, 'ज़िला विशेष किशोर पुलिस इकाई'। इस लिंक पर उपलब्ध: https://spuwac.in/dpjju2/sjpus.html.
76 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

जानकारी देने वाले 13 पुलिस ज़िलों में कुल 233 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' थे। इनमें से 75 महिलाएं थीं।

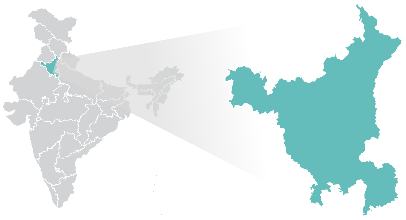

हरियाणा

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
22	24	1,164	3,462	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (8/22 ने जवाब दिया)	ज़िलों को हस्तांतरित (8/22 ने जवाब दिया)	ज़िलों को हस्तांतरित (21/22 ने जवाब दिया)

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024)[59]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	3	94
विशेष गृह	1	42
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	3	125
कुल	7	261

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

फ़रीदाबाद के 'पर्यवेक्षण गृह' ने कम्प्यूटर टाइपिंग कोर्स, वॉल पेंटिंग, योग, कला और क्राफ़्ट कोर्स करवाने की जानकारी दी।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23)

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	2	1	3	1	0	1	3	0	3
क्षमता									
कुल क्षमता	100	25	125	50	0	50	225	0	225
बच्चे	136	1	137	Not provided					
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	2	1	3	Not provided					
चिकित्सा अधिकारी	2	1	3 [60]	Not provided					
परामर्शदाता	2	0	2	Not provided					
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	23/29	6/9	29/38	Not provided					

बाल देखरेख संस्थान: 7 [61] निरुद्ध बच्चे: 137

59 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
60 'पर्यवेक्षण गृह' करनाल (लड़कियों के लिए) में कॉल पर मेडिकल ऑफ़िसर की बजाय फ़ार्मासिस्ट के उपलब्ध रहने की बात बताई गई है।
61 पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की 'किशोर न्याय निगरानी समिति' के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध:https://highcourtchd.gov.in/jjmc/?trs=cl

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
22	22 [62]

8 JJB ने जवाब दिया।

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	898
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	992
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	1,890
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	1,097
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	895
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	58.4

ज़िले: कार्यभार और केस निपटारे की दर (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
महेंद्रगढ़ (नारनौल)	121	37.2
चरखी दादरी	47	38.3
कैथल	173	39.9
पानीपत	333	56.8
फ़रीदाबाद	355	59.4
गुरुग्राम	582	60.5
अंबाला	242	61.6
झज्जर	-	-
भिवानी	NP	NP
फ़तेहाबाद	NP	NP
हिसार	NP	NP
जींद	NP	NP
करनाल	NP	NP
कुरुक्षेत्र	NP	NP
नूह	NP	NP
पलवल	NP	NP
पंचकूला	NP	NP
रेवाड़ी	NP	NP
रोहतक	NP	NP
सिरसा	NP	NP
सोनीपत	NP	NP
यमुनानगर	NP	NP

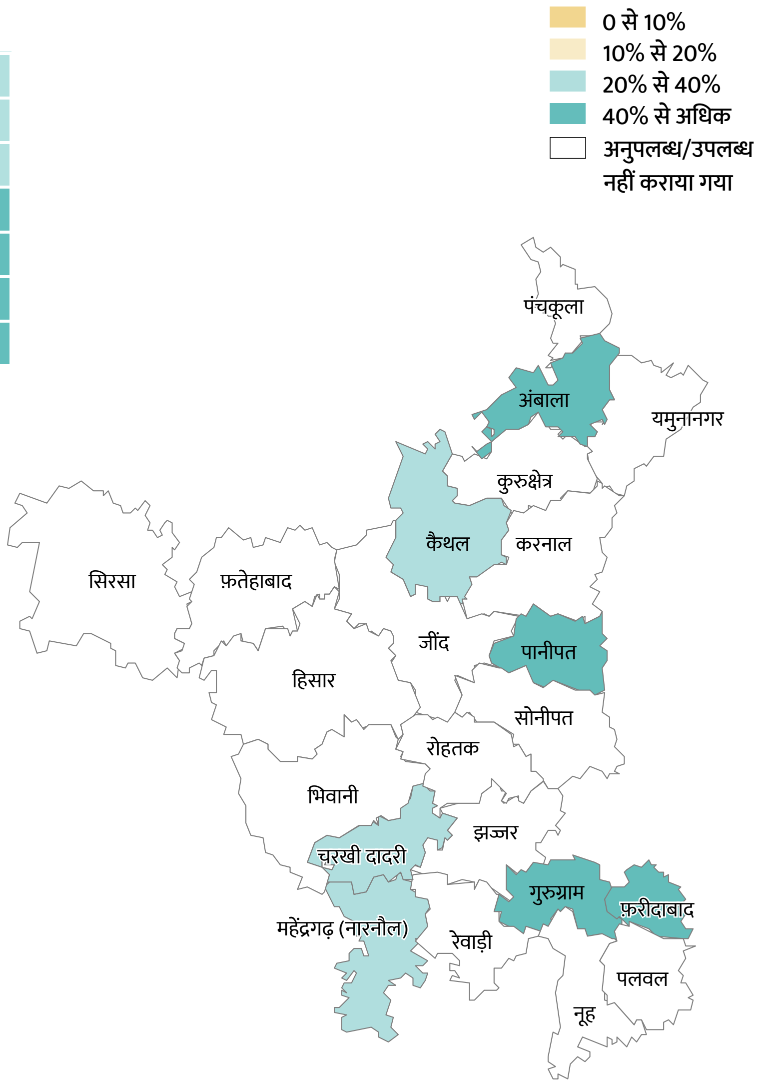

62 पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की 'किशोर न्याय निगरानी समिति' के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourtchd.gov.in/jjmc/?trs=cl

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 139 पर

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
OBH अंबाला	10	5
OBH फ़रीदाबाद	7	4
OBH करनाल	16	NP

3 'पर्यवेक्षण गृहों' में किए जाने वाले न्यूनतम 36 निरीक्षणों में से, अंबाला और फ़रीदाबाद के 'किशोर न्याय बोर्ड' ने वर्षभर में कुल 9 निरीक्षण किए। गुरुग्राम ज़िले के पास कोई आवासीय सुविधा नहीं है, लेकिन रिकॉर्ड के अनुसार JJB ने यहां जनवरी से नवंबर 2023 के बीच 13 निरीक्षण किए। हालाकि, इसमें यह उल्लेख नहीं है कि किस गृह का दौरा किया गया।

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
11/22	8/22

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की 'किशोर न्याय निगरानी समिति' 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारियों' (LCPO) के 2025 तक के आंकड़े प्रदान करती है। इसके अनुसार राज्य में कुल 16 अधिकारी हैं। अंबाला, भिवानी, चारखी दादरी, फ़रीदाबाद, कैथल और सोनीपत में कोई LCPO नियुक्त नहीं है।[63]

63 पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की 'किशोर न्याय निगरानी समिति' के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourtchd.gov.in/jjmc/?trs=cl

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	500
2022-23 (RE)	500
2022-23 (AE)	0
उपयोग (%)(AE/RE*100)	0
2023-24 (BE)	500

केवल फ़रीदाबाद और पलवल ने अपने कोष के आवंटन के बारे में जवाब दिया।

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	22 [64]
पुलिस ज़िले	22 [65]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	NP
महिला	NP
पुरुष	NP

36 में से 30 पुलिस ज़िलों ने उत्तर दिया। 72 सामाजिक कार्यकर्ताओं की निर्धारित संख्या के मुक़ाबले केवल 46 सामाजिक कार्यकर्ता दर्ज किए गए। 11 ज़िलों में एक पुरुष और एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता थे। 14 ज़िलों में केवल एक सामाजिक कार्यकर्ता था। 3 ज़िलों में केवल पुरुष सामाजिक कार्यकर्ता थे और 2 ज़िलों में सभी महिला सामाजिक कार्यकर्ता थीं।

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

पुलिस मुख्यालय से प्राप्त RTI के जवाब के अनुसार, प्रत्येक पुलिस थाने में 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' नियुक्त हैं।

64 पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की 'किशोर न्याय निगरानी समिति' के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourtchd.gov.in/jjmc/?trs=cl
65 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

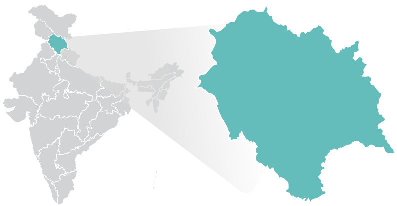

हिमाचल प्रदेश

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
12	14	163	446	1,280

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
ज़िलों को हस्तांतरित (12/14 ने जवाब दिया)	जवाब दिया	जवाब दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (7/12 ने जवाब दिया)

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024)) [77]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	0	0
विशेष गृह	0	0
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	2	40
सुरक्षित स्थीन	0	0
कुल	2	40

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

'महिला और बाल विकास निदेशालय' से प्राप्त RTI। उत्तर में बताया गया कि सिलाई, मोमबत्ती बनाने और बुनियादी कंप्यूटर शिक्षा जैसे पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। औपचारिक शिक्षा 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ ओपन स्कूलिंग' (NIOS) के माध्यम से दी जाती है।

हिमाचल प्रदेश में 2 'पर्यवेक्षण गृह-सह- विशेष गृह-सह-सुरक्षित स्थान' हैं, जो ऊना और शिमला में स्थित हैं। प्रत्येक की क्षमता 25 बच्चों की है। दोनों ही गृह लड़कों और लड़कियों के लिए संयुक्त रूप से संचालित किए जा रहे हैं। शिमला स्थित 'बाल संरक्षण संस्थान' में 20 बच्चे और ऊना में 13 बच्चे रह रहे हैं।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

<table>
<tr><th></th><th colspan="3">पर्यवेक्षण गृह</th><th colspan="3">विशेष गृह</th><th colspan="3">सुरक्षित स्थान</th></tr>
<tr><th></th><th>बालक</th><th>बालिका</th><th>कुल</th><th>बालक</th><th>बालिका</th><th>कुल</th><th>बालक</th><th>बालिका</th><th>कुल</th></tr>
<tr><td>गृह</td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td></tr>
<tr><td>कुल गृह</td><td colspan="2">2</td><td>2</td><td colspan="2">2</td><td>2</td><td colspan="2">2</td><td>2</td></tr>
<tr><td>क्षमता</td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td></tr>
<tr><td>कुल क्षमता</td><td colspan="2">50</td><td>50</td><td colspan="2">50</td><td>50</td><td colspan="2">50</td><td>50</td></tr>
<tr><td>बच्चे</td><td colspan="2">9</td><td>9</td><td colspan="2">5</td><td>5</td><td colspan="2">19</td><td>19</td></tr>
<tr><td>स्टाफ़</td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td></tr>
<tr><td>प्रभारी/पर्यवेक्षक</td><td colspan="2">2</td><td>2</td><td colspan="2">2</td><td>2</td><td colspan="2">2</td><td>2</td></tr>
<tr><td>चिकित्सा अधिकारी</td><td colspan="2">0</td><td>0</td><td colspan="2">0</td><td>0</td><td colspan="2">0</td><td>0</td></tr>
<tr><td>परामर्शदाता</td><td colspan="2">2</td><td>2</td><td colspan="2">2</td><td>2</td><td colspan="2">2</td><td>2</td></tr>
<tr><td>सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)</td><td colspan="2">12/16</td><td>12/16</td><td colspan="2">12/13</td><td>12/13</td><td colspan="2">12/16</td><td>12/16</td></tr>
</table>

बाल देखरेख संस्थान: 6 **निरुद्ध बच्चे:** 33

77 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
12	11*

* लाहौल और स्पीति के मामलों को JJB कुल्लू द्वारा निपटाया जाता है।

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	737
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	543
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	1,280
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	550
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	730
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	43.0

ज़िले: कार्यभार और केस निपटारे की दर (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
किन्नौर	43	7.0
बिलासपुर	84	16.7
कांगड़ा	176	18.8
कुल्लू	102	23.5
मंडी	137	32.9
हमीरपुर	53	41.5
सिरमौर	105	42.9
ऊना	78	44.9
शिमला	116	51.7
सोलन	259	61.0
चंबा	127	87.4
लाहौल और स्पीति	No JJB	No JJB

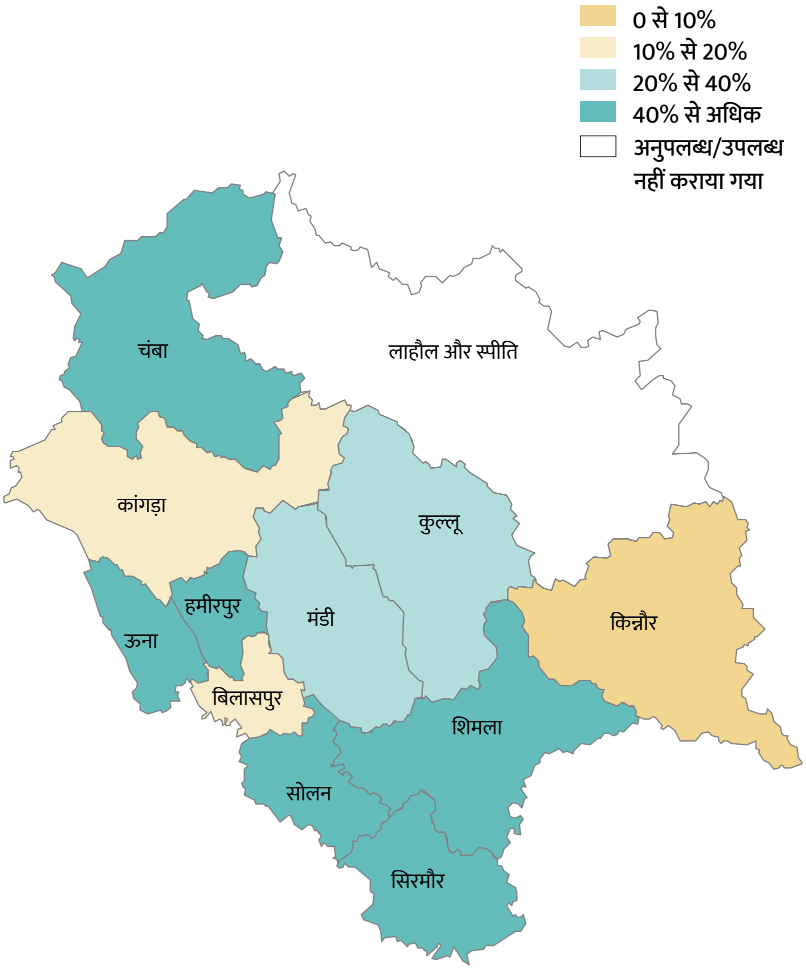

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 140 पर

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
शिमला	6	3
ऊना		7

(The DCPO value 6 spans both rows: शिमला and ऊना.)

2 गृहों को अलग-अलग सुविधा केंद्र के रूप में गिना गया। इनमें किए जाने वाले न्यूनतम 24 निरीक्षणों में से केवल 10 निरीक्षण किए गए। 'महिला और बाल विकास निदेशालय' से प्राप्त RTI उत्तर में DCPO द्वारा किए गए दौरे का विवरण प्रदान किया गया, लेकिन गृहों के अनुसार अलग-अलग आंकड़े नहीं दिए गए।

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
4/11 [78]	0/11 [79]

78 सोलन ने बताया कि उसके क़ानूनी सेवा JJB से कोई क्लिनिक संबद्ध नहीं है, जबकि ऊना ने बताया कि क़ानूनी सेवा क्लिनिक ज़िले के 'पर्यवेक्षण-सह-विशेष-सह-सुरक्षित स्थान' से संबद्ध है। हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, मंडी और सिरमौर ने कोई जवाब नहीं दिया।

79 'ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरणों' के उत्तरों में बताया गया कि विधिक सहायता से संबंधित कार्य 'क़ानूनी सहायता रक्षा परामर्शदाता' द्वारा देखा जा रहा है।

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
13/12 [80]	98.5

ज़िलावार LCPO का कार्यभार

	केस
ऊना	39
किन्नौर	43
हमीरपुर	53
शिमला	58
बिलासपुर	84
कुल्लू	102
सिरमौर	105
चंबा	127
मंडी	137
कांगड़ा	176
सोलन	259
लाहौल और स्पीति	LCPO नहीं

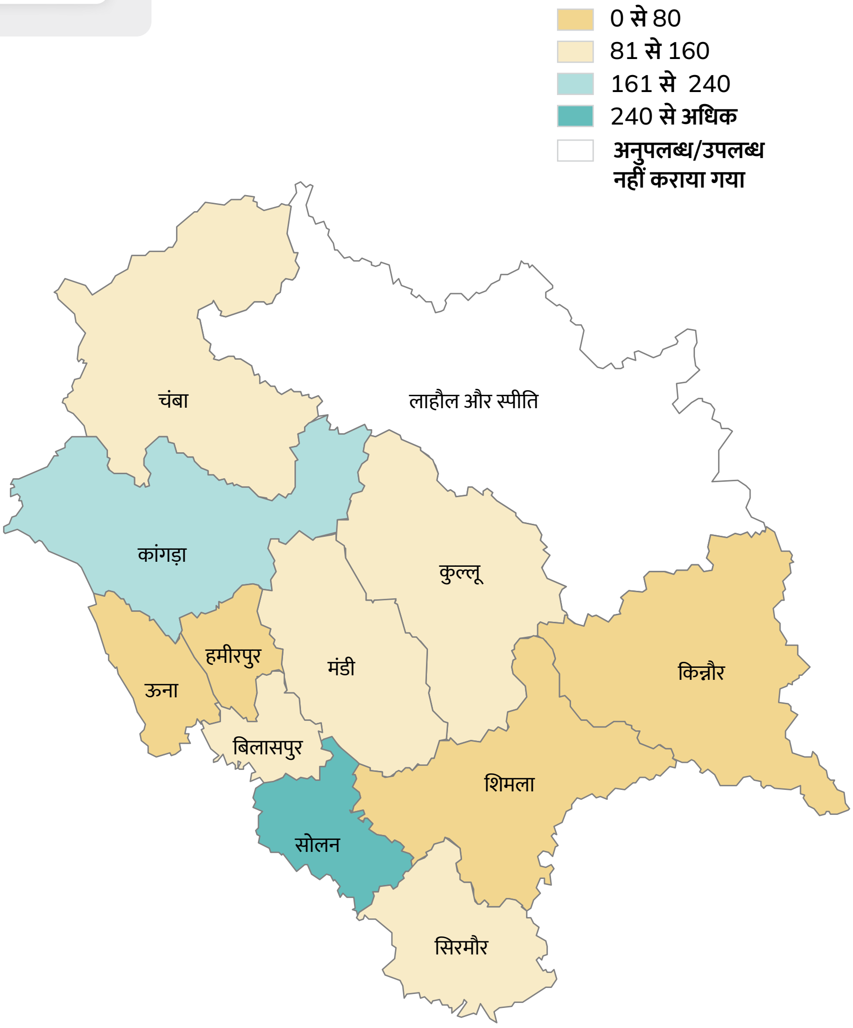

80 शिमला और ऊना ने दो 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' नियुक्त किए हैं।

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 140 पर

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

किशोर न्याय कोष

'महिला और बाल विकास निदेशालय' ने बताया कि कोष बनाया गया है, लेकिन इसके लिए कोई बजटीय आवंटन नहीं है और न ही राज्य द्वारा इसके नियम बनाए गए हैं।

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	12
पुलिस ज़िले	14 [81]

SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता

कुल	NP
महिला	NP
पुरुष	NP

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

जानकारी देने वाले 12 पुलिस ज़िलों में कुल 107 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' थे। इनमें से 8 महिलाएं थीं।

81 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

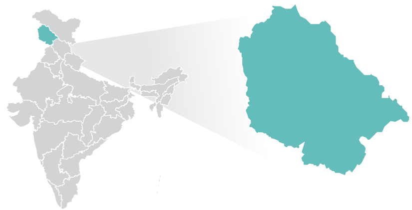

जम्मू और कश्मीर

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
20	23	361	1,008	3,359

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
ज़िलों को हस्तांतरित (16/23 ने जवाब दिया)	जवाब नहीं दिया	जवाब दिया	जवाब दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024)) [82]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	2	68
विशेष गृह	0	0
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	0	0
कुल	2	68

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

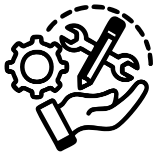

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
गृह	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
कुल गृह	Not provided								
क्षमता									
कुल क्षमता	Not provided								
बच्चे	Not provided								
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	Not provided								
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 2 **निरुद्ध बच्चे:** NP

82 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश | हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
20	20

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	2,217
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	1,142
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	3,359
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	880
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	2,511
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	26.2

ज़िले: कार्यभार और केस निपटारे की दर (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
पुंछ	56	12.5
रामबन	30	13.3
रियासी	53	15.1
सोपियां	258	15.1
राजौरी	167	15.6
बारामूला	486	15.6
बांदीपुरा	144	20.1
बडगाम	287	21.3
डोडा	42	21.4
अनंतनाग	250	22.8
उधमपुर	92	22.8
सांबा	36	25.0
श्रीनगर	438	27.6
पुलवामा	207	31.9
गांदरबल	129	32.6
कुपवाड़ा	190	34.7
कुलगाम	210	36.2
कठुआ	64	53.1
किश्तवाड़	22	54.6
जम्मू	198	59.1

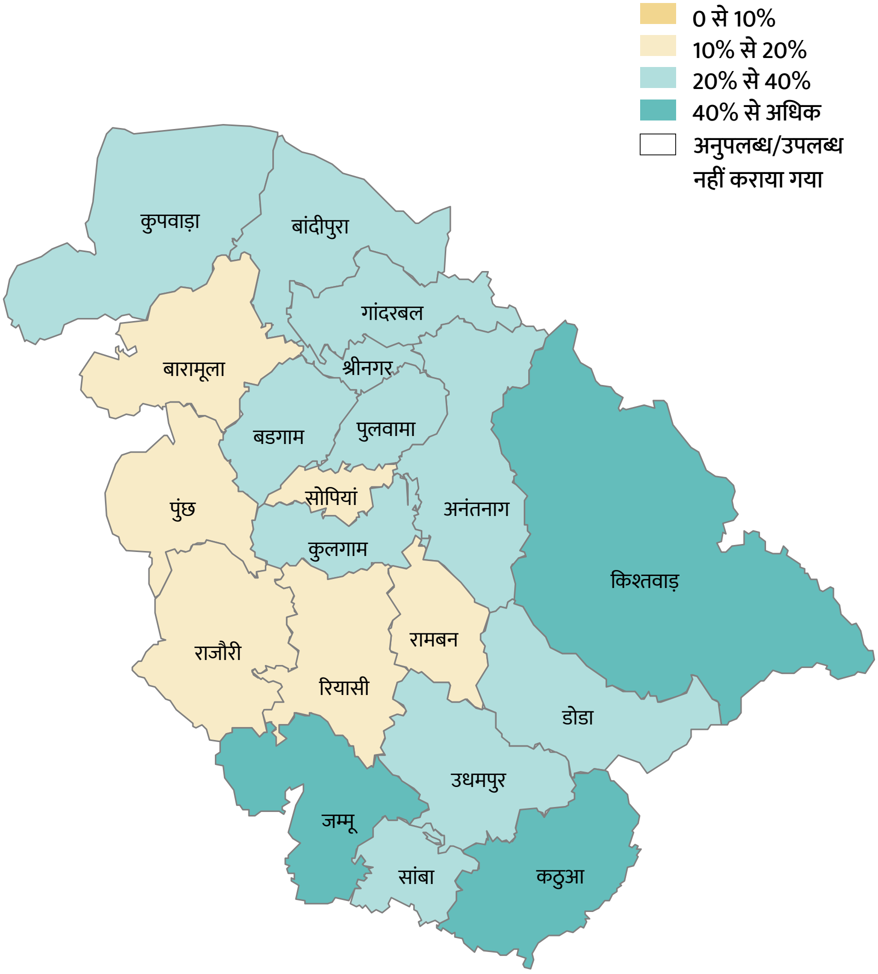

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 141 पर

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
OBH हरवन	NP	20
OBH आर एस पुरा जम्मू	NP	6

जम्मू और सांबा के 'किशोर न्याय बोर्ड' ने नवंबर 2022 से अक्टूबर 2023 के बीच 2 'पर्यवेक्षण गृहों' में किए जाने वाले न्यूनतम 24 निरीक्षणों में से 'पर्यवेक्षण गृह' आर.एस.पुरा, जम्मू का 6 बार दौरा किया। JJB श्रीनगर ने 'पर्यवेक्षण गृह' हरवन का मासिक दौरा किया, जबकि JJB कुपवाड़ा ने एक वर्ष के दौरान 'पर्यवेक्षण गृह' हरवन का 8 बार दौरा किया।

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
11/20	11/20

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

किशोर न्याय कोष

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	16
पुलिस ज़िले	23 [83]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	4
महिला	4
पुरुष	NP

23 में से केवल 16 ज़िलों ने बताया कि SJPU का गठन किया है। सामाजिक कार्यकर्ताओं के बारे में केवल कठुआ और राजौरी ने बताया कि उनके यहां 2-2 महिला कार्यकर्ता हैं।

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

जानकारी देने वाले 16 ज़िलों ने बताया कि 151 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' हैं, जिनमें से महिलाएं केवल 7 हैं।

83 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

India Justice Report

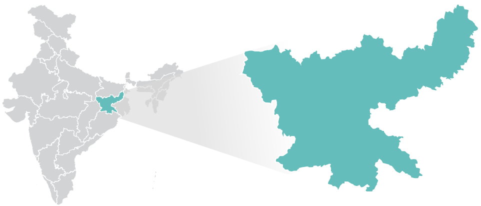

झारखंड

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
24	24	123	233	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
ज़िलों को हस्तांतरित (11/24 ने जवाब दिया)	जवाब नहीं दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (9/24 ने जवाब दिया)	जवाब नहीं दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024)) [48]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	13	434
विशेष गृह	1	11
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	1	0
कुल	15	445

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	NP	NP	10	NP	NP	1	NP	NP	1
क्षमता									
कुल क्षमता	Not provided								
बच्चे	Not provided								
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	Not provided								
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 12 [49] **निरुद्ध बच्चे: NP**

48 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
49 दिसंबर 2024 तक झारखंड न्यायिक अकादमी के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://jajharkhand.in/wp-content/uploads/2024/12/Juvenile-Justice-Book-Print.pdf

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
24	24 [50]

9 JJB ने जवाब दिया।

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	1,234
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	658
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	1,892
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	847
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	1047
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	44.8

ज़िले: कार्यभार और केस निपटारे की दर (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
गुमला	264	18.9
जमाताड़ा	72	25.0
दुमका	143	33.6
धनबाद	320	45.9
गिरीडीह	358	46.1
हज़ारीबाग	304	47.0
लातेहार	126	51.6
लोहरदगा	218	65.1
सिमडेगा	87	79.3
बोकारो	NP	NP
चतरा	NP	NP
देवघर	NP	NP
पूर्वी सिंहभूम	NP	NP
गढ़वा	NP	NP
गोड्डा	NP	NP
खूंटी	NP	NP
कोडरमा	NP	NP
पाकुड़	NP	NP
पलामू	NP	NP
रामगढ़	NP	NP
रांची	NP	NP
साहेबगंज	NP	NP
सरायकेला	NP	NP
पश्चिम सिंहभूम	NP	NP

0 से 10%
10% से 20%
20% से 40%
40% से अधिक
अनुपलब्ध/उपलब्ध नहीं कराया गया

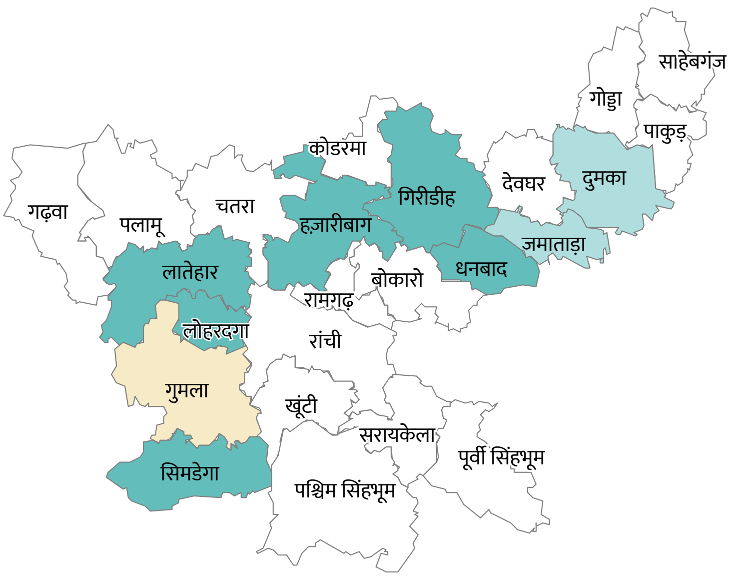

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 142 पर

50 साल 2020 तक 'झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण' के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://jhalsa.org/pdfs/juvenile/Table_JJB_jun2020.pdf

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
OBH बोकारो	NP	NP
OBH देवघर	NP	1
OBH और SH धनबाद	NP	12
OBH दुमका	NP	16
OBH पूर्वी सिंहभूम	NP	NP
OBH गुमला	NP	44
OBH हज़ारीबाग	NP	3
OBH पलामू	NP	NP
OBH रांची	NP	NP
PoS सिमडेगा	NP	10
OBH पश्चिमी सिंहभूम	NP	NP

12 'गृहों' में किए जाने वाले न्यूनतम 144 निरीक्षणों में से, 5 'किशोर न्याय बोर्ड' - धनबाद (12 दौरे), दुमका (16 दौरे), गुमला (37 दौरे), हज़ारीबाग (3 दौरे) और सिमडेगा (10 दौरे) ने अपने-अपने ज़िलों के गृहों में वर्षभर में कुल 78 दौरे किए। इसके अलावा, JJB गिरिडीह ने देवघर 'पर्यवेक्षण गृह' का एक बार दौरा करने की रिपोर्ट दी, और JJB लोहरदगा ने गुमला 'पर्यवेक्षण गृह' का 7 बार दौरा किया। साथ ही, लातेहार और जामताड़ा के JJB के पास अपने गृह नहीं थे। उन्होंने क्रमशः 4 और 7 दौरे किए, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किन गृहों का दौरा किया।

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
NP	NP

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	50
2022-23 (RE)	50
2022-23 (AE)	50
उपयोग (%)(AE/RE*100)	100
2023-24 (BE)	50

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	**26** [51]
पुलिस ज़िले	**24** [52]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	**NP**
महिला	**NP**
पुरुष	**NP**

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

जानकारी देने वाले 11 ज़िलों में कुल 132 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPO) थे। इनमें से 19 महिला CWPO थीं।

51 RTI के जवाबों के अनुसार केवल 3 ज़िलों- गढ़वा, पलामू और सरायकेला में 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) मौजूद थीं। SJPU की संख्या से संबंधित आंकड़े 'झारखंड राज्य बाल संरक्षण सोसायटी' से लिए गए हैं। हालांकि इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं की जा सकी। इस लिंक पर उपलब्ध: https://cpmis.jharkhand.gov.in/Default.aspx
52 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

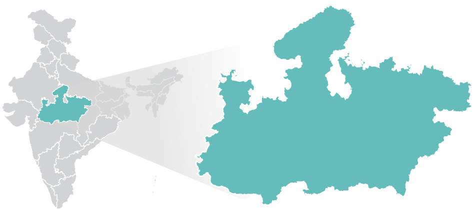

मध्य प्रदेश

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार- जानकारी उपलब्ध नहीं कराई
55	52	3,795	12,394	32,273

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब नहीं दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (4/55 जवाब दिया)	ज़िलों को हस्तांतरित (6/55 जवाब दिया)	जवाब दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[21]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	18	570
विशेष गृह	3	90
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थान	0	0
कुल	21	660

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

इंदौर में लड़कियों के लिए 'विशेष गृह-सह सुरक्षित स्थानों' में कंप्यूटर, ब्यूटी पार्लर आदि पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं, जबकि लड़कों के लिए 'विशेष गृह-सह सुरक्षित स्थानों' में कंप्यूटर, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिकल बोर्ड वायरिंग, मोटर बाइंडिंग और बागवानी जैसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	16	2	18	2 [22]	1 [23]	3	2	1	3
क्षमता									
कुल क्षमता	NP	NP	NP	NP [24]	NP	NP	NP	NP	NP
बच्चे	Not provided								
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	14	2	16[25]	2	1	3	NP	NP	NP
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 21 **निरुद्ध बच्चे:** NP

21 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
22 मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने मार्च 2016 की अधिसूचना के माध्यम से सिवनी और इंदौर में बालकों के दो 'विशेष गृहों' को 'सुरक्षित स्थानों' के रूप में भी कार्य करने की अनुमति प्रदान की है।
23 इंदौर में बालिकाओं के लिए 'विशेष गृह' को भी 'सुरक्षित स्थानों' के रूप में संचालित किया जाता है। RTI के जवाब में संस्थान ने बताया कि इसकी क्षमता 50 बालिकाओं की है, और 31 अक्टूबर 2023 तक यहां दो बालिकाएं रह रही थीं। हालांकि, संस्थान ने 'विशेष गृह' और 'सुरक्षित स्थानों' के लिए अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए।
24 केवल इंदौर से ही RTI का उत्तर प्राप्त हुआ। जवाब में बताया गया कि संस्थान की क्षमता 50 बच्चों की है, और 31 अक्टूबर 2023 तक वहां 27 बालक रह रहे थे। हालांकि, संस्थान ने 'विशेष गृह' और 'सुरक्षित स्थानों' के लिए अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए।
25 पर्यवेक्षकों या प्रभारी अधिकारियों की संख्या से संबंधित आंकड़े 'महिला एवं बाल विकास विभाग', मध्य प्रदेश सरकार से लिए गए। इस लिंक पर उपलब्ध: https://mpwcdmis.gov.in/scheme_missionvatsalya_grah.aspx?Scheme_ID=02&Component_ID=6

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
55	51 [26]

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	16,631 [27]
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	15,642
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	32,273
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	16,584
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	15,689
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	51.4

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
श्योपुर	98	0.0
होशंगाबाद	474	13.1
नीमच	308	14.9
सागर	1,301	18.0
सीहोर	397	19.7
उज्जैन	1,575	22.9
रतलाम	1,244	30.0
गुना	1,041	31.0
टीकमगढ़	541	35.3
कटनी	750	36.7
अलीराजपुर	395	42.0
उमरिया	252	43.3
मंडला	150	43.3
शिवपुरी	577	46.1
छिंदवाड़ा	477	47.2
भोपाल	1,810	49.0
इंदौर	2,077	49.4
राजगढ़	605	49.9
पन्ना	378	50.8
छतरपुर	652	51.1
डिंडौरी	106	52.8
नरसिंहपुर	328	53.1
सतना	1,054	54.4
मुरैना	1,234	54.9
सीधी	304	54.9
रायसेन	484	57.6

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
मंदसौर	384	58.1
ग्वालियर	1,100	58.8
जबलपुर	1,213	58.9
सिंगरौली	553	59.9
हरदा	344	60.2
शाजापुर	539	60.7
भिंड	807	60.8
झबुआ	493	61.9
रीवा	1,239	62.6
अनूपपुर	291	62.9
देवास	766	63.3
बरवानी	382	64.4
बालाघाट	322	65.2
नर्मदापुरम	109	66.1
दामोह	298	68.8
सिवनी	199	69.4
खांडवा	399	69.9
बैतूल	340	71.2
खरगौन	487	71.9
धार	586	74.9
शहडोल	452	75.4
अशोकनगर	462	77.5
विदिशा	1,100	78.1
दतिया	355	87.0
बुरहानपुर	441	92.3

- 0 से 10%
- 10% से 20%
- 20% से 40%
- 40% से अधिक
- अनुपलब्ध/उपलब्ध नहीं कराया गया

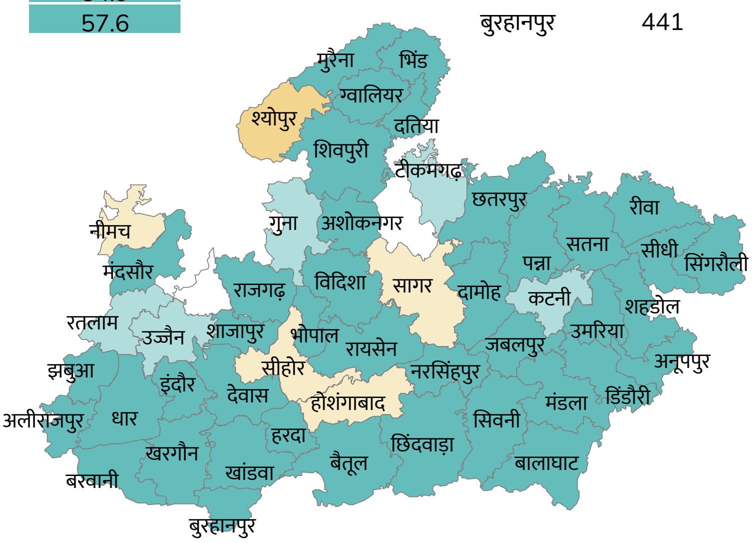

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 144 पर

26 मध्य प्रदेश के मऊगंज, मैहर, निवाड़ी और पांढुर्णा ज़िलों में 'किशोर न्याय बोर्ड' गठित नहीं हैं।

27 आंकड़े 'किशोर न्याय समिति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय' से लिए गए हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://mphc.gov.in/jjc/home

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
NP	NP	NP

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
50/51	NP

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP [28]	NP

28 छह ज़िलों से प्राप्त जवाबों में से पांच- अनूपपुर, बैतूल, धार, गुना और इंदौर ने प्रत्येक ज़िले में एक-एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' (LCPO) की नियुक्ति की सूचना दी।

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	460
2022-23 (RE)	460
2022-23 (AE)	409.18
उपयोग (%)(AE/RE*100)	**88.95**
2023-24 (BE)	460

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	55 [29]
पुलिस ज़िले	55 [30]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	NP
महिला	NP
पुरुष	NP

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

'मध्य प्रदेश किशोर न्याय समिति' के अनुसार, राज्य के 1153 पुलिस थानों में 1153 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPO) नियुक्त हैं। इसके अलावा, 55 ज़िलों के साथ-साथ भोपाल, जबलपुर और इंदौर के तीन रेलवे ज़िलों में भी 28 CWPOs की सूची दी गई है।

29 आंकड़े 'किशोर न्याय समिति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय' से लिए गए हैं और जनवरी 2025 तक के हैं। दस्तावेज़ में 55 ज़िलों के अलावा तीन रेलवे ज़िलों- भोपाल, जबलपुर और इंदौर में स्थापित 'विशेष किशोर पुलिस इकाइयों' (SJPUs) का भी उल्लेख किया गया है। इस लिंक पर उपलब्ध: https://mphc.gov.in/PDF/web_pdf/JJC/JUVENILE%20JUSTICE%20STAKEHOLDERS/6.%20Special%20Juvenile%20Police%20Units.pdf

30 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

31 आंकड़े 'किशोर न्याय समिति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय' से लिए गए और जनवरी 2025 तक के हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://mphc.gov.in/PDF/web_pdf/JJC/JUVENILE%20JUSTICE%20STAKEHOLDERS/7.%20Child%20Welfare%20Police%20Officers.pdf

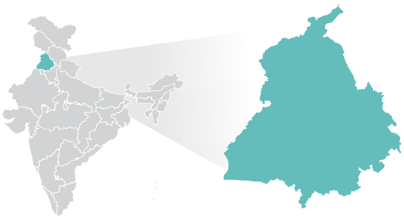

पंजाब

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
23	25	452	935	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब दिया	जवाब दिया	जवाब दिया	जवाब दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[9]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	4	142
विशेष गृह	2	8
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	0	0
कुल	6	150

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

गृहों में 'पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान' (PNBRSETI) द्वारा एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन मरम्मत के कोर्स और 'आस अहसास' (NGO) द्वारा कंप्यूटर पाठ्यक्रम संचालित हैं। एक NGO द्वारा उपलब्ध कराए शिक्षक खाना बनाना, पंखा बांधना, प्लम्बिंग, बागवानी, टेलरिंग, क्रोशिया, वॉल पेंटिंग और अन्य कौशल पर कक्षाएं संचालित की जाती हैं। 'सर्व शिक्षा अभियान' के स्टाफ़ द्वारा मूलभूत शिक्षा प्रदान की जाती है।

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
गृह	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
कुल गृह	3	1	4	1	1	2	3	1	4[17]
क्षमता									
कुल क्षमता	200	25	225	NP	NP	NP	NP	NP	NP
बच्चे	250	5	255	NP	NP	NP	NP	NP	NP
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	Not provided								
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 6 **निरुद्ध बच्चे:** 210

16 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
17 RTI के उत्तर में बताया गया कि पंजाब ने "लुधियाना और फ़रीदकोट के 'पर्यवेक्षण गृह' और होशियारपुर और अमृतसर के 'विशेष गृह' के एक हिस्से को 'सुरक्षित स्थानों' के रूप में निर्धारित किया है।"

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
23	23

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	NP
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	NP
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	NP
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	NP
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	NP
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	NP

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
NP	NP [18]	NP

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
7/23	6/23

18 RTI के जवाब में बताया गया कि DCPO ने आवश्यकतानुसार महीने में एक दौरा किया।

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
19/23	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	25
2022-23 (RE)	25
2022-23 (AE)	25
उपयोग (%)(AE/RE*100)	**100**
2023-24 (BE)	25

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	23[19]
पुलिस ज़िले	25[20]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	NP
महिला	NP
पुरुष	NP

19 पुलिस मुख्यालय ने इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। आंकड़े 'किशोर न्याय निगरानी समिति, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय' से मई 2025 तक के हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://highcourtchd.gov.in/jjmc//
20 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

पुलिस मुख्यालय से मिले जवाब के अनुसार 28 पुलिस ज़िलों में 421 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' हैं। इनमें 53 महिलाएं हैं।

राजस्थान

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार- जानकारी उपलब्ध नहीं कराई
41	43	3,063	5,683	16,792

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब दिया	जवाब दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (15/33 ने जवाब दिया)	जवाब दिया

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[9]

	कुल गृह	कुल बच्चे
OBH	40	695
SH	0	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	12	99
Total	52	794

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

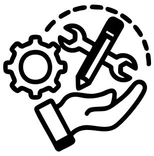

अजमेर, कोटा, जयपुर, झुंझुनू, झालावाड़, और जोधपुर के 'पर्यवेक्षण गृह' में ICICI फ़ाउंडेशन द्वारा इलेक्ट्रिकल उपकरण मरम्मत और मोबाइल मरम्मत जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। बोंदी, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ के गृह में कंप्यूटर टाइपिंग, टेलरिंग और कला और शिल्प पर पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। बारां और श्रीगंगानगर के गृह में ओपन बोर्ड के माध्यम से शिक्षा दी जाती है।

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	NP	NP	33	NP	NP	12	NP	NP	12
क्षमता									
कुल क्षमता	NP	NP	1650	NP	NP	300	NP	NP	300
बच्चे	NP	NP	383	NP	NP	48	NP	NP	114
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	Not provided								
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 57 निरुद्ध बच्चे : 545

9 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
10 राजस्थान ने लैंगिक आधार पर अलग-अलग आंकड़े नहीं दिए।

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
41	34

राजस्थान के आठ ज़िलों- बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना कुचामन, खैरथल-तिजारा, कोटपुतली-बहरोड़ और फलोदी में 'किशोर न्याय बोर्ड' नहीं है। केवल 15 ज़िलों ने कार्यभार पर RTI प्रश्नों का जवाब दिया। 'बाल अधिकार निदेशालय' की वार्षिक रिपोर्ट जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक के आंकड़े प्रदान करती है।

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	-
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	16,792
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	-
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	8,520
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	8,245
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	-

ज़िले: कार्यभार और केस निपटारे की दर (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
अलवर	701	30.81
भीलवाड़ा	439	31.89
हनुमानगढ़	341	35.19
बूंदी	494	38.66
जालौर	185	40.54
चित्तौड़गढ़	422	42.65
उदयपुर	1157	49.78
भरतपुर	819	49.82
कोटा	1375	49.89
दौसा	359	54.32
राजसमंद	194	58.76
सिरोही	132	59.85
झालावाड़	698	62.18
चुरू	285	65.96
टोंक	597	74.71
अजमेर	NP	NP
बांसवाड़ा	NP	NP
बारां	NP	NP
बाड़मेर	NP	NP
बीकानेर	NP	NP
धौलपुर	NP	NP
डूंगरपुर	NP	NP
जयपुर	NP	NP
जैसलमेर	NP	NP
झुंझनू	NP	NP
जोधपुर	NP	NP
करौली	NP	NP
नागौर	NP	NP
पाली	NP	NP
प्रतापगढ़	NP	NP
सवाई माधोपुर	NP	NP
सीकर	NP	NP
श्रीगंगानगर	NP	NP

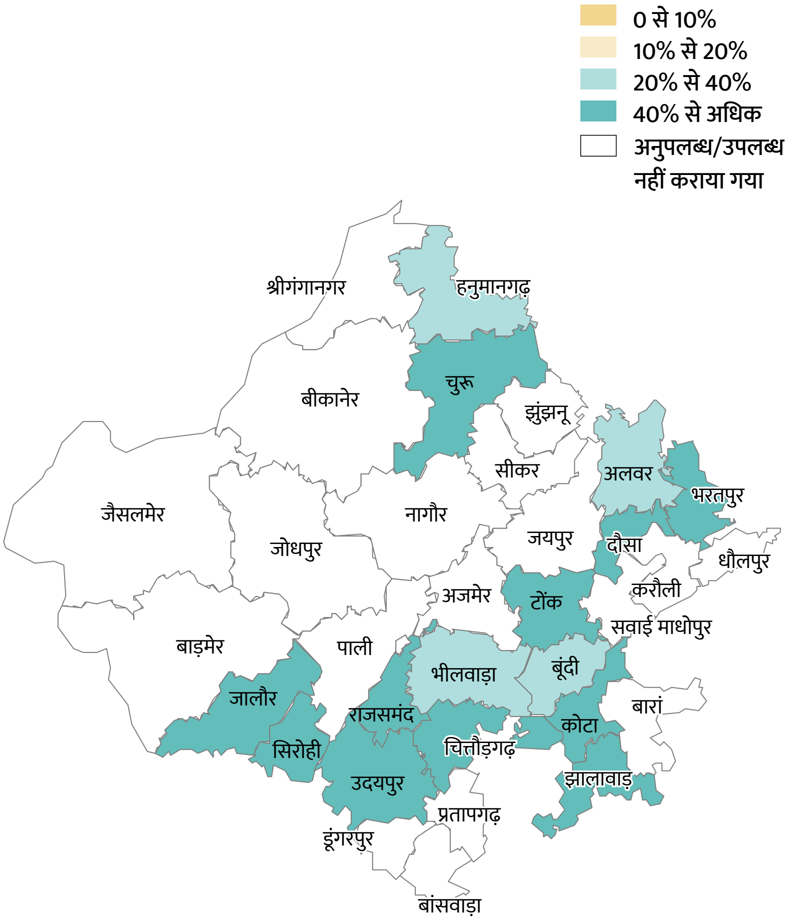

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 151 पर

बाल अधिकार निदेशालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कार्यभार (जनवरी 2024 - दिसंबर 2024)[11]

	लंबित केस
डूंगरपुर	26
राजसमंद	54
सिरोही	70
चुरु	73
करौली	83
जैसलमेर	85
जालौर	94
दौसा	94
सीकर	120
टोंक	124
सवाई माधोपुर	125
झुंझनू	127
झालावाड़	134
प्रतापगढ़	155
बारां	181
धौलपुर	191
हनुमानगढ़	198
चित्तौड़गढ़	222
पाली	224
भीलवाड़ा	238
श्रीगंगानगर	244
अजमेर	246
बांसवाड़ा	249
बूंदी	289
नागौर	290
भरतपुर	331
बाड़मेर	348
अलवर	385
जयपुर 2	391
बीकानेर	393
जयपुर 1	526
उदयपुर	536
जोधपुर	627
कोटा	772

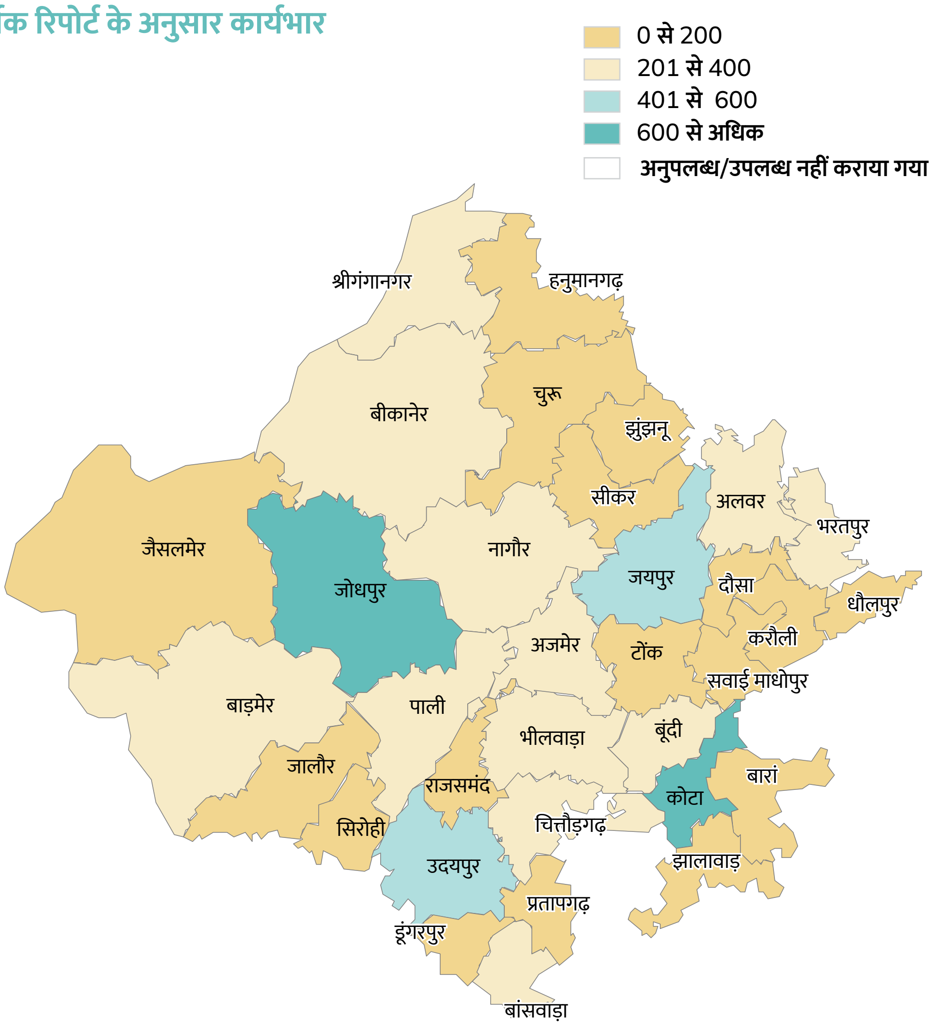

नोट: जयपुर में दो JJB हैं।

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 152 पर

11 राजस्थान के कार्यभार के आंकड़े 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक के हैं, जो 'बाल अधिकार विभाग' की वार्षिक रिपोर्ट (2024-25) से लिए गए हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://jankalyanfile.rajasthan.gov.in//Content/UploadFolder/OrderEntry/SJED/2025/Annual_Progress_Report/O_160425_9855fc0e-bd99-45e2-b2a1-70518e6b2a09.pdf

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
30 OBH	306 [12]	254
12 SH	51 [13]	NP
12 PoS	42 [14]	NP

57 गृहों में से कुल 684 संभावित निरीक्षण होने चाहिए थे। इनमें 19 JJBs ने 18 संस्थानों में 254 निरीक्षण किए। दो JJBs वाले जयपुर ने केवल पांच बार जयपुर के 'पर्यवेक्षण गृहों' (OBH) का दौरा किया। यहां 50 की क्षमता के मुक़ाबले 58 बच्चे रह रहे हैं।

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
34/41	0/34

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

12 DCPOs ने 30 गृहों का दौरा किया। अजमेर, जयपुर और जालौर ने जवाब नहीं दिया।
13 DCPO ने 7 'विशेष गृहों' का दौरा किया।
14 DCPO ने 5 'सुरक्षित स्थानों' का दौरा किया।

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

किशोर न्याय कोष

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	43
पुलिस ज़िले	43 [15]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	NP
महिला	NP
पुरुष	NP

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

राजस्थान के पुलिस मुख्यालय ने यह उत्तर दिया कि 'राजस्थान के सभी पुलिस थानों में CWPOs हैं।'

15 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

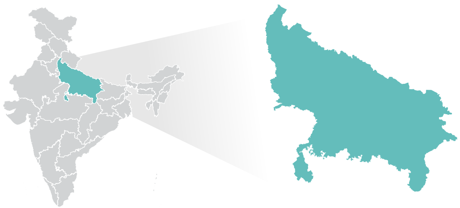

उत्तर प्रदेश

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
75	75	1,505	3,205	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
अस्वीकृत	अस्वीकृत	अस्वीकृत [66]	अस्वीकृत

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[67]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	28	1,379
विशेष गृह	2	5
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	1	28
कुल	31	1,412

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	पर्यवेक्षण गृह			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	25	1	26	1	1	2	1	0	1
क्षमता									
कुल क्षमता	1,625	30	1,655	50	30	80	50	-	50
बच्चे	Not provided								
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	Not provided								
चिकित्सा अधिकारी	Not provided								
परामर्शदाता	Not provided								
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	Not provided								

बाल देखरेख संस्थान: 29[68] **निरुद्ध बच्चे: NP**

66 'महिला और बाल विकास विभाग' ने उत्तर दिया कि "आवश्यक जानकारी mahilakalyan.up.nic से प्राप्त की जा सकती है। ज़िला स्तर पर नियुक्त मुख्य मजिस्ट्रेट के नामों की सूची ज़िला स्तर पर संपर्क करके प्राप्त की जा सकती है।"
67 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
68 गृहों की संख्या और क्षमता के आंकड़े 2025 तक के हैं और 'महिला और बाल विकास विभाग' से लिए गए हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://mahilakalyan.up.nic.in/Institution%20PDF/ka.pdf

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
75	75 [69]

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	NP
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	NP
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	NP
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	NP
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	NP
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	NP

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
NP	NP	NP

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
NP	NP

69 'महिला और बाल विकास विभाग' के जुलाई 2021 तक के आंकड़े। इस लिंक पर उपलब्ध: https://mahilakalyan.up.nic.in/JJB_LIST_FInal.pdf

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर राज्य विवेकानुसार बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विशेष कोष बना सकता है।

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	700
2022-23 (RE)	588
2022-23 (AE)	120
उपयोग (%)(AE/RE*100)	**20.4**
2023-24 (BE)	700

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	**NP**
पुलिस ज़िले	**75**[70]

SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता

कुल	**NP**
महिला	**NP**
पुरुष	**NP**

70 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

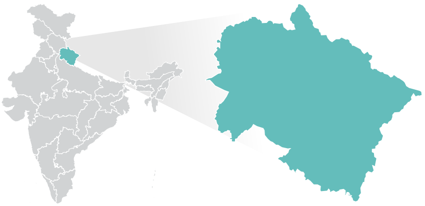

उत्तराखंड

विवरण

प्रशासनिक ज़िले	पुलिस ज़िले	किशोरों द्वारा किए गए कुल अपराध	कुल निरुद्ध किशोर	नवंबर 2023 तक कार्यभार
13	13	151	250	जानकारी उपलब्ध नहीं कराई

RTI का जवाब

पुलिस मुख्यालय	राज्य बाल संरक्षण समिति	महिला और बाल विकास विभाग	राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
जवाब दिया	ज़िलों को हस्तांतरित (4/13 ने जवाब दिया)	ज़िलों को हस्तांतरित (10/13 ने जवाब दिया)	ज़िलों को हस्तांतरित (8/13 ने जवाब दिया)

विधि विवादित बच्चों को रखने वाले संस्थान

निर्देश | राज्य को प्रत्येक ज़िले में या ज़िलों के समूह के लिए एक 'पर्यवेक्षण गृह' (OBH) स्थापित करना चाहिए। यह 'विशेष गृह' (SH) भी स्थापित कर सकता है; और कम से कम एक 'सुरक्षित स्थान' (PoS) होना अनिवार्य है।

बाल देखरेख संस्थान (CCIs) और निरुद्ध किशोर (लोकसभा से प्राप्त जानकारी (2024))[32]

	कुल गृह	कुल बच्चे
पर्यवेक्षण गृह	10	108
विशेष गृह	2	15
पर्यवेक्षण-सह-विशेष गृह	0	0
सुरक्षित स्थीन	2	27
कुल	14	150

व्यवसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधा

पौड़ी गढ़वाल स्थित 'पर्यवेक्षण गृह' ने बताया कि बच्चों को केवल थोड़े समय के लिए निरुद्ध रखा जाता है, इसलिए वहां कोई व्यवसायिक या शैक्षिक प्रशिक्षण कोर्स प्रदान नहीं किए जाते। देहरादून स्थित 'पर्यवेक्षण गृह' ने 'राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान' (NIESBUD) के माध्यम से जूट बैग बनाने, सिलाई और फ़ैशन डिज़ाइनिंग के कोर्स और ओर 'इन्फ़िनी' कंपनी के ज़रिए मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। अल्मोड़ा स्थित 'पर्यवेक्षण गृह' ने व्यवसायिक प्रशिक्षण का कोई विवरण नहीं दिया, लेकिन बताया कि "गृह में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भाषण और निबंध लेखन सत्र आयोजित किया गया।"

32 लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4264, दिनांक 31 मार्च 2024, इस लिंक पर उपलब्ध: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

बाल देखरेख संस्थानों में बच्चे (RTI से मिले जवाब (2022-23))

	पर्यवेक्षण गृह[33]			विशेष गृह			सुरक्षित स्थान		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
गृह									
कुल गृह	5	3	8	Not provided					
क्षमता									
कुल क्षमता	NP	NP	75[34]	Not provided					
बच्चे	NP	NP	NP	Not provided					
स्टाफ़									
प्रभारी/पर्यवेक्षक	4	2	6[35]	Not provided					
चिकित्सा अधिकारी	1	0	1[36]	Not provided					
परामर्शदाता	0	0	NP	Not provided					
सहयोगी स्टाफ़ (नियुक्त/ स्वीकृत)	14/24	3/8	17/32[37]	Not provided					

बाल देखरेख संस्थान: 8 **निरुद्ध बच्चे :** 346

किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में एक या अधिक 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) गठित करने चाहिए।

किशोर न्याय बोर्ड

ज़िले	JJBs
13	13

9 JJB ने जवाब दिया।

क	31 अक्टूबर 2022 तक लंबित केस	420
ख	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	560
ग	कुल कार्यभार (क+ख)	980
घ	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक निपटाए केस	722
ङ	31 अक्टूबर 2023 तक लंबित केस (ग-घ)	420
च	निपटाए केसों का % (घ/ग*100)	73.7

33 5 ज़िलों- अल्मोड़ा, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल और उधम सिंह नगर से जवाब मिले।
34 केवल नैनीताल और पौड़ी गढ़वाल के OBH ने अपनी स्वीकृत और वास्तविक संख्या बताई।
35 नैनीताल ने स्टाफ़ संख्या से संबंधित किसी प्रश्न का जवाब नहीं दिया।
36 केवल अल्मोड़ा के (बालकों के) 'पर्यवेक्षण गृह' ने एक डॉक्टर की मौजूदगी दर्ज करवाई। देहरादून, पौड़ी गढ़वाल और उधम सिंह नगर में कोई डॉक्टर नहीं था और नैनीताल ने कोई जवाब नहीं दिया।
37 अल्मोड़ा और नैनीताल ने जवाब नहीं दिया।

ज़िले: कार्यभार और केस निपटारे की दर (%)

	कुल केस (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक)	निपटाए गए केसों का प्रतिशत
नैनीताल	276	40.2
रुद्रप्रयाग	2	50.0
चमोली	28	60.7
अल्मोड़ा	36	83.3
उधम सिंह नगर	478	84.1
बागेश्वर	25	88.0
पौड़ी गढ़वाल	64	92.2
पिथौरागढ़	56	96.4
टिहरी गढ़वाल	15	173.3
चंपावत	NP	NP
देहरादून	NP	NP
हरिद्वार	NP	NP
उत्तरकाशी	NP	NP

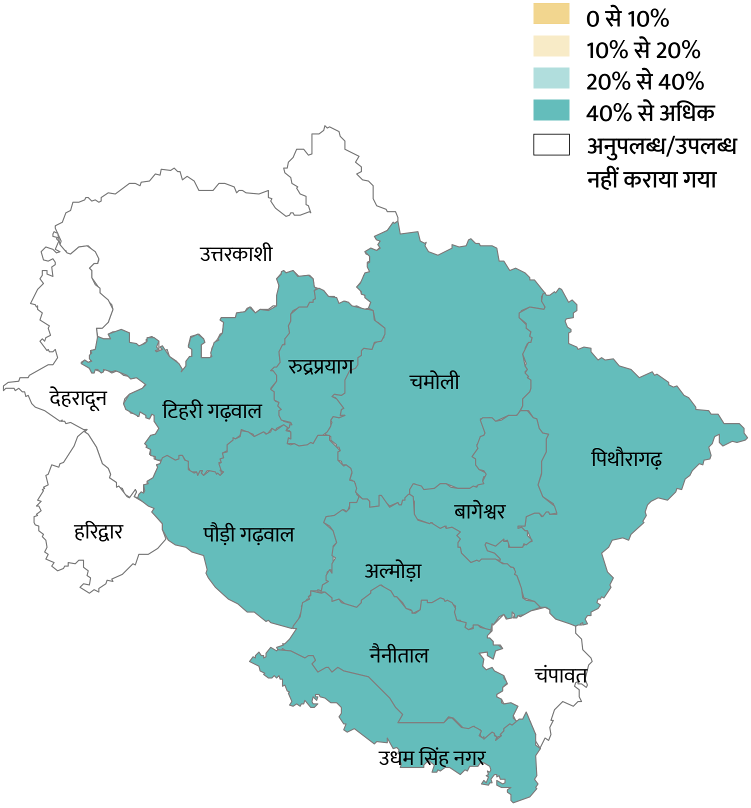

पूरे आंकड़े अनुलग्नक की पृष्ठ संख्या 155 पर

बाल देखरेख संस्थानों के निरीक्षण और दौरे (1 नवंबर 2022-31 अक्टूबर 2023)

JJB के निरीक्षण: निर्देश	JJBs को विधि विवादित बच्चे के लिए बने हर CCI का महीने में एक दौरा करने का निर्देश है।
ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO) के दौरे: निर्देश	हर गृह की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होने के नाते DCPO को सभी CCI में फ़ील्ड विज़िट करनी चाहिए।

CCI	DCPO के दौरे (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)	JJB के निरीक्षण (नवंबर 2022-अक्टूबर 2023)
अल्मोड़ा	17	7
चंपावत	38	NP
देहरादून	35	10
नैनीताल	NP	24
पौड़ी गढ़वाल	5	24
उधम सिंह नगर	23	11

उल्लेखनीय: आठ गृहों में कम से कम 96 निरीक्षण होने चाहिए। इनमें से, पांच 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJBs) ने 76 निरीक्षण किए। पांच JJBs- बागेश्वर, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल ने कोई गृह नहीं होने की सूचना दी और इसलिए कोई निरीक्षण नहीं किया। चंपावत, हरिद्वार और उत्तरकाशी के JJB ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 'ज़िला बाल संरक्षण अधिकारियों' (DCPO) ने कुल मिलाकर पांच 'बाल देखरेख संस्थानों' (CCI) का 118 बार दौरा किया।

क़ानूनी सहायता (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर JJB से एक 'क़ानूनी सहायता क्लिनिक' संबद्ध होना चाहिए। बच्चों को 'बाल कल्याण समिति' और 'किशोर न्याय बोर्ड' के समक्ष पेश करने के लिए हर DLSA के पास वकीलों का अलग पैनल होना चाहिए।

JJB से संबद्ध क़ानूनी सहायता क्लिनिक	JJB से संबद्ध विशेषज्ञ वकीलों का पैनल
7/13 [38]	8/13

विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी (LCPO) का कार्यभार (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर ज़िले में कम से कम एक 'विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी' होना चाहिए।

LCPOs	औसत केस
NP	NP

किशोर न्याय कोष (JJF) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

राज्य बजट दस्तावेज़

विस्तृत मद	किशोर न्याय कोष (रु, लाख में)
2022-23 (BE)	10.01
2022-23 (RE)	10.01
2022-23 (AE)	3.33
उपयोग (%)(AE/RE*100)	**33.27**
2023-24 (BE)	10

38 उत्तरकाशी के 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) से कोई क्लिनिक संबद्ध नहीं है, जबकि बागेश्वर, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उधम सिंह नगर ने इस संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।
39 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	निर्देश: हर ज़िले और शहर में आवश्यक रूप से एक 'विशेष किशोर पुलिस इकाई' (SJPU) हो, जो बच्चों से संबंधित पुलिस के सभी कार्यों में समन्वय करेगी। इस इकाई का नेतृत्व एक डीएसपी द्वारा किया जाएगा। इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जिनमें से कम से कम एक महिला होगी, और सभी 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CWPOs) भी इस इकाई का हिस्सा होंगे।

SJPUs	13
पुलिस ज़िले	13 [39]
SJPU में सामाजिक कार्यकर्ता	
कुल	46
महिला	19
पुरुष	27

निर्धारित 26 सामाजिक कार्यकर्ताओं के मुक़ाबले 46 सामाजिक कार्यकर्ता दर्ज किए गए। प्रत्येक SJPU में 2 सामाजिक कार्यकर्ता थे और 9 ज़िलों- अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और उधम सिंह नगर में दो से अधिक सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

निर्देश	हर पुलिस थाने में कम से कम एक निर्दिष्ट 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' (CPWO) होना चाहिए, जो विशेष रूप से पीड़ित या आरोपी बच्चों के मामलों को संभालने का ज़िम्मेदार हो।

सभी 13 ज़िलों में 176 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' हैं, जिनमें से 129 महिलाएं हैं।

39 पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, पुलिस संगठनों के आंकड़े, 2023.

India Justice Report

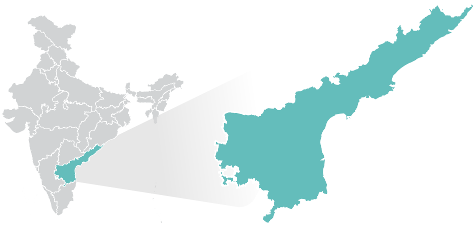

Andhra Pradesh

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
26	26	912	2,548	NP

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Rejected	Rejected	Not responded	Transferred to district (13/26 replied)

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	9	108
SH	2	8
OBH-cum-SH	2	73
PoS	0	0
Total	13	189

Vocational Training & Educational Facility

No information provided

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	8	2	10[3]	2	2	4[4]	0	0	0
Capacity									
Total Capacity	Not provided								
Children	Not provided								
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: 12[2] **Children in custody: NP**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 Data from Juvenile Justice Committee, High Court of Andhra Pradesh as of December 2024. Available at: https://aphc.gov.in/aphc_old/juvenile_docs/HELPDESK_HOMES.pdf
3 The Juvenile Justice Committee records 8 Observation Homes for boys in Visakhapatnam, Krishna, East Godavari, Eluru, Kurnool, Tirupati, Ananthapuram and Kadapa. The two homes for girls are in Visakhapatnam and Tirupati and both are recorded as Special Home cum Children Home cum Observation Homes.
4 The Juvenile Justice Committee records 2 Special Homes for boys in Visakhapatnam and Tirupati while the homes for girls are reported as Special Home cum Children Home cum Observation Homes.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
26	13 [5]

A.	Cases pending as of Oct'22	**NP**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
C.	Total workload (A+B)	**NP**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**NP**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**NP**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
NP	NP	NP

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
9/13 [6]	13/13

5 Juvenile Justice Committee, High Court of Andhra Pradesh as of December 2024. Available at: https://aphc.gov.in/aphc_old/juvenile_docs/HELPDESK_JJBs.pdf
6 Krishna, Prakasham, Nellore and Chittoor districts reported no clinics attached to JJBs.

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

No information provided

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**24** [7]
Police Districts	**26** [8]
Social Workers in SJPUs	
Total	**47**
Female	**19**
Male	**28**

47 social workers were reported against the mandated 52. Chittoor reported its SJPU had designated social workers that included a carpenter and an ambulance driver. In Tirupati, both social workers were also JJB members.

7 Juvenile Justice Committee, High Court of Andhra Pradesh as of December 2024. Available at: https://aphc.gov.in/aphc_old/juvenile_docs/Special_Juvenile_Police_Officers_help_desk.pdf
8 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

No information provided

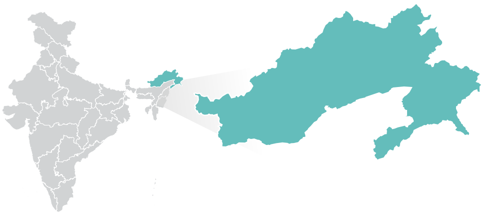

Arunachal Pradesh

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
28	26	15	90	489

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
PHQ replied	Not responded	WCD replied	Transferred to districts (0/26 replied)

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	0	0
SH	0	0
OBH-cum-SH	1	5
PoS	0	0
Total	1	5

Vocational Training & Educational Facility

No information provided

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	Not provided								
Capacity									
Total Capacity	Not provided								
Children	Not provided								
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: 1 [2] **Children in custody: NP**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

2 RTI Reply from Women and Child Development Department mentions an Observation Home cum Place of Safety in East Siang district.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
28	26

JJBs responded: 26

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**281**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**208**
C.	Total workload (A+B)	**489**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**152**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**336**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**31.1**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

District	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Lepa Rada	2	0.0
Lower-Dibang Valley	12	0.0
Namsai	23	0.0
Lohit	37	2.7
Upper-Subansari	60	5.0
Tirap	7	14.3
Papum Pare[3]	127	15.8
Upper-Siang	6	16.7
West Kameng	38	21.1
Anjaw	3	33.3
Lower-Subansari	16	43.8
East Kameng	36	47.2
Tawang	4	50.0
West Siang	22	63.6
Changlang	16	68.8
East Siang	33	69.7
Lower-Siang	4	75.0
Longding	9	77.8
Siang	19	94.7
Dibang Valley	13	100.0
Kra-Daddi	2	100.0
Kamle	0	-
Kurung Kumey	0	-
Pakke-Kessang	0	-
Shi-Yomi	0	-

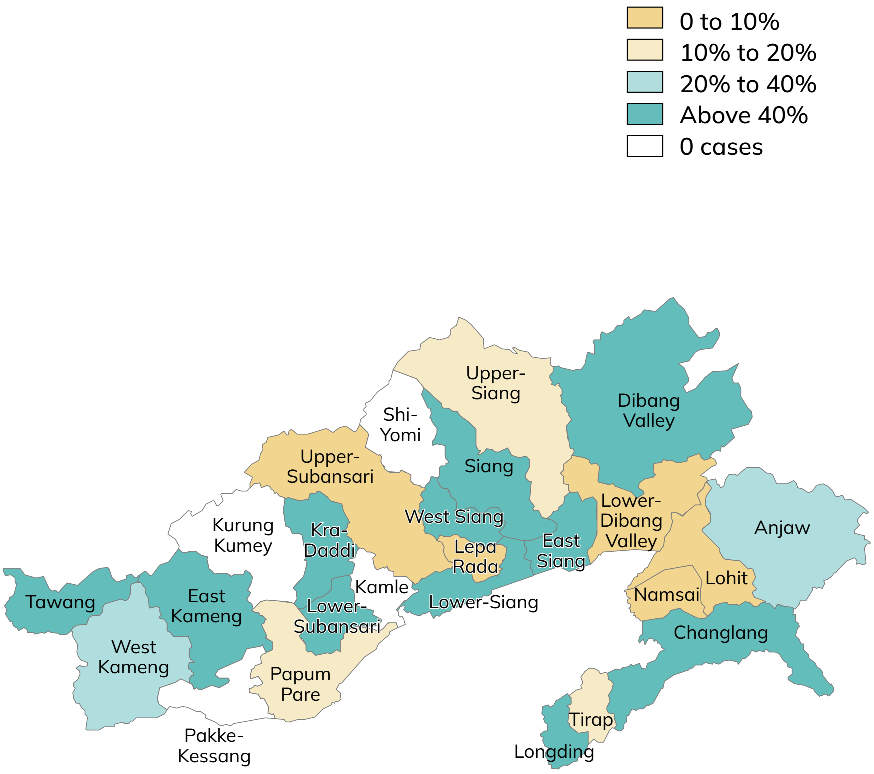

3 Papum Pare district has an additional JJB in the Capital Complex, Itanagar. There are no JJBs in Bichom and Keyi Panyor districts as they were set up in 2023 and 2024 respectively.

Full data on Page 136 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
OBH cum PoS East Siang	NP	0

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
NP	NP

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

No information provided

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**26**
Police Districts	**26** [4]
Social Workers in SJPUs	
Total	**7**
Female	**7**
Male	**0**

All police districts reported the presence of SJPUs. Only West Siang, Shi Yomi, East Siang and Lepa Rada districts reported social workers and all were female.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have a designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

There were 149 CWPOs reported across 26 police districts. Of these, 25 were women.

4 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

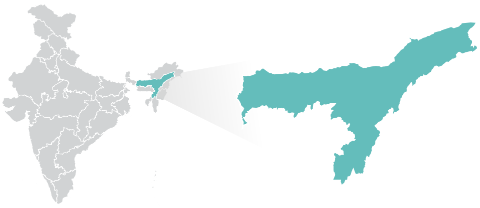

Assam

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
35	34	246	493	3,439

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (19/34 replied)	SCPS replied	WCD replied	Transferred to districts (33/35 replied)

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	5	131
SH	0	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	1	5
Total	6	136

Vocational Training & Educational Facility

Observation Home, Johart records cutting, tailoring and clay modelling. Workshops and training were conducted in collaboration with DLSA, District administration and other local organisations. Two volunteer teachers, appointed by the Samagra Shiksha Abhiyan (SSA).

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Homes									
Total Homes	3	2	5	0	0	0	0	0	0
Capacity									
Total Capacity	125	100	225	0	0	0	0	0	0
Children	104	5	109	0	0	0	0	0	0
Staff									
Person in charge/Supervisor	3	2	5	0	0	0	0	0	0
Medical officer	3	2	5 [3]	0	0	0	0	0	0
Counsellor	2	2	4	0	0	0	0	0	0
Support staff (Actual/ sanctioned)	27/27	19/19	46/46	0	0	0	0	0	0

CCIs: 5 [2] **Children in custody: 109**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 The State Child Protection Society (SCPS) reported that there were no Special Homes in the state and the Place of Safety "is yet to be functional".
3 The State Child Protection Society (SCPS) reported that there were para medical staff.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
35	32 *

* Bajali, West Karbi Anglong and Tamulpur have no JJBs.

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**1,912**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**1,526**
C.	Total workload (A+B)	**3,438**
D.	Cases disposed Oct'23	**1,403**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**2,036**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**40.8**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

District	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Goalpara	192	5.2
Udalguri	163	8.6
Biswanath	48	10.4
Dhubri	205	15.6
Chirang	60	25.0
Nagaon	329	27.1
Karimganj	117	31.6
South Salmara-Mankachar	6	33.3
Hojai	116	33.6
Karbi Anglong	66	39.4
Charaideo	39	41.0
Hailakandi	66	42.4
Sonitpur	113	43.4
Kokrajhar	98	43.9
Barpeta	150	44.7
Tinsukia	146	45.9

District	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Bongaigaon	75	46.7
Golaghat	101	47.5
Sivasagar	51	49.0
Kamrup Amingoan (Rural)	128	50.0
Dima Hasao	55	50.9
Dhemaji	43	53.5
Jorhat	112	53.6
Nalbari	76	54.0
Kamrup Metropolitan	107	54.2
Darrang	121	55.4
Cachar	179	55.9
Lakhimpur	93	57.0
Morigaon	179	59.8
Majuli	15	73.3
Dibrugarh	102	74.5
Baksa	88	77.3

- 0 to 10%
- 10% to 20%
- 20% to 40%
- Above 40%
- No JJBs

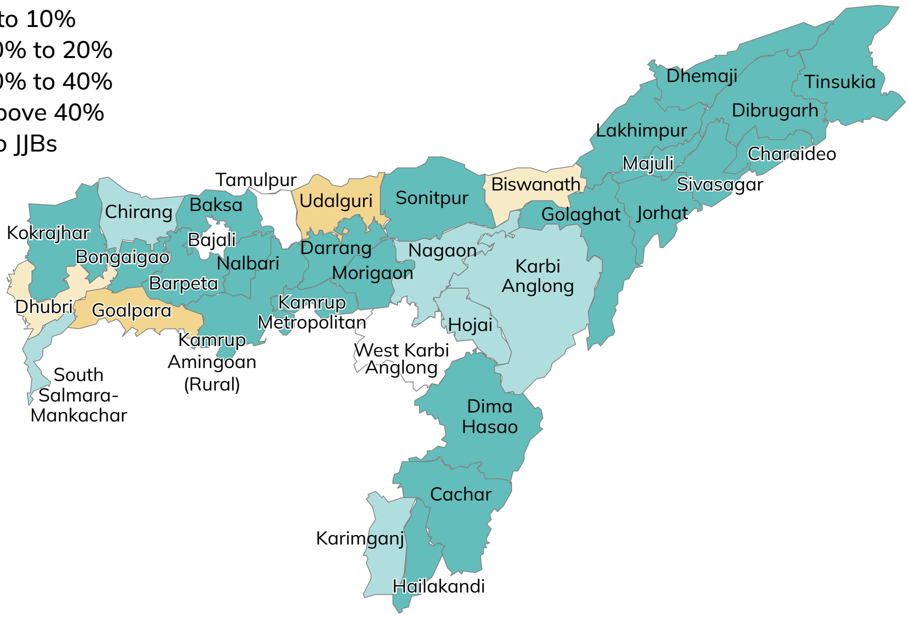

Full data on Page 137 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Observation Home, Boko (for boys)	NP	NP
Observation Home, Jorhat (for boys)	NP	NP
Observation Home, Cachar (for boys)	NP	NP
Observation Home, Jalukbari (for girls)	NP	NP
Observation Home, Nagaon (for girls)	NP	NP

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
12/32	31/32

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
29/35	119

LCPO workload by district

District	Cases handled
South Salmara-Mankachar	6
Majuli	15
Charaideo	39
Dhemaji	43
Biswanath	48
Sivasagar	51
Chirang	60
Hailakandi	66
Bongaigaon	75
Nalbari	76
Baksa	88
Lakhimpur	93
Kokrajhar	98
Golaghat	101
Dibrugarh	102

District	Cases handled
Kamrup Metropolitan	107
Jorhat	112
Sonitpur	113
Hojai	116
Karimganj	117
Darrang	121
Kamrup Amingoan (Rural)	128
Tinsukia	146
Barpeta	150
Udalguri	163
Cachar	179
Morigaon	179
Dhubri	205
Nagaon	329

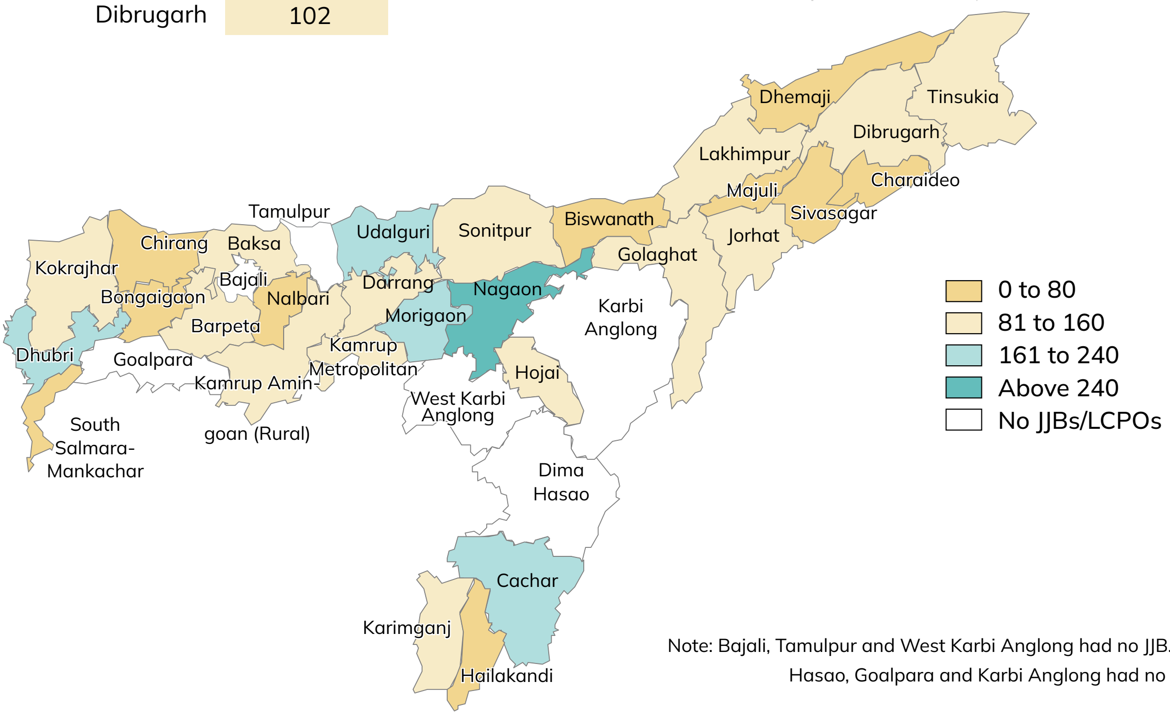

Note: Bajali, Tamulpur and West Karbi Anglong had no JJB. Dima Hasao, Goalpara and Karbi Anglong had no LCPO.

Full data on Page 138 of Annexures.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

The SCPS reported that "there is no state budgetary allocation to the Juvenile Justice Fund"

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**37** [4]
Police Districts	**34** [5]
Social Workers in SJPUs	
Total	**64**
Female	**32**
Male	**32**

There were 64 social workers against a mandated 68.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have a designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

Only 19 districts that responded, reported that there were 169 CWPOs. Of these, 31 were women.

4 Response from the Assam Police headquarters provides a copy of the notification on the formation of SJPU in 37 districts.
5 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

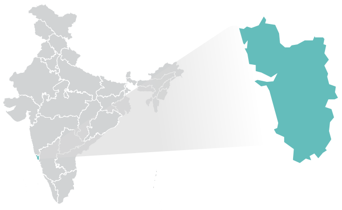

Goa

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
2	2	25	120	127

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (2/2 replied)	WCD replied	WCD replied	Transferred to districts (2/2 replied)

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[2]

	Number of homes	Number of children
OBH	2	4
SH	2	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	4	4

Vocational Training & Educational Facility

No information provided

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	1	1[3]	2	1	1	2	1	1	2
Capacity									
Total Capacity	50		50	50		50	50		50
Children	5	0	5	0	0	0	0	0	0
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: 6 [2] **Children in custody: 5**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 The Directorate of Women and Child Development provided that there is 1 home - Apna Ghar, with separate facilities for boys and girls. This home runs as an Observation Homes cum Special Home cum Place of Safety from the same complex.
3 OBH cum SH cum PoS.

In Goa, OBH, SH and PoS for both boys and girls are located in one institutional complex. The Directorate of Women and Child Development provided a notification dated March 2016 that states that "dormitory located on the 1st floor of the New Building Hall at Apna Ghar, Merces is designated as Place of Safety for Boys" and "dormitory located in the Build A (Girls wing) in the institutional complex at Apna Ghar Merces, as the Place of Safety for girls".

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
2	2

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**65**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**62**
C.	Total workload (A+B)	**127**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**92**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**35**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**72.4**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
North Goa	71	66.2
South Goa	56	80.4

0 to 10%
10% to 20%
20% to 40%
Above 40%

Full data on Page 139 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Apna Ghar	0	0

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
1/2	2/2

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
0/2	-

The Directorate of Women and Child Development stated that the "Legal cum probation officer was on board from 20th November 2023"

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	5
2022-23 (RE)	5
2022-23 (AE)	0
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**0**
2023-24 (BE)	5

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**2**
Police Districts	**2** [4]

Social Workers in SJPUs

Total	**4**
Female	**2**
Male	**0**

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

There were 69 CWPOs in the two police districts. Of these, 39 were women.

4 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

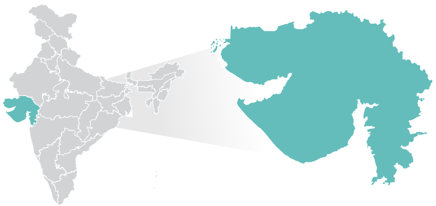

Gujarat

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
33	40	1,558	3,348	Not provided

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Rejected	Rejected	Rejected	Rejected

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024)[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	6	300
SH	0	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	6	300

Vocational Training & Educational Facility

No information provided.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	5	1	6	2	1	3	2	1	3
Capacity									
Total Capacity	Not provided								
Children	Not provided								
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: 12[2] **Children in custody: NP**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

2 Data from the Gujarat State Child Protection Society provides details on Observation Homes and Special Homes. Available at: https://gscps.gujarat.gov.in/Index. Figures on Place of Safety is from the Gujarat State Legal Services Authority. Available at: https://gujarat.nalsa.gov.in/en/juvenile-justice-committee/

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
33	33[3]

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**NP**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
C.	Total workload (A+B)	**NP**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**NP**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**NP**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
NP	NP	NP

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
NP	NP

3 Figures from the Gujarat State Legal Services Authority. Available at: https://gujarat.nalsa.gov.in/en/juvenile-justice-committee/

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

No information provided

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	40[4]
Police Districts	40[5]

Social Workers in SJPUs

Total	NP
Female	NP
Male	NP

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

There were 907 CWPOs across 40 police districts. Of these, 366 were women.[6]

4 Figures from the Gujarat State Legal Services Authority. Available at: https://gujarat.nalsa.gov.in/en/juvenile-justice-committee/
5 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.
6 Figures from the Gujarat State Legal Services Authority. Available at: https://gujarat.nalsa.gov.in/en/juvenile-justice-committee/

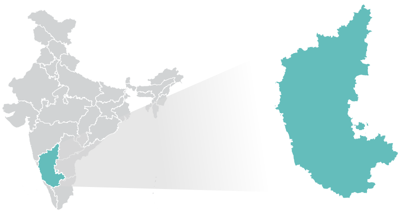

Karnataka

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
31	31	558	1,113	6,411

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Not responded	WCD replied	Not responded	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	17	109
SH	1	23
OBH-cum-SH	0	0
PoS	1	8
Total	19	140

Vocational Training & Educational Facility

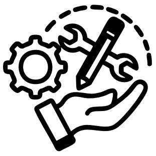

No information provided.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Homes									
Total Homes	15	2	17	NP	NP	1	NP	NP	1
Capacity									
Total Capacity	NP	NP	500	NP	NP	50	NP	NP	50
Children	NP	NP	99	NP	NP	35	NP	NP	36
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: 19 **Children in custody: 170**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
31	34[2]

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**3,432**[3]
B.	Cases received between (Nov'22 to Oct'23)	**2,979**
C.	Total workload (A+B)	**6,411**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**4,149**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**2,268**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**64.7**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate | JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.

District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate | As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
NP	**NP**	**NP**

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
30/34	34/34

2 Bangalore Urban, Bijapur, Dakshnina Kannada and Gulbarga had two JJBs each. Data from the Directorate of Child Protection, as of 2021. Available at: https://icps.karnataka.gov.in/storage/pdf-files/JJB%20Memebrs%20list.pdf

3 Data on caseload from the Directorate of Child Protection. The website does not disaggregate data by JJB. Available at: https://wcd.karnataka.gov.in/29/state-child-protection/en

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

No information provided

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**44** [4]
Police Districts	**31** [5]

Social Workers in SJPUs

Total	**NP**
Female	**NP**
Male	**NP**

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

No information provided

4 Government Order No. HD 20 PCC 2021, Bengaluru, dated 29/06/2021. Available at: https://www.makkalahakku.com/main-control/uploads/SENIOR-SJPU%20ORDERS.pdf. The data excludes railway and traffic districts, if those were to be included the number of SJPUs would be 50.
5 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

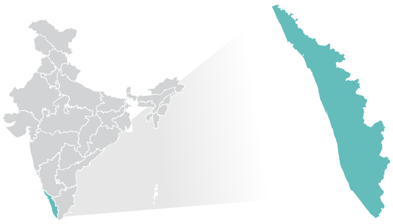

Kerala

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
14	22	443	920	Not provided

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
PHQ rejected	WCD replied	Transferred to districts (12/14 replied)	Transferred to districts (12/14 replied)

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024)[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	8	18
SH	2	10
OBH-cum-SH	0	0
PoS	1	8
Total	11	36

Vocational Training & Educational Facility

Observation homes in Alappuzha, Thiruvananthapuram and Kollam reported that vocational and educational programs were not conducted.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	OBH			SH			PoS		
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Homes									
Total Homes	5	1	6[2]	1	0	1	1	0	1
Capacity									
Total Capacity	150	50	200	25	NP	25	25	NP	25
Children	6	3	9	0	NP	0	1	NP	1
Staff									
Person in charge/Supervisor	4	0	4	4	NP	4	1	NP	1
Medical officer	NP	NP	NP[3]	NP	NP	NP	NP	NP	NP
Counsellor	5	0	5	1	NP	1	0	NP	0
Support staff (Actual/ sanctioned)	25/27	4/4	29/31	16/18	NP	16/18	6/12	NP	6/12

CCIs: 8 **Children in custody: 10**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 Only 6 districts responded - Alappuzha, Ernakulam, Kollam, Kozhikode, Trivandrum and Thrissur
3 Observation homes in Alappuzha, Ernakulam, Kollam, Kozhikode and Special Home in Trivandrum reported no doctors; the remaining did not respond to the query.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
14	14

12 JJBs responded

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**1,910**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**1,360**
C.	Total workload (A+B)	**3,270**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**1,238**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**2,032**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**37.9**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

Districts	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Wayanad	163	9.8
Pathanamthitta	99	17.2
Alappuzha	282	21.3
Idukki	196	21.4
Thrissur	306	31.1
Palakkad	232	31.5
Ernakulam	420	33.1
Kottayam	352	36.7
Kannur City	409	46.7
Kasaragod	151	50.3
Malappuram	220	58.2
Kozhikode	440	61.8
Kollam	NP	NP
Thiruvananthapuram	NP	NP

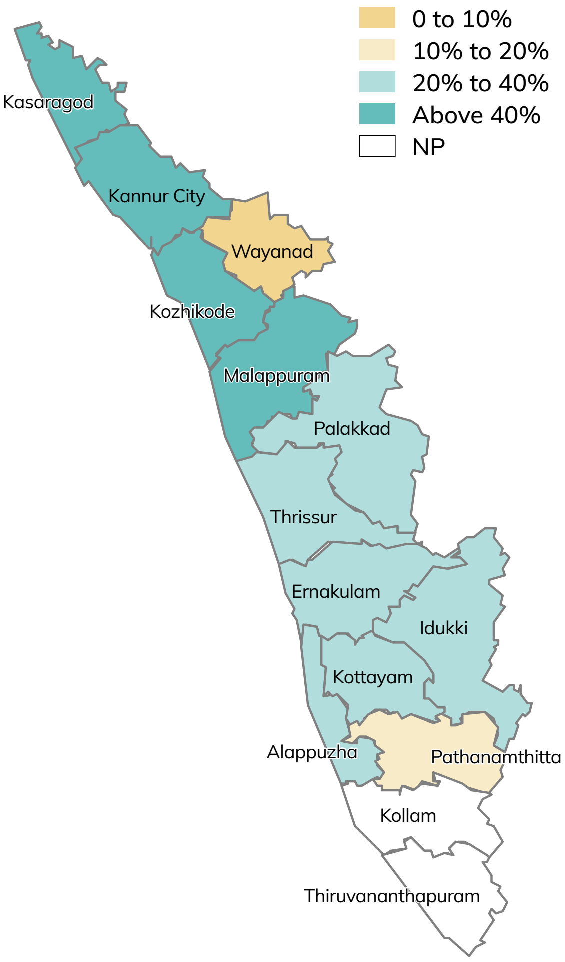

Full data on Page 143 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Alappuzha OBH	20	1
Ernakulam OBH	9	NA
Kozhikode OBH Boys	3	8
Kozhikode OBH Girls	5	9
Kollam OBH	4	NP
Thiruvananthapuram OBH	6	NP

Of a possible minimum of 96 inspections across 8 homes, Kozhikode JJB conducted 17 - 9 in the observation home for girls and 8 in the one for boys, within the district. JJB Alappuzha made one inspection in the year. Ernakulam and Thrissur JJBs reported that had no data available and 3 JJBs- Kollam, Kottayam and Thiruvananthapuram - failed to respond. Five DCPOs in Alappuzha, Ernakulam, Kollam, Kozhikode and Thiruvananthapuram, conducted a total of 47 inspections across all six observation homes.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
6/14[4]	10/14[5]

4 Ernakulam, Idukki, Kasaragod, Kollam and Malappuram reported no clinics attached to JJBs and Alappuzha, Kannur and Kozhikode did not respond to the query

5 Kozhikode did not respond to this query and Ernakulam, Kasargod and Malappuram reported no specialised lawyers.

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
13/14[6]	246[7]

LCPO workload by district

Districts	Cases handled
Pathanamthitta	99
Kasaragod	151
Wayanad	163
Idukki	196
Malappuram	220
Palakkad	232
Alappuzha	282
Thrissur	306
Kottayam	352
Kannur	409
Ernakulam	420
Kozhikode	440
Kollam	NP
Thiruvananthapuram	NP

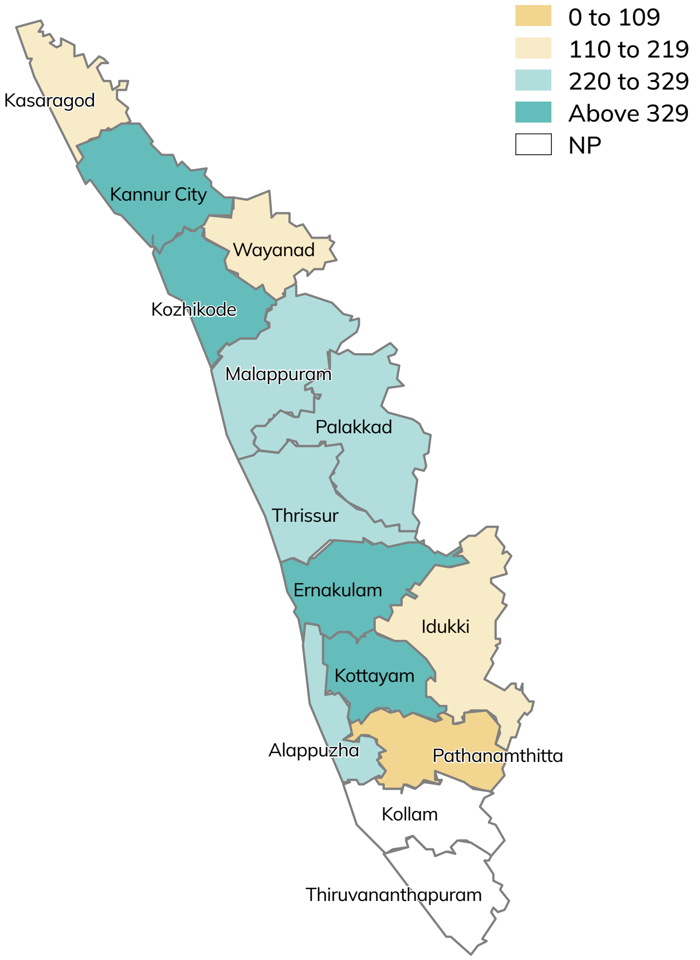

Full data on Page 143 of Annexures.

6 Alapphuza reported no LCPO
7 State average has been calculated on the basis of total workload of JJBs including the JJBs that did not respond.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund for Implementing Various Child Protection Activities Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	10
2022-23 (RE)	9.11
2022-23 (AE)	9.93
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**109.06**
2023-24 (BE)	10

RTI response for 2022-23 reports an allocation of Rs. 20.8 lakh while the state budget document for the same year records Rs. 10 lakh. This sharp divergence highlights inconsistencies in official financial reporting.

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**20**
Police Districts	**20**[8]
Social Workers in SJPUs	
Total	**26**[9]
Female	**15**
Male	**11**

16 of 20 police districts responded. Against a mandated 40 social workers, 26 were recorded. 9 districts had one male and female social worker, Malappuram had only one social worker; Ernakulam, Kollam Rural and Palakkads had all women social workers and Kannur, Kasargod and Thiruvananthapuram Rural reported no social workers.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

No information provided

8 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.
9 Response from 16 police districts

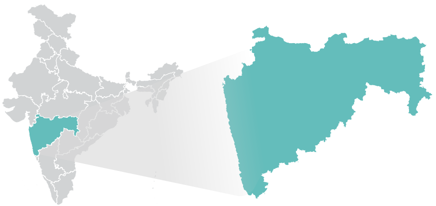

Maharashtra

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
36	38	4,406	13,649	Not Provided

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
PHQ replied	Transferred to districts (8/36 replied)	Not responded	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	53	1,910
SH	0	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	53	1,910

Vocational Training & Educational Facility

OBH Aurangabad for boys records courses on file making while OBH, Jalgaon records providing beauty parlour and hair styling courses to girls.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
Homes	**Boys**	**Girls**	**Total**	**Boys**	**Girls**	**Total**	**Boys**	**Girls**	**Total**
Total Homes	9	4	13	1	1	2 [2]	NP	1	1 [4]
Capacity									
Total Capacity	200	37	237	NP	5	5	NP	35	35
Children	58	5	63	NP	5	5	NP	35	35
Staff									
Person in charge/Supervisor	4	4	8	NP	1	1	NP	1	1
Medical officer	5	3	8	NP	1	1	NP	1	1
Counsellor	3	1	4	NP	1	1	NP	-	-
Support staff (Actual/ sanctioned)	82/124	23/40	105/164	NP	6/13	6/13	NP	6/8	6/8

CCIs: 17 [3] **Children in custody: 103**

Seven districts - Aurangabad, Chandrapur, Dhule, Jalgaon, Kolhapur, Nanded and Pune - responded to the query on homes. With the exception of Chandrapur and Nanded, the remaining reported combined Observation cum Children's Homes.

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpBpdf?source=pqals
2 Only seven districts - Aurangabad, Chandrapur, Dhule, Jalgaon, Kolhapur, Nanded and Pune - responded to the query.
3 Only Pune district responded to the query, reporting that it had two Special Homes, one for boys and one for girls. The Home for girls is a combined OBH cum Special Home cum Place of Safety cum Children's Home and only this facility provided data on staff.
4 Only Pune district responded to the query on Place of Safety. The home is for girls and is a combined OBH cum Special Home cum Place of Safety cum Children's Home.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
36	36[5]

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**NP**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
C.	Total workload (A+B)	**NP**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**NP**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**NP**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Observation Home cum Children's Home, Aurangabad (for boys)	4	NP
Govt. Observation Home, Chandrapur (for boys)	NP	NP
Observation Home cum Children's Home , Dhule (for boys)	5	NP
Observation Home cum Children's Home, Dhule (for girls)	3	NP
Observation Home cum Children's Home, Jalgaon (for boys)	6	NP
Observation Home cum Children's Home, Jalgaon (for girls)	8	NP
Observation Home cum Children's Home, Kagal, Kolhapur (for boys)	4	NP
Observation Home cum Children's Home, Kolhapur (for girls)	4	NP
Observation Home, Nanded (for boys)	36	NP
Total	70	NP

5 IJR received competing information from two sources - Department of Women and Child Development provided data as of May - June 2022 listing 36 JJBs and Maharashtra State Legal Services Authority's data as of October 2023 listed 34 JJBs, two in Parbhani and none in Mumbai Suburban district. On the query regarding JJBs, IJR used the 2022 information.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
27/34 [6]	28/34 [7]

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State budget documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	500
2022-23 (RE)	200
2022-23 (AE)	0
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**0**
2023-24 (BE)	700

Only Pune responded to allocations under this fund.

6 IJR received competing information from two sources - Department of Women and Child Development provided data as of May - June 2022 listing 36 JJBs and Maharashtra State Legal Services Authority's data as of October 2023 listed 34 JJBs, two in Parbhani and none in Mumbai Suburban district. On the query regarding legal aid clinics attached to JJBs, IJR used October 2023 data.
7 ibid

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**45**
Police Districts	**38** [8]
Social Workers in SJPUs	
Total	**NP**
Female	**NP**
Male	**NP**

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

No information provided

8 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

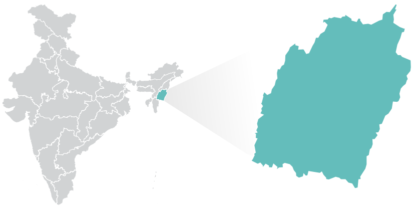

Manipur

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
16	16	9	72	NP

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
PHQ rejected	Not responded	Not responded	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024)[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	4	36
SH	2	2
OBH-cum-SH	1	25
PoS	1	1
Total	8	64

Vocational Training & Educational Facility

No information provided.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	4	1	5[2]	1	1	2	NP	NP	NP
Capacity									
Total Capacity	125	25	150	25	25	50	NP	NP	NP
Children	Not provided								
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: 5[3] **Children in custody: NP**

1 Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 Data from Manipur State Legal Services Authority, as of April 2025. This document does not list a Place of Safety in Manipur. Available at: https://maslsa.nic.in/docs/SchemesForChildren/ICPS_Dir.pdf
3 1 facility in Imphal West is functional as an observation cum special home

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
16	16

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**NP**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
C.	Total workload (A+B)	**NP**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**NP**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**NP**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
NP	NP	NP

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
0/16	0/16

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	1.44
2022-23 (RE)	10
2022-23 (AE)	0
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**0**
2023-24 (BE)	10

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**NP**
Police Districts	**16**[4]
Social Workers in SJPUs	
Total	**NP**
Female	**NP**
Male	**NP**

4 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

No information provided

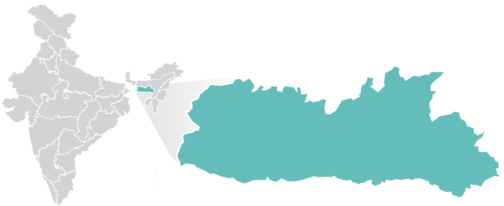

Meghalaya

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
12	12	68	256	461

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development Dept.	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (11/12 replied)	Social Welfare Department replied	Directorate of Social Welfare replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024)[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	3	15
SH	2	9
OBH-cum-SH	0	0
PoS	2	10
Total	7	34

Vocational Training & Educational Facility

No information provided

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	OBH			SH [2]			PoS[3]		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	2	1	3	1	1	2	1	1	2
Capacity									
Total Capacity	76	50	126	50	50	100	50	50	100
Children	17	1	18	4	4	8	3	3	6
Staff									
Person in charge/Supervisor	2	1	3	1	-	1	1	-	1
Medical officer	2	1	3	NP	-	NP	NP	-	NP
Counsellor	2	1	3	1	-	1	1	-	1
Support staff (Actual/ sanctioned)	43/42	20/15	63/57	12/13	-	12/13	11/11	-	11/11

CCIs: 7 Children in custody: 32

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 There is one Special Home that has separate facilities for boys and girls.
3 There is one Place of Safety that has separate facilities for boys and girls.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
12	12

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**321**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**140**
C.	Total workload (A+B)	**461**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**125**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**310**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**27.1**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	**Share of disposed cases (%)**
Eastern West Khasi Hills [4]	0	0.0
East Khasi Hills	189	13.8
North Garo Hills	13	15.4
East Garo Hills	19	21.1
West Khasi Hills	35	22.9
West Jantia Hills	30	26.7
East Jaintia Hills	40	32.5
Ri Bhoi	39	35.9
South Garo Hills	12	41.7
West Garo Hills	61	47.5
South West Garo Hills	17	64.7
South West Khasi Hills	6	83.3

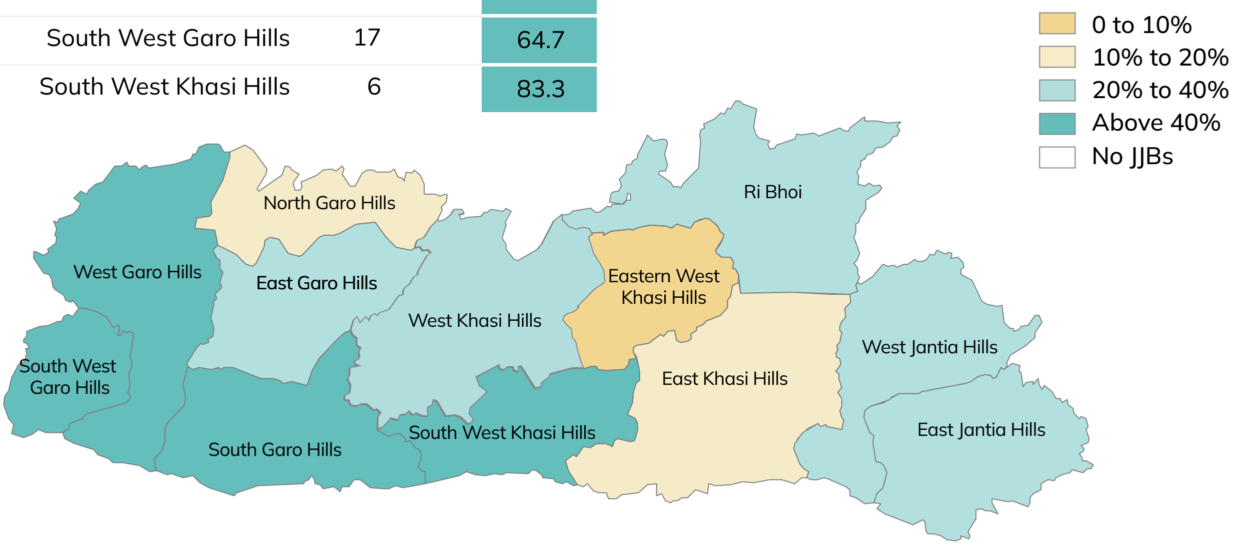

4 This is a newly formed district in 2021, making it the 12th district.

Full data on Page 146 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
OBH East Khasi Hills for boys	2	NP
OBH East Khasi Hills for girls	2	NP
OBH West Garo Hills for boys	2	NP
East Khasi Hills SH (2)	2	NP

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
NP	11/12

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPO workload by district

	Cases handled
South West Khasi Hills	6
South Garo Hills	12
North Garo Hills	13
South West Garo Hills	17
East Garo Hills	19
West Jantia Hills	30
West Khasi Hills	35
East Jaintia Hills	40
West Garo Hills	61
East Khasi Hills	189
Eastern West Khasi Hills[5]	No LCPO
Ri Bhoi	No LCPO

LCPOs	Average cases handled
10/12	43.5

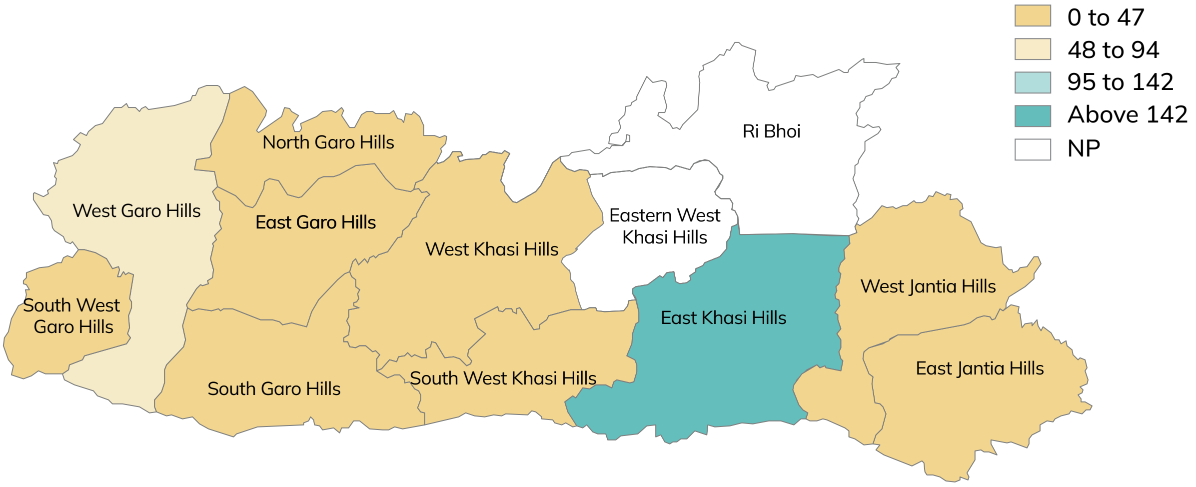

Full data on Page 146 of Annexures.

5 This is a newly formed district in 2021, making it the 12th district.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

Yes

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**11** [6]
Police Districts	**12** [7]
Social Workers in SJPUs	
Total	**20**
Female	**16**
Male	**4**

Against a mandated 24 social workers, 20 were recorded. 6 districts had all female social workers, 4 had only one female social worker, 1[8] district had only 1 social worker who was male. In Eastern West Khasi Hills, a newly formed district, social workers are yet to be appointed.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

There were 104 CWPOs appointed in the 11 police districts. Of these, 30 were women.

6 Eastern West Khasi Hills, a newly formed district in 2021, did not respond to the query.
7 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.
8 South Garo Hills

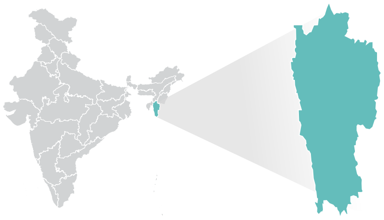

Mizoram

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
11	11	48	64	329

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
PHQ replied	Directorate of WCD replied	Directorate of WCD replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	12	179
SH	2	52
OBH-cum-SH	0	0
PoS	1	12
Total	15	243

Vocational Training & Educational Facility

The State Child Protection Society records carpentry, welding, tailoring, computers, mobile repairing, driving, beautician and plumbing courses provided to children. It also records the number of children enrolled for “special training (RTE)/bridge courses”; “non-formal education classes”; “formal education system within Home” and “attending Anganwadi” but does not provide information on the nature of education courses provided.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Homes									
Total Homes	8	1 [2]	9	2	0 [3]	2	1 [4]		1
Capacity									
Total Capacity	275	25	300	75	NP	75	25		25
Children	37	0	37	39	NP	39	0		0
Staff									
Person in charge/Supervisor	11	1	12	2	NP	2	1		1
Medical officer	0	0	0	NP	NP	NP	0		0
Counsellor	11	1	12	2	NP	2	1		1
Support staff (Actual/ sanctioned)	88/88	8/8	96/96	21/21	NP	21/21	8/8		8/8

CCIs: 15 **Children in custody: 76**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 Aizwal has the OBH-cum-SH for girls in Mizoram.
3 Aizwal reports one OBH-cum-SH for girls, accounted for in the OBH section.
4 Mizoram reports that the Place of Safety is a combined home housing both girls and boys.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
11	11

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	49
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	280
C.	Total workload (A+B)	329
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	260
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	69
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	79.0

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Khawzawl	15	20.0
Hnahthial	5	60.0
Lawngtlai	8	62.5
Saiha	6	66.7
Champhai	36	69.4
Saitual	8	75.0
Lunglei	33	81.8
Aizawl	134	82.1
Serchhip	19	89.5
Mamit	21	90.5
Kolasib	44	93.2

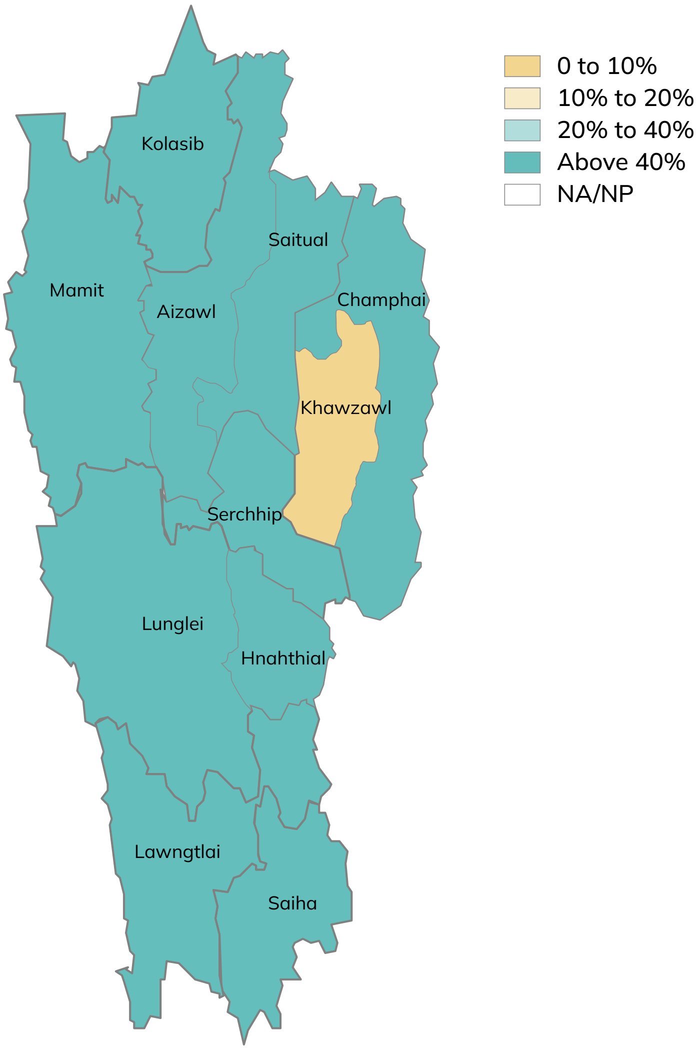

Full data on Page 147 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Aizawl OBH	4	6
Aizwal SH	4	3
Aizwal OBH cum SH Girls	NP	NP
Aizawl POS	NP	3
Kolasib OBH	5	4
Lawngtlai OBH	9	4
Lunglei OBH	17	8
Lunglei SH	8	4
Mamit OBH	14	4
Saiha OBH	4	4
Serchhip OBH	4	4
Champhai OBH	4	4

Of a possible minimum of 180 inspections across 15 homes, 8 JJBs made 37 inspections in 11 homes. 3 JJBs - Saitul, Khawzawl and Hnahthial - made no inspections. The DCPO carried out a total of 73 visits to 10 CCIs.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
11/11	9/11 [5]

5 Khawzawl and Hnahthial did not respond.

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov’22- 31 Oct’23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
11/11	29.9

LCPO workload by district

	Cases handled
Hnahthial	5
Saiha	6
Lawngtlai	8
Saitual	8
Khawzawl	15
Serchhip	19
Mamit	21
Lunglei	33
Champhai	36
Kolasib	44
Aizawl	134

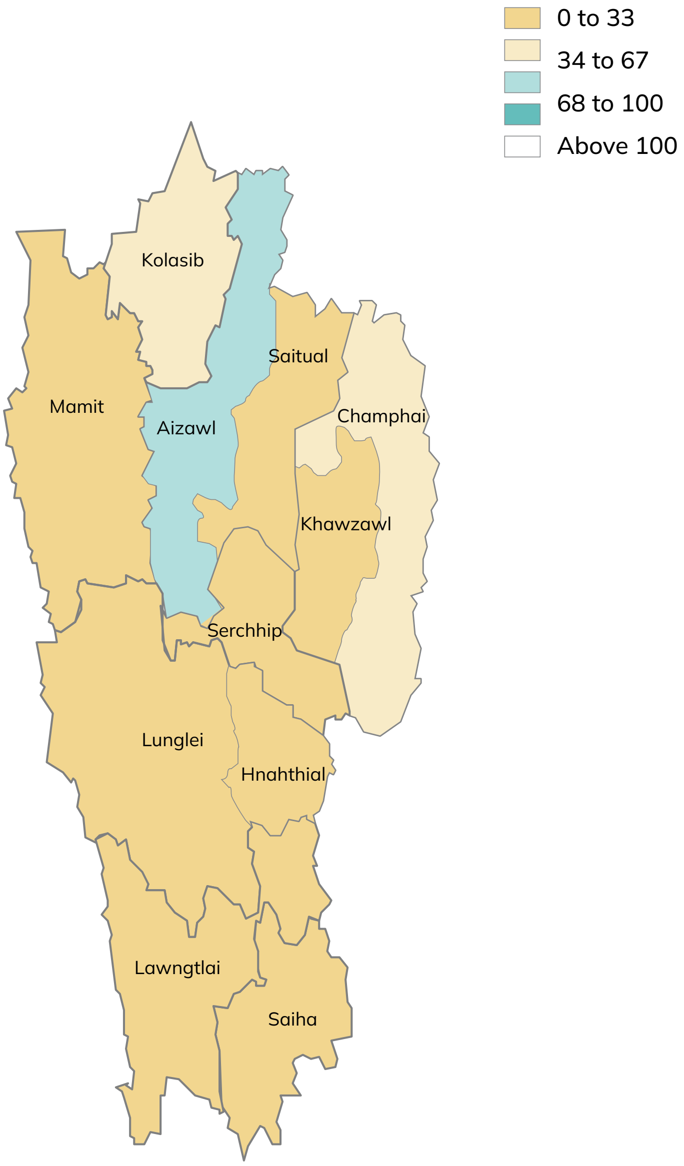

Full data on Page 147 of Annexures.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	22.92
2022-23 (RE)	22.92
2022-23 (AE)	22.92
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**100**
2023-24 (BE)	22.92

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**11**
Police Districts	**11** [6]
Social Workers in SJPUs	
Total	**22**
Female	-
Male	-

All 11 police districts responded. All districts have the mandated 2 social workers, recording a total of 22 social workers. Mizoram did not provide gender disaggregations.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

There were 111 CWPOs across the state. Of these, 23 were women.

6 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

Nagaland

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
16	16	5	12	50

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (11/16 replied)	SCPS replied	Social Welfare Department replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	12	34
SH	2	12
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	14	46

Vocational Training & Educational Facility

Response from the State Child Protection Society provided a "Daily Activity Register: that lists homes providing classes on basket making and carpentry. It also lists classes on value education, group counselling, social skills and attitude as well as awareness on HIV and games.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

<table>
<tr><th></th><th colspan="3">OBH</th><th colspan="3">SH</th><th colspan="3">PoS</th></tr>
<tr><th>Homes</th><th>Boys</th><th>Girls</th><th>Total</th><th>Boys</th><th>Girls</th><th>Total</th><th>Boys</th><th>Girls</th><th>Total</th></tr>
<tr><td>Total Homes</td><td colspan="2">11</td><td>11</td><td colspan="2">2</td><td>2 [2]</td><td colspan="2">1</td><td>1 [3]</td></tr>
<tr><td>Capacity</td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td></tr>
<tr><td>Total Capacity</td><td colspan="2">140</td><td>140</td><td colspan="2">25</td><td>25</td><td colspan="2">10</td><td>10</td></tr>
<tr><td>Children</td><td colspan="2">4</td><td>4</td><td colspan="2">9</td><td>9</td><td colspan="2">0</td><td>0</td></tr>
<tr><td>Staff</td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td><td></td></tr>
<tr><td>Person in charge/Supervisor</td><td colspan="2">11</td><td>11</td><td colspan="2">11</td><td>11</td><td colspan="2">NP</td><td>NP</td></tr>
<tr><td>Medical officer</td><td colspan="2">0</td><td>0</td><td colspan="2">NP</td><td>NP</td><td colspan="2">NP</td><td>NP</td></tr>
<tr><td>Counsellor</td><td colspan="2">11</td><td>11</td><td colspan="2">11</td><td>11</td><td colspan="2">NP</td><td>NP</td></tr>
<tr><td>Support staff (Actual/ sanctioned)</td><td colspan="2">0</td><td>0</td><td colspan="2">8/8</td><td>8/8</td><td colspan="2">NP</td><td>NP</td></tr>
</table>

CCIs: 14 **Children in custody: 137**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 One home in Dimapur is a Special Home cum Place of Safety.
3 Ibid

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
16	16

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	20
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	30
C.	Total workload (A+B)	50
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	28
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	16
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	56.0

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Longleng	1	0.0
Mokokchung	2	0.0
Phek	2	0.0
Kohima	17	47.1
Dimapur	19	47.4
Mon	5	100.0
Tuensang	4	150.0
Chumoukedima	NP	NA
Kiphire	0	NA
Niuland	0	NA
Noklak	0	NA
Peren	0	NA
Shamator	0	NA
Tseminyu	0	NA
Wokha	0	NA
Zunheboto	0	NA

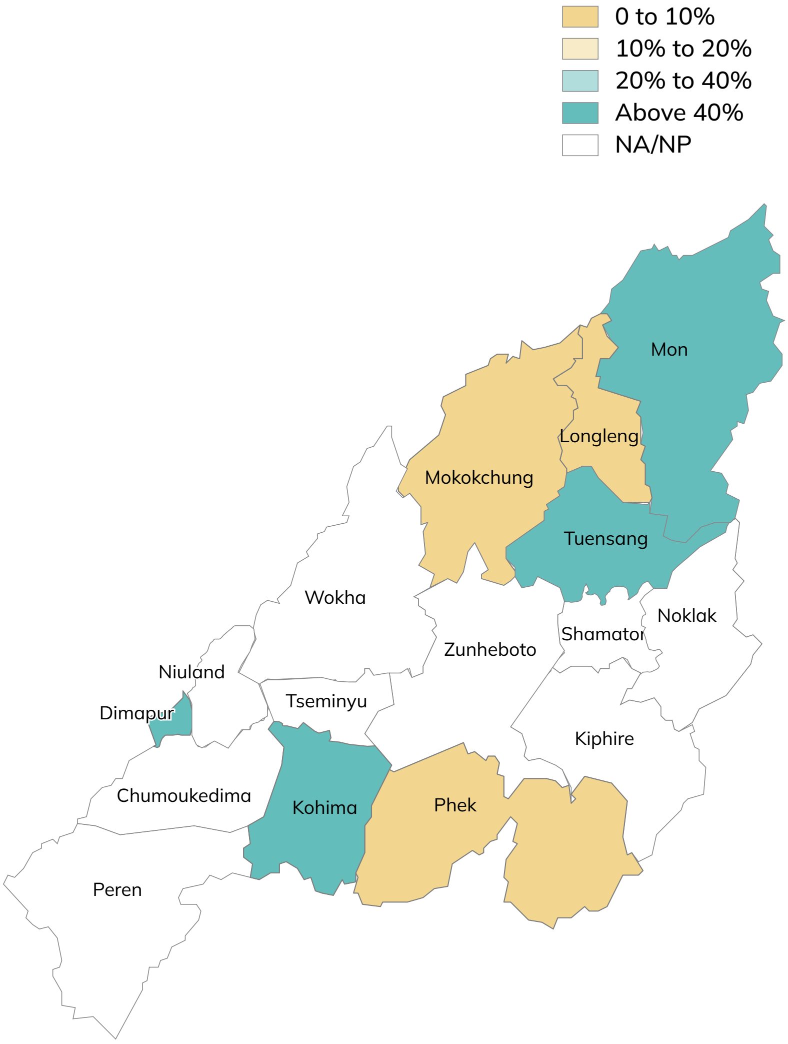

Full data on Page 148 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
OBH Dimapur	9	6
SH Dimapur	3	NP
OBH Kiphire	4	6
OBH Kohima	3	6
OBH Longleng	4	6
OBH Mokokchung	4	3
OBH Mon	5	7
OBH Peren	7	2
OBH Phek	3	22
SH Phek	6	NP
OBH Tuensang	4	2
OBH Wokha	3	11
OBH Zunheboto	4	8

Of a minimum of 168 inspections across 14 homes, 11 JJBs made 79 inspections. 5 JJBs - Chumoukedima, Niuland, Noklak, Shamator and Tseminyu - made no inspections. JJB Phek undertook inspections on the first Monday and last Friday of every month which equaled 22 visits between October'22 to November'23. The DCPO carried out a total of 59 visits to 13 CCIs. Chumoukedima, Niuland, Noklak, Shamator and Tseminyu did not respond on this query.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
0/16	0/16

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
11/16	5

LCPO workload by district

	Cases handled
Kiphire	0
Peren	0
Wokha	0
Zunheboto	0
Longleng	1
Mokokchung	2
Phek	2
Tuensang	4
Mon	5
Kohima	17
Dimapur	19
Chumoukedima	No LCPO
Niuland	No LCPO
Noklak	No LCPO
Shamator	No LCPO
Tseminyu	No LCPO

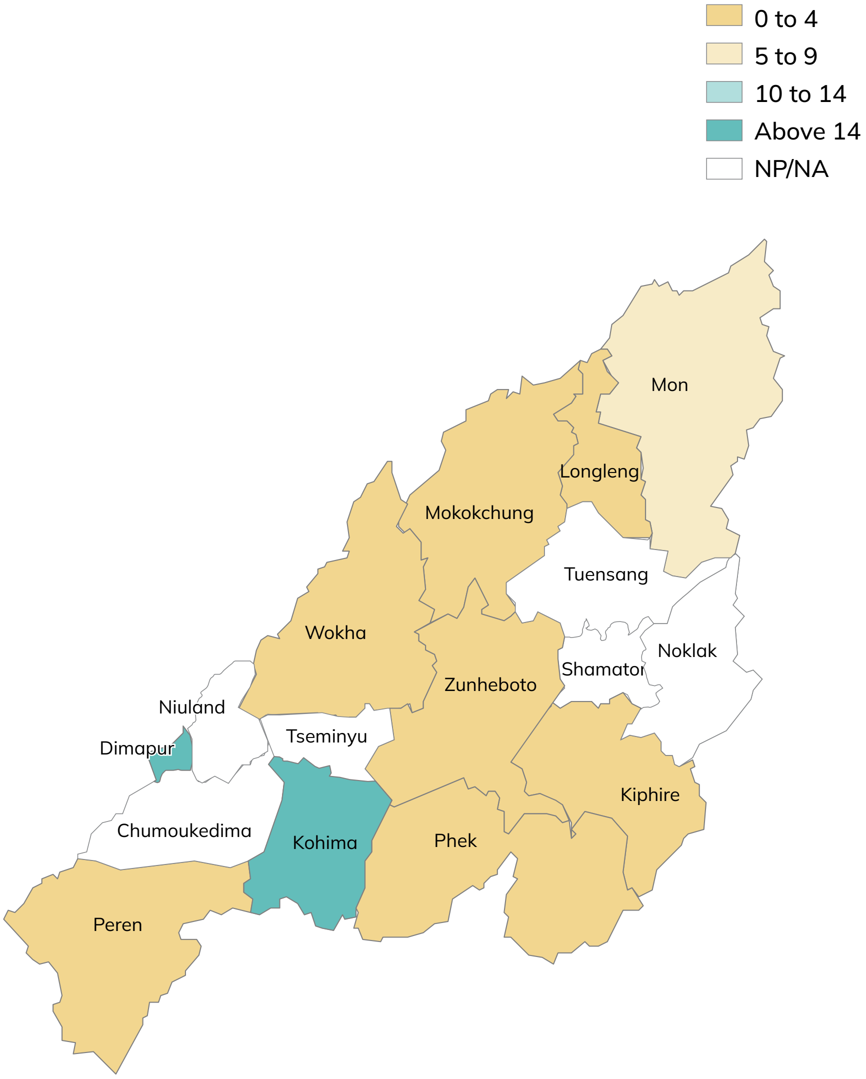

Full data on Page 148 of Annexures.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

Juvenile Justice Fund

Yes

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	11
Police Districts	16 [4]
Social Workers in SJPUs	
Total	23
Female	11
Male	12

Chumoukedima, Niuland, Noklak, Shamator and Tseminyu did not respond. The 11 districts that responded, reported 23 social workers against a mandate of 32.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

Chumoukedima, Niuland, Noklak, Shamator and Tseminyu did not respond. The 11 districts that responded, reported 76 CWPOs. Of these, 15 were women.

4 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

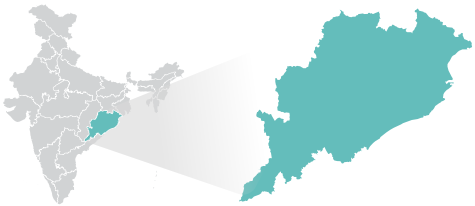

Odisha

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
30	36	1,163	1,318	11,366

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (22/36 replied)	SCPS replied	WCD replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	0	0
SH	0	0
OBH-cum-SH	7	312
PoS	1	50
Total	8	362

Vocational Training & Educational Facility

Three homes—Ganjam, Kalahandi and Malkangiri—record one assistant teacher each deputed from the district education authority; vocational training and placements in electronics provided by the ICICI Foundation; and the presence of a voluntary tailoring instruction from an NGO.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	Combined OBH-cum-SH						
	OBH			SH			PoS
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	
Homes							
Total Homes	6	1	7	6	1	7	1
Capacity							
Total Capacity	440	20	460	60	10	70	100
Children	217	6	223	15	0	15	108
Staff							
Person in charge/Supervisor	3	0	3	2	NP	2	NP
Medical officer	3	0	3	0	NP	0	NP
Counsellor	5	1	6	3	NP	3	NP
Support staff (Actual/ sanctioned)	28/40	6/11	34/51	24/39	NP	17/28	NP

CCIs: 8 **Children in custody: 346**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
30	34*

*Ganjam, Khorda, Sambalpur, Sundergarh have additional JJBs

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	9,054
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	2,312
C.	Total workload (A+B)	11,366
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	1,981
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	9,385
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	17.4

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Khordha	998	8.1
Koraput	661	8.3
Bhadrak	210	9.5
Cuttack	607	10.5
Jajpur	350	10.6
Jharsuguda	467	12.2
Sundargarh	1479	12.8
Sambalpur	1149	12.9
Puri	634	13.2
Kendrapara	224	14.3
Kalahandi	222	15.3
Balasore	311	15.4
Balangir	390	15.6
Mayurbhanj	391	19.4
Angul	428	19.9
Bargarh	432	20.1
Deogarh	67	22.4
Keonjhar	269	23.0
Dhenkanal	179	27.4
Ganjam	715	29.5
Malkangiri	173	31.2
Subarnapur	106	32.1
Nabarangpur	165	32.7
Nuapada	53	34.0
Kandhamal	148	37.2
Boudh	53	41.5
Rayagada	158	44.3
Gajapati	95	50.5
Nayagarh	140	52.9
Jagatsinghapur	92	62.0

0 to 10%
10% to 20%
20% to 40%
Above 40%

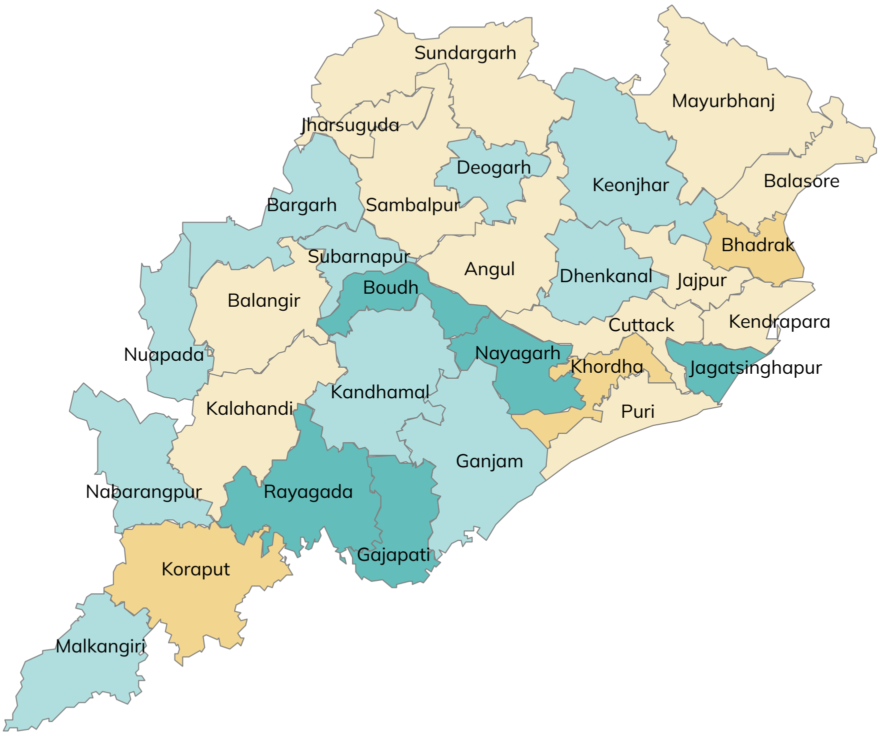

Full data on Page 149 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Angul	12	8
Boudh	1	11
Ganjam	12	7
Ganjam	7	10
Kalahandi	18	7
Malkangiri	7	8
Sundargarh	NP	10
Total	57	68

Notable: Of a possible minimum of 96, 18 JJBs record 68 inspections. 12 JJBs made no inspections and 4 - Balangir, Koraput, Mayurbhanj and Nabarangpur - gave no response. While the Angul JJB provided no information, JJBs from distant districts like Cuttack, Jagatsinghpur, Kendrapara and Nayagarh made eight visits to OBH cum Special Home in Angul.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
30/30	0/34

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
30/30	379

LCPO workload by district

	Cases handled
Boudh	53
Nuapada	53
Deogarh	67
Jagatsinghpur	92
Gajapati	95
Subarnapur	106
Nayagarh	140
Kandhamal	148
Rayagada	158
Nabarangpur	165
Malkangiri	173
Dhenkanal	179
Bhadrak	210
Kalahandi	222
Kendrapara	224
Keonjhar	269
Balasore	311
Jajpur	350
Balangir	390
Mayurbhanj	391
Angul	428
Bargarh	432
Jharsuguda	467
Cuttack	607
Puri	634
Koraput	661
Ganjam	715
Khordha	998
Sambalpur	1,149
Sundargarh	1,479

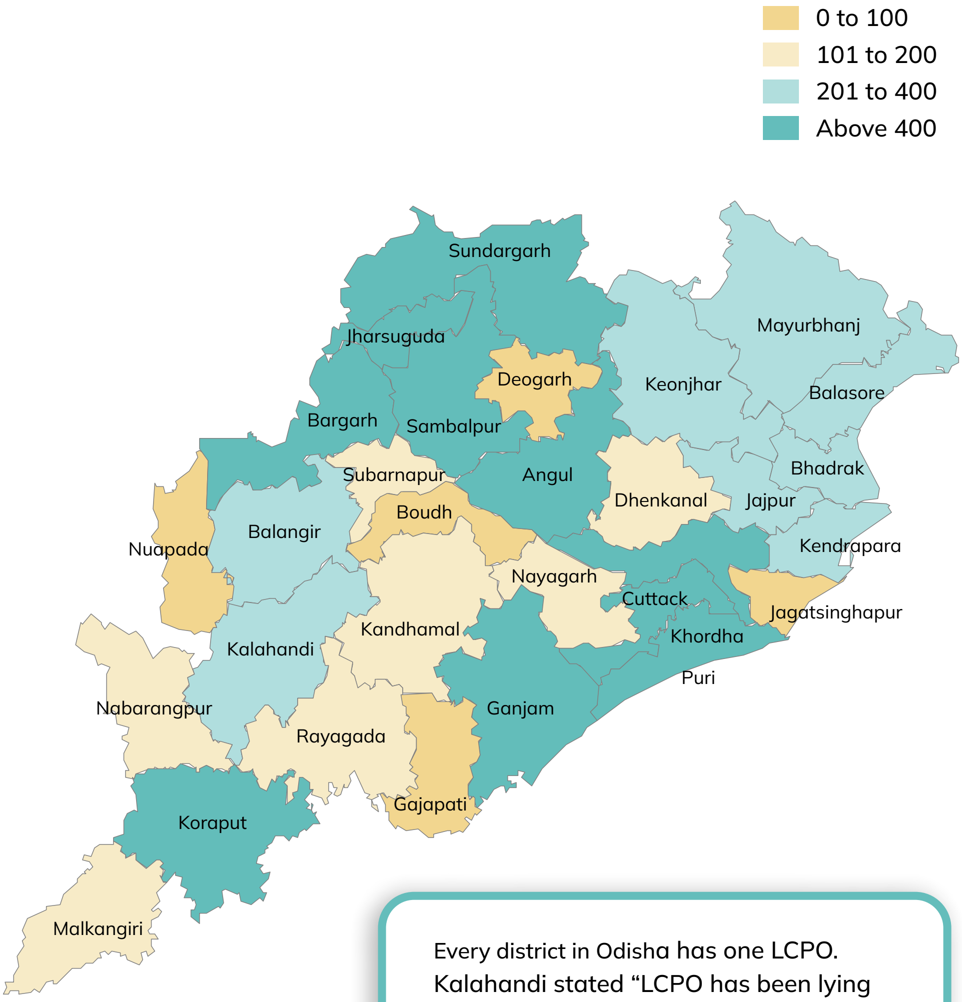

Every district in Odisha has one LCPO. Kalahandi stated "LCPO has been lying vacant in the district since 2015 and one staff from DCPU working as social worker has been kept in charge of LCPO till today".

Full data on Page 150 of Annexures.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	500
2022-23 (RE)	500
2022-23 (AE)	500
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**100**
2023-24 (BE)	500

RTI responses for 2022-23 report a utilisation of just Rs 5.6 lakh out of an allocation of Rs 5 crore, while the state budget document for the same year records 100% utilisation.

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**30**
Police Districts	**36** [2]
Social Workers in SJPUs	
Total	**46**
Female	**18**
Male	**28**

30 of 36 police districts responded. Against a mandated 72 social workers, 46 were recorded. 11 districts had one male and female social worker, 14 had only one social worker, 3 districts had only male social workers, 2 districts had all women social workers.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

21 districts responded with the details of CWPO. There are 412 CWPOs of which 297 are women.

2 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

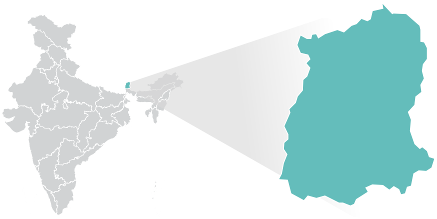

Sikkim

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
6	6	7	34	68

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (4/6 replied)	WCD replied	WCD replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	3	39
SH	0	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	3	39

Vocational Training & Educational Facility

Response from the Women and Child Development Department provides that both homes offer courses on art, craft and gardening as vocational training. It also records an "educator" for classes but does not provide details regarding the classes.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	2		2[2]	Not provided					
Capacity									
Total Capacity	100		100	Not provided					
Children	0		0	Not provided					
Staff									
Person in charge/Supervisor	2		2	Not provided					
Medical officer	4		4	Not provided					
Counsellor	2		2	Not provided					
Support staff (Actual/ sanctioned)	13/13		13/13	Not provided					

CCIs: 2[3] **Children in custody: 0**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 Both OBHs are combined homes for boys and girls.
3 The number of OBH in the state. No information provided for SH or PoS in the state.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
6	4 [4]

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**15**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**53**
C.	Total workload (A+B)	**68**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**46**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**22**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**67.7**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
North Sikkim (Mangan)	7	14.3
South Sikkim (Namchi)	6	33.3
East Sikkim (Gangtok)	36	75.0
West Sikkim	19	84.2
Pakyong	No JJB	No JJB
Soreng	No JJB	No JJB

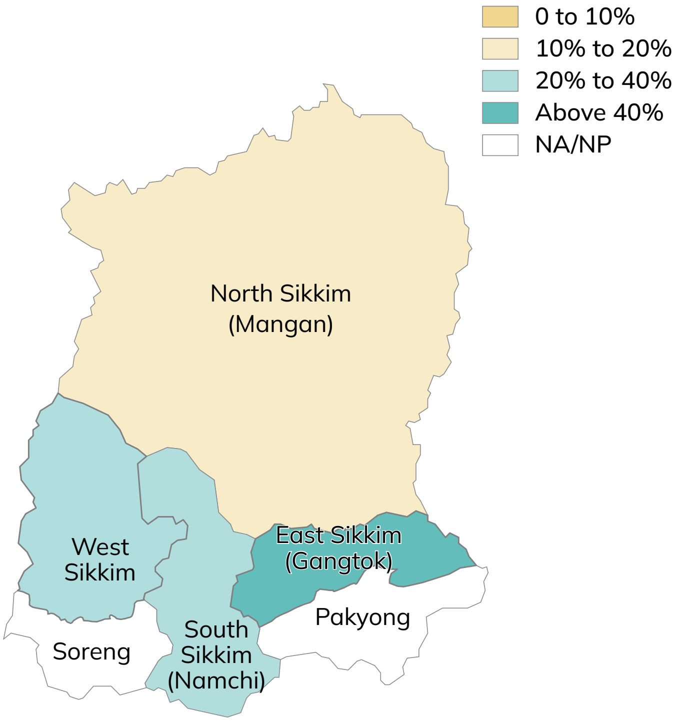

4 Pakyong and Soreng, newly formed in 2021, do not have JJBs.

Full data on Page 153 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
South Sikkim (Namchi)	5	5
East Sikkim (Gangtok)	-	5

Of a minimum of 48 inspections across 4 homes, JJBs in Namchi and Gangtok made 5 inspections each. JJBs in Mangan and West Sikkim did not respond. The DCPO carried out a total of 5 visits to 1 CCI in Namchi.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
4/4	0/4

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
6/6	11 [5]

LCPO workload by district

	Cases handled
South Sikkim (Namchi)	6
North Sikkim (Mangan)	7
West Sikkim	19
East Sikkim (Gangtok)	36
Pakyong	No JJB//LCPOs
Soreng	No JJB//LCPOs

5 State average has been calculated on the basis of total workload of JJBs. Pakyong and Soreng districts do not have a JJB but report the presence of LCPOs.

Full data on Page 153 of Annexures.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	15
2022-23 (RE)	15
2022-23 (AE)	15
Utilisation (%) (AE/RE*100)	100
2023-24 (BE)	15

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**4**
Police Districts	**6** [6]

Social Workers in SJPUs

Total	**9**
Female	**6**
Male	**3**

South Sikkim (Namchi) and West Sikkim did not respond to the query. Against a mandated 12 social workers, 9 were recorded in the four districts. The new districts of Pakyong and Soreng had one male and one female social worker.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

South Sikkim (Namchi) and West Sikkim did not respond to the query. The 4 districts that responded reported 31 CWPOs. Of these, 18 were women.

6 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

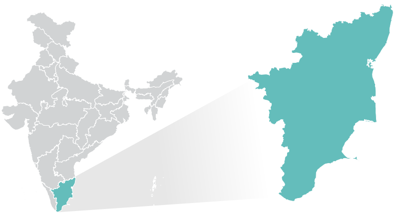

Tamil Nadu

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
38	37	2,607	7,605	Not provided

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Rejected	Not responded	Rejected	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024)[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	10	202
SH	4	32
OBH-cum-SH	0	0
PoS	2	41
Total	16	275

Vocational Training & Educational Facility

No information provided

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	Not provided								
Capacity									
Total Capacity	Not provided								
Children	Not provided								
Staff									
Person in charge/Supervisor	Not provided								
Medical officer	Not provided								
Counsellor	Not provided								
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided								

CCIs: NP **Children in custody: NP**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

2 RTI response records that Punjab has "designated a portion of Observation Homes in Ludhiana and Faridkot and Special Homes in Hoshiarpur and Amritsar as Places of Safety"

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
38	38[2]

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**NP**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
C.	Total workload (A+B)	**NP**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**NP**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**NP**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**NP**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
NP	NP	NP

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
16/32	0/32

2 Rajya Sabha Unstarred Question No. 2076, as of 31 March 2021. Available at: https://sansad.in/getFile/annex/254/AU2076.pdf?source=pqars

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
NP	NP

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	0.01
2022-23 (RE)	0
2022-23 (AE)	0
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**0**
2023-24 (BE)	0

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**NP**
Police Districts	**37**[3]
Social Workers in SJPUs	
Total	**NP**
Female	**NP**
Male	**NP**

3 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

No information provided

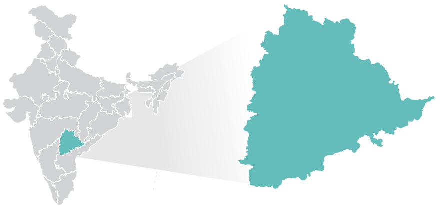

Telangana

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
33	28	1,096	2,478	5,689

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (23/33 responded)	Not responded	Juvenile Welfare Department replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024)[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	3	100
SH	1	45
OBH-cum-SH	1	41
PoS	0	0
Total	5	186

Vocational Training & Educational Facility

RTI response from the Department of Juvenile Welfare, Correctional Services and Welfare of Street Children reported that there are no regular education or vocational training programmes in Observation Homes. Non formal education is imparted through teachers and vocational training programs with the support of NGOs. In the Special Home, classes on hair cutting, app development, photography; dhurry and door mat making and sport programmes like carrom and chess are provided.

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23)

	OBH			SH			PoS		
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Homes									
Total Homes	3	1[2]	4	1	1[3]	2	4	1[4]	5
Capacity									
Total Capacity	150	50	200	50	100	150	20	5	25
Children	69	2	71	40	0	40	0	0	0
Staff									
Person in charge/Supervisor	3	NP	3	0	NP	0	NP	NP	NP
Medical officer	NP	NP	NP	1	NP	1	NP	NP	NP
Counsellor	NP	NP	NP	NP	NP	NP	NP	NP	NP
Support staff (Actual/ sanctioned)	22/40	1/3	23/43	12/41	NP	13	NP	NP	NP

CCIs: 11 **Children in custody: 111**

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts
33

JJBs
10 [5]

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**3,203[6]**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**2,486**
C.	Total workload (A+B)	**5,689**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**3,057**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**2,632**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**53.7**

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate | JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.

District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate | As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
NP	NP	NP

2 This is a Special cum Children and Observation Home for girls in Hyderabad.
3 This is a Special cum Children and Observation Home for girls in Hyderabad.
4 The Department of Juvenile Welfare, Correctional Services and Welfare of Street Children provided a government order dated July 2016 that designates the Special cum Children and Observation Home as a Place of Safety for girls.
5 As of November 2023, Telangana's Juvenile Welfare Department in response to our RTI reported 10 JJBs for 33 districts. A 2025 document on the state's SLSA website now confirms all 33 districts with their own Juvenile Justice Boards. Available at: https://tslsa.telangana.gov.in/pdf/JuvenileTh%20Justice%20Boards%20in%20the%20State%20of%20Telangana.pdf
6 The Department of Juvenile Welfare, Correctional Services and Welfare of Street Children did not provide JJB wise details.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
10/10	9/10

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
26/33	219

Seven districts - Jangaon, Kamareddy, Mahabubabad, Medchal-Malkajgiri, Sangareddy, Siddipet, and Wanaparthy - out of 33 districts did not have an LCPO. The Department of Juvenile Welfare, Correctional Services and Welfare of Street Children did not disaggregate caseload by JJB.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	900
2022-23 (RE)	900
2022-23 (AE)	675
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**75**
2023-24 (BE)	900

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**11**
Police Districts	**28**[7]
Social Workers in SJPUs	
Total	**13**
Female	**7**
Male	**6**

Only 11 out of 28 police districts responded. Against a mandated 56 social workers across all police districts, only 13 were recorded. Telangana's police department transferred the RTI application to districts, divisions and commissionerates who in turn transferred it further to police stations. Not all police stations responded.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

The 23 districts that responded, reported 654 CWPOs. Of these, 25 were women.

7 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

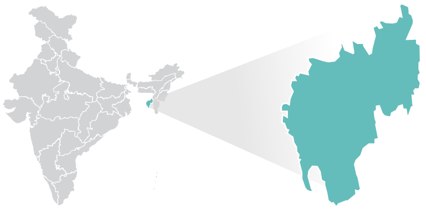

Tripura

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
8	8	33	55	260

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
Transferred to districts (3/8 replied)	Directorate of Social Welfare and Social Education replied	Directorate of Social Welfare and Social Education replied	SLSA replied

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	3	9
SH	1	1
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	4	10

Vocational Training & Educational Facility

The State Child Protection Society responded that "there are no such details available till the date".

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH			SH			PoS		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	1	2	3 [3]	2	1	3 [4]	1		1
Capacity									
Total Capacity	25	50	75	50	25	75	25		25
Children	1	21	22	0	0	0	6		6
Staff									
Person in charge/Supervisor	1	2	3	1	1	2 [5]	1		1
Medical officer	0	0	0	NP	NP	NP	NP		NP
Counsellor	1	2	3	1	1	2 [6]	0		0
Support staff (Actual/ sanctioned)	2/2	6/6	8/8	2/2	3/3	5/8 [7]	3/3		3/3

CCIs: 7 [2] **Children in custody: 28**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals
2 The home in West Tripura is an integrated facility - Observation Home cum Special Home cum Place of Safety housing both boys and girls.
3 Two homes - in West Tripura and North Tripura districts house both boys and girls. The remainder in Gomati district is for boys only.
4 One home in West Tripura district houses both boys and girls. The remaining two in Gomati and North Tripura Districts are for boys.
5 Special Home in North Tripura recorded no person in charge.
6 Special Home in North Tripura recorded no counselors.
7 Special Home in North Tripura recorded no support staff.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
8	8

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**162**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**98**
C.	Total workload (A+B)	**260**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**98**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**162**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**37.7**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
South Tripura	14	21.4
North Tripura	31	22.6
Gomati	28	28.6
Sepahijila	56	33.9
Unakoti	28	35.7
West Tripura	59	40.7
Dhalai	19	57.9
Khowai	25	64.0

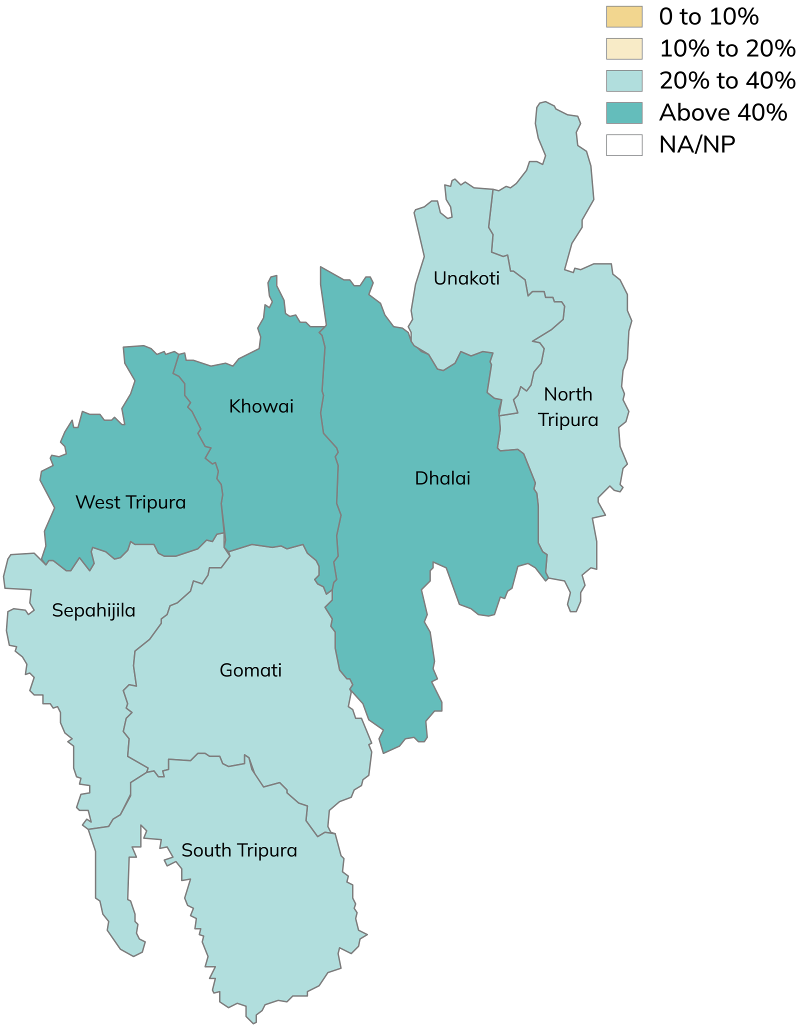

Full data on Page 154 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
OBH cum SH cum PoS, West Tripura	3	11
OBH North Tripura	0	2
OBH Gomati	0	6

Of a minimum of 36 inspections across 3 homes, 3 JJBs - Gomati, North Tripura and West Tripura - made 19 inspections. JJB West Tripura made 11 inspections to the integrated facility but did not elaborate on which particular facility had been inspected or if all were visited on the dates provided. The DCPO carried out only 3 visits in OBH Narsingarh, West Tripura.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
8/8	6/8

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
6/8	44

LCPO workload by district

	Cases handled
Dhalai	19
Khowai	25
Gomati	28
Unakoti	28
North Tripura	31
Sepahijila	56
South Tripura	No LCPO
West Tripura	No LCPO

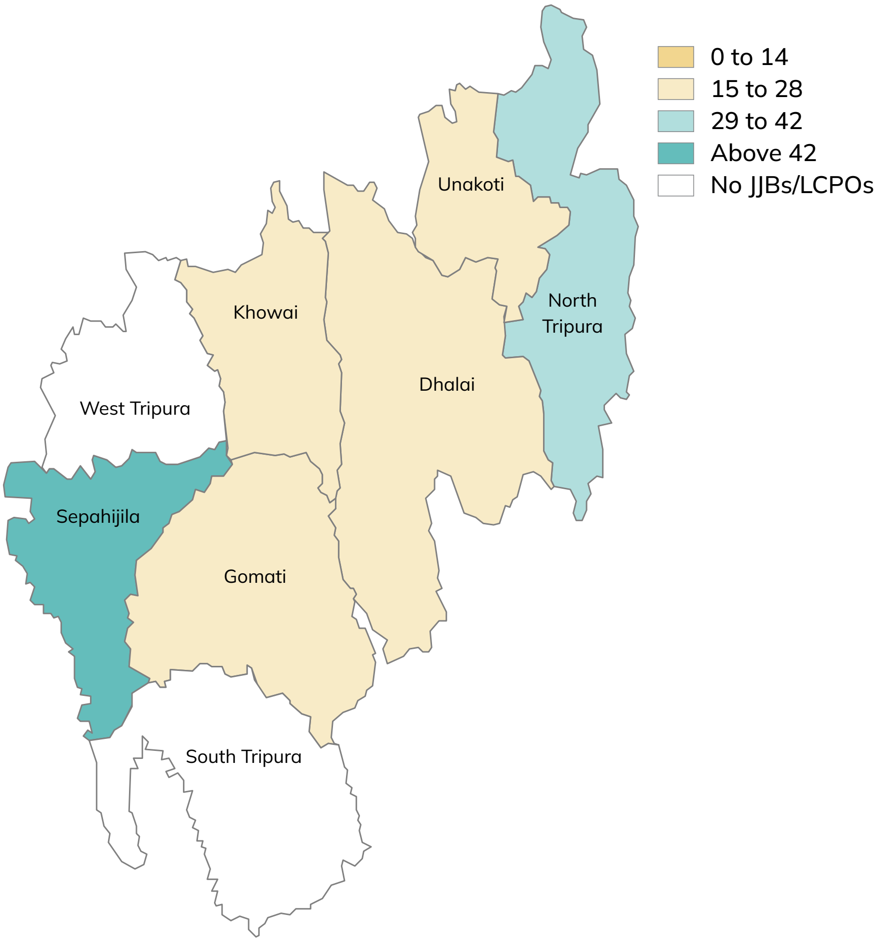

Full data on Page 154 of Annexures.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	50
2022-23 (RE)	50
2022-23 (AE)	50
Utilisation (%) (AE/RE*100)	**100**
2023-24 (BE)	70

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**4**
Police Districts	**8** [8]

Social Workers in SJPUs

Total	**9**
Female	**2**
Male	**7**

The Tripura Police Headquarters transferred the RTI application to the districts. Only 4 (Gomati, Khowai, West Tripura and Unakoti) of the 8 police districts responded to this query. Gomati district, while responding to the query, did not attach annexures providing names of CWPOs and social workers.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

Only Gomati, Khowai, West Tripura and Unakoti of the 8 police districts responded to this query. They reported 27 CWPOs, of which, 9 were women. Gomati district, while responding to the query, did not attach annexures providing names of CWPOs and social workers.

8 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

West Bengal

Profile

Administrative districts	Police districts	Total crimes by juveniles	Total juveniles apprehended	Caseload as of Nov 2023
23	47	577	1,792	Not provided

Responses to RTI Requests

Police Headquarters (PHQ)	State Child Protection Society (SCPS)	Women and Child Development (WCD) Department	State Legal Services Authority (SLSA)
PHQ replied	Directorate of Child Rights and Trafficking replied	WCD replied	Transferred to districts (15/23 replied)

Institutions Housing Children in Conflict with Law

Mandate | The state must establish an observation home (OBH) in every district or for a group of districts; it may establish special homes (SH); and must have at least one place of safety (PoS).

Child Care Institution (CCIs) and children in custody (Lok Sabha question (2024))[1]

	Number of homes	Number of children
OBH	14	273
SH	0	0
OBH-cum-SH	0	0
PoS	0	0
Total	14	273

Vocational Training & Educational Facility

No information provided.

Children in CCIs (RTI Responses (2022-23))

	OBH Section			OBH-cum-SH-cum-PoS Section		
Homes	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total
Total Homes	5	-	5	3	3	6
Capacity						
Total Capacity	250	-	250	250	150	400
Children	Not provided					
Staff						
Person in charge/Supervisor	Not provided					
Medical officer	Not provided					
Counsellor	Not provided					
Support staff (Actual/ sanctioned)	Not provided					

CCIs: 11[2] **Children in custody: NP**

1 Lok Sabha Unstarred Question No. 4264 dated 31st March 2024. Available at: https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/183/AU4264_iuNtpB.pdf?source=pqals

2 RTI response from the State Child Protection Society records 5 OBH for boys; 6 OBH-cum-SH-cum-PoS for girls and boys.

Juvenile Justice Boards (JJBs) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every district must have one or more Juvenile Justice Boards.

Juvenile Justice Boards

Districts	JJBs
23	23

Only 12 JJBs responded.

A.	Cases pending as of 31st Oct'22	**6,416**
B.	Cases received (Nov'22 to Oct'23)	**1,603**
C.	Total workload (A+B)	**8,019**
D.	Cases disposed (Nov'22 to Oct'23)	**2,238**
E.	Cases pending as of 31st Oct'23 (C-D)	**5,547**
F.	Share of disposed cases (%) (D/C*100)	**29.9**

Districts: Caseload and Disposal Rate (%)

	Total cases (Nov'22 to Oct'23)	Share of disposed cases (%)
Purba Bardhaman	537	9.3
Murshidabad	1639	14.5
Hooghly	613	16.3
Dakshin Dinajpur	432	16.7
Howrah	830	18.3
Paschim Medinipur	581	19.6
Paschim Bardhaman	226	22.1
Cooch Behar	578	28.2
Purba Medinipur	398	36.7
Nadia	755	41.9
Kalimpong	40	50.0
Jalpaiguri	1390	58.9
Alipurduar	NP	NP
Bankura	NP	NP
Birbhum	NP	NP
Darjeeling	NP	NP
Jhargram	NP	NP
Kolkata	NP	NP
Malda	NP	NP
North 24 Parganas	NP	NP
Purulia	NP	NP
South 24 Parganas	NP	NP
Uttar Dinajpur	NP	NP

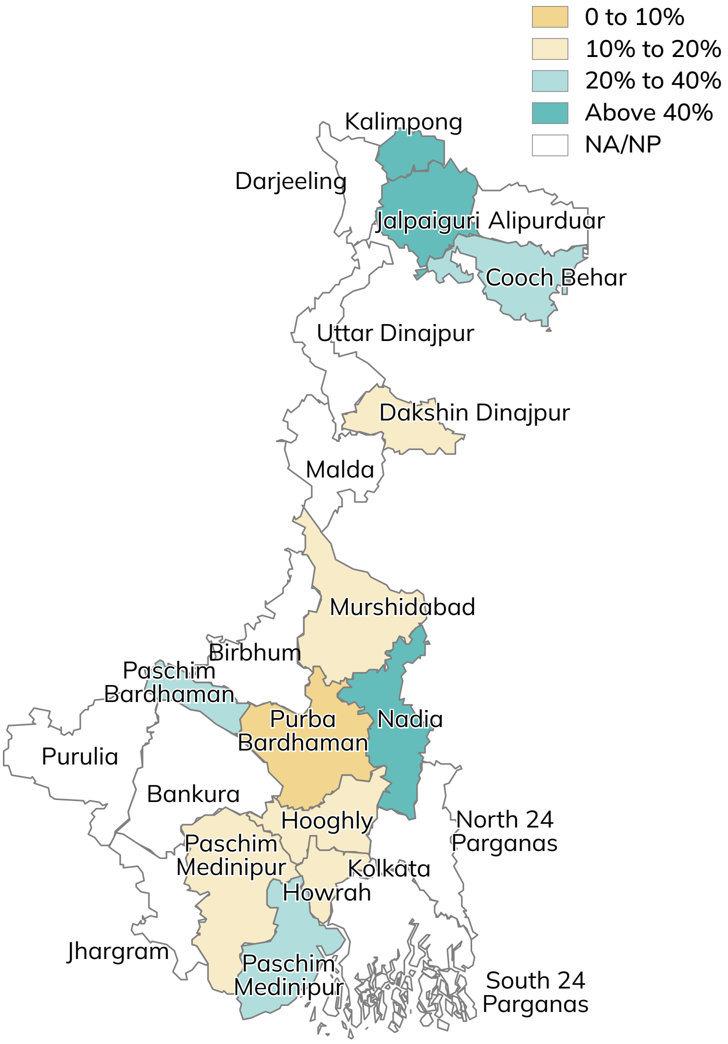

Full data on Page 156 of Annexures.

CCI Inspections and Field Visits (1 Nov'22- 31 Oct'23)

JJB Inspections: Mandate	JJBs are mandated to visit each CCI meant for CCLs once a month.
District Child Protection Officer (DCPO) field visits: Mandate	As head of the management committee of each home, the DCPO must make field visits to all CCIs.

CCI	DCPO field visits (Nov 2022-Oct 2023)	Inspections by JJB (Nov 2022-Oct 2023)
Cooch Behar	NP	25
Hooghly	NP	4
Howrah	18	20
Jalpaiguri	NP	NP
Murshidabad	NP	5
Nadia	14	25
North 24 Parganas	NP	NP
Paschim Medinipur	NP	11
Purba Medinipur	NP	8
Uttar Dinajpur	NP	12

Of a possible minimum of 276 inspections to be made across the 23 separate facilities [3], 10 JJBs made 110 inspections in 8 homes. 10 JJBs gave no response. JJB Dakshin Dinajpur made 12 visits to OBH Cooch Behar and 12 to Uttar Dinajpur. Only two DCPOs, Howrah and Nadia, responded that 32 field visits were carried out during the year.

Legal Aid (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Every JJB must have a legal service clinic attached. Every DLSA must have a separate panel of advocates to represent children before CWCs and JJBs.

Legal aid clinics attached to JJBs	Specialised lawyer panels attached to JJBs
13 [4]/23	8/23

3 OBH cum SH cum PoS added separately
4 Response from 14 districts

Workload of Legal cum Probation Officer (LCPO) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate	Each district must have at least one Legal-cum-Probation Officer.

LCPOs	Average cases handled
19/23	NP[5]

LCPO workload by district

	Cases handled
Kalimpong	40
Paschim Bardhaman	226
Purba Medinipur	398
Purba Bardhaman	537
Cooch Behar	578
Paschim Medinipur	581
Hooghly	613
Nadia	755
Howrah	830
Jalpaiguri	1,390
Murshidabad	1,639
Alipurduar	NP
Bankura	NP
Birbhum	NP
Dakshin Dinajpur	NP
Darjeeling	NP
Jhargram	NP
Kolkata	NP
Malda	NP
North 24 Parganas	NP
Purulia	NP
South 24 Parganas	NP
Uttar Dinajpur	NP

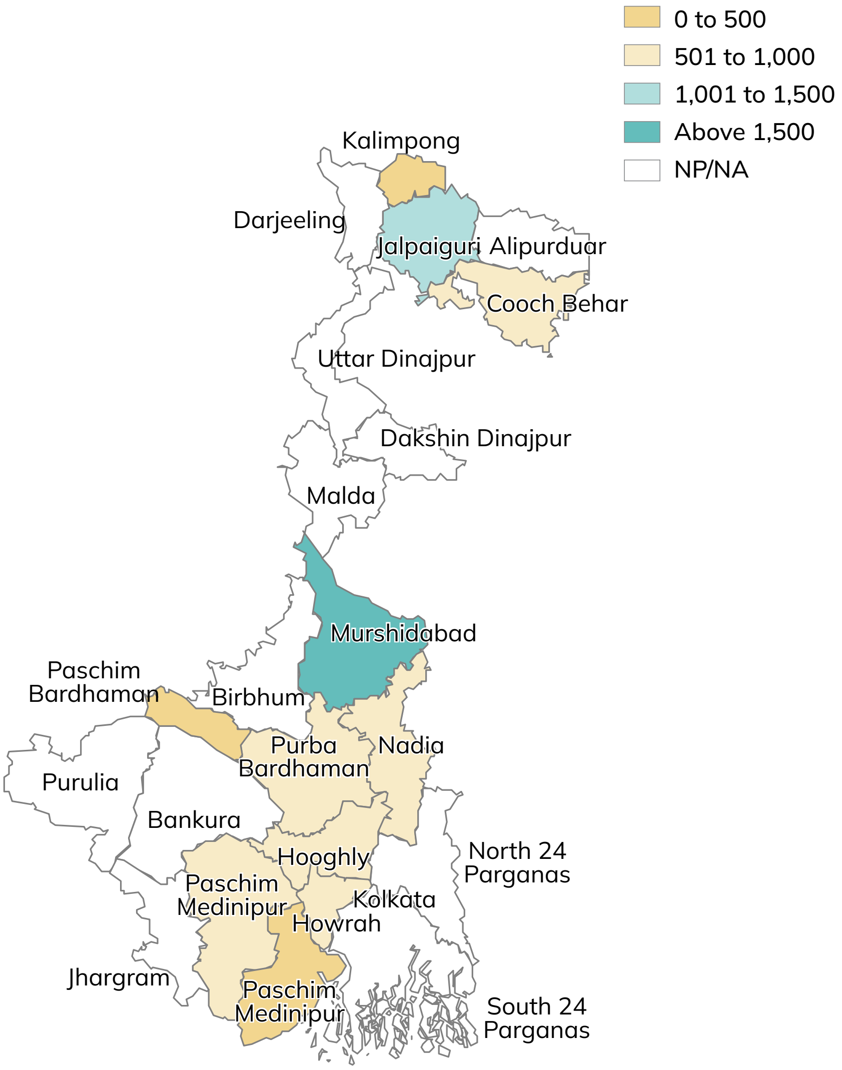

Full data on Page 157 of Annexures.

5 Caseload data was only received from 12 of the 23 JJBs, thereby preventing the computation of a representative state average.

Juvenile Justice Fund (JJF) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each state may at its discretion make a special fund for welfare and rehabilitation of the children.

State Budget Documents

Detailed Head	Juvenile Justice Fund Amount (Rs Lakhs)
2022-23 (BE)	0
2022-23 (RE)	0
2022-23 (AE)	0
Utilisation (%) (AE/RE*100)	0
2023-24 (BE)	0

The Directorate of Child Rights & Trafficking responded that no JJF received for the period of 2020-2023.

Special Juvenile Police Unit (SJPU) (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Each district and city must have a Special Juvenile Police Unit to co-ordinate all functions of police related to children. Each unit is headed by the Deputy SP, comprising two social workers, including one woman and all Child Welfare Police Officers (CWPOs) in the jurisdiction.

SJPUs	**38** [6]
Police Districts	**47** [7]
Social Workers in SJPUs	
Total	**19**
Female	**11**
Male	**8**

The West Bengal Police Headquarters transferred the RTI application to the Criminal Investigation Department (CID). It reported that there was a SJPU in 38 police districts. 8 districts provided no information.

Against a mandated 94 social workers, only 19 were recorded. 25 police districts reported no social workers and 9 did not respond.

Child Welfare Police Officers (1 Nov'22- 31 Oct'23)

Mandate | Every police station must have at least one designated child welfare police officer specifically to deal with children either as victims or perpetrators.

The Criminal Investigation Department (CID) reported 549 CWPOs across 38 police districts. Of these, 55 were women.

6 Including four railway districts - Howrah, Kharagpur, Sealdah and Siliguri.
7 Figures from Bureau of Police Research and Development, Data on Police Organisation, 2023.

अनुलग्नक

अनुलग्नक 1: अरुणाचल प्रदेश

1 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
अंजॉ	1	0	3	3	1	2	33.3
चांगलांग	1	6	10	16	11	5	68.8
दिबांग घाटी	1	12	1	13	13	4	100.0
पूर्वी कामेंग	1	29	7	36	17	17	47.2
पूर्वी सियांग	1	6	27	33	23	10	69.7
कामले	1	0	0	0	0	0	-
क्रा-दादी	1	0	2	2	2	0	100.0
कुरुंग कुमे	1	0	0	0	0	0	-
लेपा राड़ा	1	0	2	2	0	2	0.0
लोहित	1	25	12	37	1	36	2.7
लोंगडिंग	1	4	5	9	7	2	77.8
लोअर दिबांग वैली	1	4	8	12	0	12	0.0
लोअर सियांग	1	0	4	4	3	1	75.0
लोअर सुबनसिरी	1	15	1	16	7	9	43.8
नमसाई	1	19	4	23	0	23	0.0
पक्के केसांग	1	0	0	0	0	0	-
पापुम पारे	2 *	76	51	127	20	104	15.8
शि-योमी	1	0	0	0	0	0	-
सियांग	1	4	15	19	18	1	94.7
तवांग	1	3	1	4	2	2	50.0
तिरप	1	4	3	7	1	6	14.3
अपर सियांग	1	3	3	6	1	5	16.7
अपर सुबनसिरी	1	49	11	60	3	57	5.0
पश्चिमी कामेंग	1	14	24	38	8	30	21.1
पश्चिमी सियांग	1	8	14	22	14	8	63.6
कुल	**26**	**281**	**208**	**489**	**152**	**336**	**31.1**

- पापुम पारे ज़िले में राजधानी परिसर, ईटानगर में एक अतिरिक्त 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB) स्थापित है। बिचोम और केई-पन्योर ज़िलों में कोई JJB नहीं है, क्योंकि ये ज़िले क्रमशः वर्ष 2023 और 2024 में स्थापित किए गए थे।

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 2: असम

2 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
बजाली	0	-	-	-	-	-	-
बाक्सा	1	47	41	88	68	20	77.3
बारपेटा	1	90	60	150	67	83	44.7
बिस्वनाथ	1	36	12	48	5	43	10.4
बोंगाईगांव	1	27	48	75	35	40	46.7
कछार	1	81	98	179	100	79	55.9
चराइदेव	1	28	11	39	16	23	41.0
चिरांग	1	39	21	60	15	45	25.0
दरंग	1	57	64	121	67	54	55.4
धेमाजी	1	13	30	43	23	20	53.5
धुबरी	1	142	63	205	32	173	15.6
डिब्रूगढ़	1	61	41	102	76	26	74.5
दीमा हसाओ	1	18	37	55	28	27	50.9
गोलपाड़ा	1	91	101	192	10	182	5.2
गोलाघाट	1	67	34	101	48	53	47.5
हैलाकांडी	1	38	28	66	28	38	42.4
होसाई	1	79	37	116	39	77	33.6
जोरहाट	1	49	63	112	60	52	53.6
कामरूप महानगरीय	1	79	49	128	64	64	50.0
कामरूप अमींगांव (ग्रामीण)	1	69	38	107	58	49	54.2
कार्बी आंगलोंग	1	36	30	66	26	40	39.4
करीमगंज	1	80	37	117	37	80	31.6
कोकराझार	1	73	25	98	43	55	43.9
लखीमपुर	1	46	47	93	53	40	57.0
माजुली	1	0	15	15	11	4	73.3
मोरीगांव	1	92	87	179	107	72	59.8
नगांव	1	245	84	329	89	240	27.1
नलबाड़ी	1	38	38	76	41	35	54.0
शिवसागर	1	29	22	51	25	26	49.0
सोनितपुर	1	62	51	113	49	64	43.4
दक्षिण सालमारा-मनकाछर	1	0	6	6	2	4	33.3
तमुलपुर	0	-	-	-	-	-	-
तिनसुकिया	1	63	83	146	67	79	45.9
उदलगुरी	1	37	126	163	14	149	8.6
पश्चिमी कार्बी आंगलोंग	0	-	-	-	-	-	-
कुल	**32**	**1,912**	**1,527**	**3,439**	**1,403**	**2,036**	**40.8**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 2: असम

2 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
बजाली	NP	-	-
बाक्सा	1	88	88
बारपेटा	1	150	150
बिस्वनाथ	1	48	48
बोंगाईगांव	1	75	75
कछार	1	179	179
चराइदेव	1	39	39
चिरांग	1	60	60
दरंग	1	121	121
धेमाजी	1	43	43
धुबरी	1	205	205
डिब्रूगढ़	1	102	102
दीमा हसाओ	0	55	-
गोलपाड़ा	0	192	-
गोलाघाट	1	101	101
हैलाकांडी	1	66	66
होसाई	1	116	116
जोरहाट	1	112	112
कामरूप महानगरीय	1	128	128
कामरूप अमींगांव (ग्रामीण)	1	107	107
कार्बी आंगलोंग	0	66	-
करीमगंज	1	117	117
कोकराझार	1	98	98
लखीमपुर	1	93	93
माजुली	1	15	15
मोरीगांव	1	179	179
नगांव	1	329	329
नलबाड़ी	1	76	76
शिवसागर	1	51	51
सोनितपुर	1	113	113
दक्षिण सालमारा-मनकाछर	1	6	6
तिनसुकिया	NP	-	-
उदलगुरी	1	146	146
पश्चिम कार्बी आंगलोंग	1	163	163
तमुलपुर	NP	-	-

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 3: गोवा

3 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
उत्तरी गोवा	1	39	32	71	47	24	66.2
दक्षिणी गोवा	1	26	30	56	45	11	80.4
कुल	**2**	**65**	**62**	**127**	**92**	**35**	**72.4**

Districts arranged in alphabetical order.

अनुलग्नक 4: हरियाणा

4 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
अम्बाला	1	118	124	242	149	93	61.6
भिवानी	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
चरखी दादरी	1	21	26	47	18	29	38.3
फ़रीदाबाद	1	185	170	355	211	148	59.4
फ़तेहाबाद	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
गुरुग्राम	1	238	344	582	352	233	60.5
हिसार	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
झज्जर	1	NP	37	-	64	101	-
जींद	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
कैथल	1	83	90	173	69	71	39.9
करनाल	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
कुरुक्षेत्र	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
महेंद्रगढ़ (नरनौल)	1	59	62	121	45	76	37.2
नूह	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
पलवल	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
पंचकुला	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
पानीपत	1	194	139	333	189	144	56.8
रेवाड़ी	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
रोहतक	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
सिरसा	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
सोनीपत	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
यमुनानगर	1	NP	NP	NP	NP	NP	-
कुल	**8/22**	**898**	**992**	**1,890**	**1,097**	**895**	**58.0**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 5: हिमाचल प्रदेश

5 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
बिलासपुर	1	71	13	84	14	70	16.7
चम्बा	1	24	103	127	111	16	87.4
हमीरपुर	1	36	17	53	22	31	41.5
कांगड़ा	1	116	60	176	33	143	18.8
किन्नौर	1	38	5	43	3	40	7.0
कुल्लू	1	64	38	102	24	78	23.5
लाहौल और स्पीति	0	-	-	-	-	-	-
मंडी	1	89	48	137	45	92	32.9
शिमला	1	83	33	116	60	56	51.7
सिरमौर	1	83	22	105	45	60	42.9
सोलन	1	93	166	259	158	101	61.0
ऊना	1	40	38	78	35	43	44.9
कुल	**11**	**737**	**543**	**1,280**	**550**	**730**	**43.0**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

5 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
बिलासपुर	1	84	84
चम्बा	1	127	127
हमीरपुर	1	53	53
कांगड़ा	1	176	176
किन्नौर	1	43	43
कुल्लू	1	102	102
लाहौल और स्पीति	No LCPO	-	-
मंडी	1	137	137
शिमला	2	116	58
सिरमौर	1	105	105
सोलन	1	259	259
ऊना	2	78	39

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 6: जम्मू और कश्मीर

6 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
डोडा	1	26	16	42	9	33	21.4
जम्मू	1	111	87	198	117	81	59.1
कठुआ	1	37	27	64	34	30	53.1
किश्तवाड़	1	12	10	22	12	10	54.6
पुंछ	1	39	17	56	7	49	12.5
राजौरी	1	137	30	167	26	141	15.6
रामबान	1	18	12	30	4	26	13.3
रीसी	1	37	16	53	8	53	15.1
सांबा	1	21	15	36	9	26	25.0
उधमपुर	1	58	34	92	21	71	22.8
अनंतनाग	1	141	109	250	57	219	22.8
बंदीपोरा	1	108	36	144	29	110	20.1
बारामूला	1	354	132	486	76	410	15.6
बडगाम	1	177	110	287	61	226	21.3
गांदरबल	1	91	38	129	42	86	32.6
कुलगाम	1	114	96	210	76	134	36.2
कुपवाड़ा	1	81	109	190	66	135	34.7
पुलवामा	1	129	78	207	66	143	31.9
शोपियां	1	162	96	258	39	222	15.1
श्रीनगर	1	364	74	438	121	306	27.6
कुल	**20**	**2,217**	**1,142**	**3,359**	**880**	**2,511**	**26.2**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 7: झारखंड

7 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
बोकारो	1	Not provided					
चतरा	1	Not provided					
देवघर	1	Not provided					
धनबाद	1	209	111	320	147	173	45.9
दुमका	1	112	31	143	48	95	33.6
पूर्वी सिंहभूम	1	Not provided					
गढ़वा	1	Not provided					
गिरीडीह	1	194	164	358	165	193	46.1
गोड्डा	1	Not provided					
गुमला	1	199	65	264	50	214	18.9
हज़ारीबाग़	1	238	66	304	143	161	47.0
जमतराम	1	49	23	72	18	54	25.0
खूंटी	1	Not provided					
कोडरमा	1	Not provided					
लातेहार	1	83	43	126	65	63	51.6
लोहरदगा	1	99	119	218	142	76	65.1
पकुर	1	Not provided					
पलामू	1	Not provided					
रामगढ़	1	Not provided					
रांची	1	Not provided					
साहेबगंज	1	Not provided					
सरायकेला	1	Not provided					
सिमडेगा	1	51	36	87	69	18	79.3
पश्चिमी सिंहभूम	1	Not provided					
कुल	**9/24**	**1,234**	**658**	**1,892**	**847**	**1,047**	**44.8**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 8: केरल

8 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
अलप्पुझा	1	173	109	282	60	222	21.3
एर्नाकुलम	1	245	175	420	139	281	33.1
इडुक्की	1	94	102	196	42	154	21.4
कन्नूर सिटी	1	270	139	409	191	218	46.7
कसारगोड	1	73	78	151	76	75	50.3
कोल्लम	1	Not provided					
कोट्टायम	1	259	93	352	129	223	36.7
कोझिकोड	1	239	201	440	272	168	61.8
मलप्पुरम	1	50	170	220	128	92	58.2
पालक्कड़	1	150	82	232	73	159	31.5
पथनमथिट्टा	1	89	10	99	17	82	17.2
तिरुवनंतपुरम	1	Not provided					
त्रिशुर	1	140	166	306	95	211	31.1
वायनाड	1	128	35	163	16	147	9.8
कुल	**12/14**	**1,910**	**1,360**	**3,270**	**1,238**	**2,032**	**37.9**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

8 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
अलप्पुझा	0	282	282
एर्नाकुलम	1	420	420
इडुक्की	1	196	196
कन्नूर	1	409	409
कसारगोड	1	151	151
कोल्लम	1	NP	NP
कोट्टायम	1	352	352
कोझिकोड	1	440	440
मलप्पुरम	1	220	220
पालक्कड़	1	232	232
पथनमथिट्टा	1	99	99
तिरुवनंतपुरम	1	NP	NP
त्रिशुर	1	306	306
वायनाड	1	163	163

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 9: मध्य प्रदेश

9 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
अलीराजपुर	1	234	161	395	166	229	42.0
अनूपपुर	1	166	125	291	183	108	62.9
अशोकनगर	1	272	190	462	358	104	77.5
बालाघाट	1	146	176	322	210	112	65.2
बड़वानी	1	191	191	382	246	136	64.4
बैतूल	1	165	175	340	242	98	71.2
भिंड	1	475	332	807	491	316	60.8
भोपाल	1	765	1,045	1,810	887	923	49.0
बुरहानपुर	1	307	134	441	407	34	92.3
छतरपुर	1	346	306	652	333	319	51.1
छिंदवाड़ा	1	274	203	477	225	252	47.2
दामोह	1	115	183	298	205	93	68.8
दतिया	1	170	185	355	309	46	87.0
देवास	1	293	473	766	485	281	63.3
धार	1	181	405	586	439	147	74.9
डिंडोरी	1	45	61	106	56	50	52.8
गुना	1	787	254	1,041	323	718	31.0
ग्वालियर	1	470	630	1,100	647	453	58.8
हरदा	1	189	155	344	207	137	60.2
होशंगाबाद	1	330	144	474	62	412	13.1
इंदौर	1	770	1,307	2,077	1,026	1,051	49.4
जबलपुर	1	725	488	1,213	715	498	58.9
झाबुआ	1	193	300	493	305	188	61.9
कटनी	1	586	164	750	275	475	36.7
खंडवा	1	98	301	399	279	120	69.9
खरगौन	1	232	255	487	350	137	71.9
मंडला	1	84	66	150	65	85	43.3
मंदसौर	1	181	203	384	223	161	58.1
मुरैना	1	679	555	1,234	677	557	54.9
नर्मदापुरम	1	-	109	109	72	37	66.1
नरसिंहपुर	1	207	121	328	174	154	53.1
नीमच	1	162	146	308	46	262	14.9

अगले पृष्ठ पर जारी...

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 9: मध्य प्रदेश

9 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
पन्ना	1	231	147	378	192	186	50.8
रायसेन	1	192	292	484	279	205	57.6
राजगढ़	1	294	311	605	302	303	49.9
रतलाम	1	688	556	1,244	373	871	30.0
रीवा	1	640	599	1,239	775	464	62.6
सागर	1	732	569	1,301	234	1,067	18.0
सतना	1	746	308	1,054	573	481	54.4
सीहोर	1	174	223	397	78	319	19.7
सिवनी	1	59	140	199	138	61	69.4
शहडोल	1	234	218	452	341	111	75.4
शाजापुर	1	240	299	539	327	212	60.7
श्योपुर	1	46	52	98	0	98	0.0
शिवपुरी	1	241	336	577	266	311	46.1
सिद्धी	1	173	131	304	167	137	54.9
सिंगरौली	1	314	239	553	331	222	59.9
टीकमगढ़	1	248	293	541	191	350	35.3
उज्जैन	1	1,040	535	1,575	361	1,214	22.9
उमरिया	1	176	76	252	109	143	43.3
विदिशा	1	325	775	1,100	859	241	78.1
कुल	**51**	**16,631**	**15,642**	**32,273**	**16,584**	**15,689**	**51.4**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 10: मेघालय

10 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
पूर्वी गारो हिल्स	1	8	11	19	4	7	21.1
पूर्वी खासी हिल्स	1	20	20	40	13	27	32.5
पश्चिमी जांटिया हिल्स	1	154	35	189	26	155	13.8
पूर्वी जांटिया हिल्स	1	0	0	0	0	0	0.0
री भोई	1	9	4	13	2	11	15.4
पश्चिमी गारो हिल्स	1	33	6	39	14	23	35.9
उत्तरी गारो हिल्स	1	6	6	12	5	5	41.7
दक्षिणी गारो हिल्स	1	10	7	17	11	6	64.7
दक्षिण-पश्चिमी गारो हिल्स	1	3	3	6	5	1	83.3
पश्चिमी खासी हिल्स	1	36	25	61	29	32	47.5
दक्षिण-पश्चिमी खासी हिल्स	1	21	9	30	8	22	26.7
पूर्वी-पश्चिमी खासी हिल्स*	1	21	14	35	8	21	22.9
कुल	**12**	**321**	**140**	**461**	**125**	**310**	**27.1**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

10 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
पूर्वी गारो हिल्स	1	19	19
पूर्वी खासी हिल्स	1	40	40
पश्चिमी जांटिया हिल्स	1	189	189
पूर्वी जांटिया हिल्स	0	0	-
री भोई	1	13	13
पश्चिमी गारो हिल्स	0	39	-
उत्तरी गारो हिल्स	1	12	12
दक्षिणी गारो हिल्स	1	17	17
दक्षिण-पश्चिमी गारो हिल्स	1	6	6
पश्चिमी खासी हिल्स	1	61	61
दक्षिण-पश्चिमी खासी हिल्स	1	30	30
पूर्वी-पश्चिमी खासी हिल्स*	1	35	35

* यह ज़िला 2021 में बना, जो अब 12वां ज़िला है।

अनुलग्नक 11: मिज़ोरम

11 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
आईज़ोल	1	18	116	134	110	24	82.1
चम्फाई	1	8	28	36	25	11	69.4
हनाहथियाल	1	0	5	5	3	2	60.0
खवजावल	1	0	15	15	3	12	20.0
कोलासिब	1	7	37	44	41	3	93.2
लांगटलाई	1	2	6	8	5	3	62.5
लुंगलेई	1	4	29	33	27	6	81.8
ममित	1	3	18	21	19	2	90.5
साइहा	1	3	3	6	4	2	66.7
सैतुअल	1	0	8	8	6	2	75.0
सेरछिप	1	4	15	19	17	2	89.5
कुल	**11**	**49**	**280**	**329**	**260**	**69**	**79.0**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

11 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
आईज़ोल	1	134	134
चम्फाई	1	36	36
हनाहथियाल	1	5	5
खवजावल	1	15	15
कोलासिब	1	44	44
लांगटलाई	1	8	8
लुंगलेई	1	33	33
ममित	1	21	21
साइहा	1	6	6
सैतुअल	1	8	8
सेरछिप	1	19	19

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 12: नगालैंड

12 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
चुमौकेडिमा	1	Not provided					
दीमापुर	1	6	13	19	9	6	47.4
किफ़िरे	1	0	0	0	0	1	-
कोहिमा	1	7	10	17	8	7	47.1
लोंगलेंग	1	1	0	1	0	0	0.0
मोकोकचुंग	1	1	1	2	0	1	0.0
मॉन	1	2	3	5	5	0	100.0
नियूलैंड	1	0	0	0	0	0	-
नोकलाक	1	0	0	0	0	0	-
पेरन	1	0	0	0	0	0	-
फेक	1	2	0	2	0	0	0.0
शमाटोर	1	0	0	0	0	0	-
ट्सेमिन्यु	1	0	0	0	0	0	-
टुएंसांग	1	1	3	4	6	0	150.0
वोखा	1	0	0	0	0	0	-
जुन्हेबोटो	1	0	0	0	0	1	-
कुल	**16**	**20**	**30**	**50**	**28**	**16**	**56.0**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

12 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
चुमौकेडिमा	0		
दीमापुर	1	19	19
किफ़िरे	1	0	0
कोहिमा	1	17	17
लोंगलेंग	1	1	1
मोकोकचुंग	1	2	2
मॉन	1	5	5
नियूलैंड	0	0	-
नोकलाक	0	0	-
पेरन	1	0	0
फेक	1	2	2
शमाटोर	0	0	-
ट्सेमिन्यु	0	0	-
टुएंसांग	1	4	4
वोखा	1	0	0
जुन्हेबोटो	1	0	0

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 13: ओडिशा

13 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
अंगुल	1	320	108	428	85	343	19.9
बलांगीर	1	289	101	390	61	329	15.6
बालासोर	1	264	47	311	48	263	15.4
बरगढ़	1	335	97	432	87	345	20.1
भद्रक	1	162	48	210	20	190	9.5
बौध	1	37	16	53	22	31	41.5
कटक	1	481	126	607	64	543	10.5
देवघर	1	29	38	67	15	52	22.4
ढेंकानाल	1	118	61	179	49	130	27.4
गजपति	1	71	24	95	48	47	50.5
गंजम	2	501	214	715	211	504	29.5
जगतसिंहपुर	1	56	36	92	57	35	62.0
जजपुर	1	295	55	350	37	313	10.6
झारसुगुड़ा	1	412	55	467	57	410	12.2
कालाहांडी	1	162	60	222	34	188	15.3
कंधमाल	1	95	53	148	55	93	37.2
केंद्रपाड़ा	1	195	29	224	32	192	14.3
क्योंझर	1	184	85	269	62	207	23.1
खोरधा	2	844	154	998	81	917	8.1
कोरापुट	1	544	117	661	55	606	8.3
मलकानगिरी	1	120	53	173	54	119	31.2
मयूरभंज	1	282	109	391	76	315	19.4
नबरंगपुर	1	124	41	165	54	111	32.7
नयागढ़	1	108	32	140	74	66	52.9
नुआपाड़ा	1	29	24	53	18	35	34.0
पुरी	1	544	90	634	84	550	13.3
रायगढ़	1	115	43	158	70	88	44.3
संबलपुर	2	979	170	1,149	148	1,001	12.9
सुवर्णपुर	1	77	29	106	34	72	32.1
सुंदरगढ़	2	1,282	197	1,479	189	1,290	12.8
कुल	**34**	**9,054**	**2,312**	**11,366**	**1,981**	**9,385**	**17.4**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

13 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
अंगुल	1	428	428
बलांगीर	1	390	390
बालासोर	1	311	311
बरगढ़	1	432	432
भद्रक	1	210	210
बौध	1	53	53
कटक	1	607	607
देवघर	1	67	67
ढेंकानाल	1	179	179
गजपति	1	95	95
गंजम	1	715	715
जगतसिंहपुर	1	92	92
जजपुर	1	350	350
झारसुगुड़ा	1	467	467
कालाहांडी	1	222	222
कंधमाल	1	148	148
केंद्रपाड़ा	1	224	224
क्योंझर	1	269	269
खोरधा	1	998	998
कोरापुट	1	661	661
मलकानगिरी	1	173	173
मयूरभंज	1	391	391
नबरंगपुर	1	165	165
नयागढ़	1	140	140
नुआपाड़ा	1	53	53
पुरी	1	634	634
रायगढ़	1	158	158
संबलपुर	1	1,149	1,149
सुवर्णपुर	1	106	106
सुंदरगढ़	1	1,479	1,479

Districts arranged in alphabetical order.

अनुलग्नक 14: राजस्थान

14 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023) - RTI के जवाब

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
अजमेर	1						
अलवर	1	466	235	701	216	485	30.8
बालोतरा	0	No JJB					
बांसवाड़ा	1	Not provided					
बारां	1	Not provided					
बाड़मेर	1	Not provided					
ब्यावर	0	No JJB					
भरतपुर	1	470	349	819	408	376	49.8
भीलवाड़ा	1	298	141	439	140	299	31.9
बीकानेर	1	Not provided					
बूंदी	1	280	214	494	191	278	38.7
चित्तौड़गढ़	1	268	154	422	180	242	42.7
चुरु	1	130	155	285	188	97	66.0
दौसा	1	200	159	359	195	173	54.3
डीग	0	No JJB					
धौलपुर	1	Not provided					
डीडवाना कुचामन	0	No JJB					
डूंगरपुर	1	Not provided					
हनुमानगढ़	1	218	123	341	120	221	35.2
जयपुर	2	Not provided					
जैसलमेर	1	Not provided					
जालोर	1	109	76	185	75	110	40.5
झालावाड़	1	407	291	698	434	264	62.2
झुंझुनू	1	Not provided					
जोधपुर	1	Not provided					
करौली	1	Not provided					
खैरथल-तिजारा	0	No JJB					
कोटा	1	540	835	1,375	686	689	49.9
कोटपुतली-बहरोड़	0	No JJB					
नागौर	1	Not provided					
पाली	1	Not provided					
फलौदी	0	No JJB					
प्रतापगढ़	1	Not provided					
राजसमंद	1	106	88	194	114	80	58.8
सलूम्बर	0	No JJB					
सवाई माधोपुर	1	Not provided					
सीकर	1	Not provided					
सिरोही	1	65	67	132	79	53	59.9
श्री गंगानगर	1	Not provided					
टोंक	1	227	370	597	446	151	74.7
उदयपुर	1	612	545	1,157	576	581	49.8
कुल	15/34	4,396	3,802	8,198	4,048	4,099	49.4

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

14 ख. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023) - बाल अधिकार निदेशालय की वार्षिक रिपोर्ट (जनवरी 2024 - दिसंबर 2024)*

ज़िले	केस प्राप्त (1 जनवरी 2024 - 31 दिसंबर 2024)	निपटाए	लंबित
अजमेर	654	381	246
अलवर	805	420	385
बांसवाड़ा	403	154	249
बारां	378	197	181
बाड़मेर	498	150	348
भरतपुर	703	372	331
भीलवाड़ा	598	360	238
बीकानेर	711	318	393
बूंदी	443	154	289
चित्तौड़गढ़	373	151	222
चुरू	222	149	73
दौसा	358	264	94
धौलपुर	356	165	191
डूंगरपुर	221	195	26
हनुमानगढ़	336	138	198
जयपुर 1	1,065	539	526
जयपुर 2	748	357	391
जैसलमेर	157	72	85
जालौर	157	63	94
झालावाड़	559	425	134
झुंझनूं	362	235	127
जोधपुर	1,063	436	627
करौली	186	103	83
कोटा	1,365	593	772
नागौर	400	110	290
पाली	326	102	224
प्रतापगढ़	291	136	155
राजसमंद	113	59	54
सवाई माधोपुर	319	194	125
सीकर	435	315	120
सिरोही	169	99	70
श्रीगंगानगर	544	300	244
टोंक	356	232	124
उदयपुर	1,118	582	536
कुल	**16,792**	**8,520**	**8,245**

* राजस्थान के केसों के आंकड़े 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 की अवधि के लिए 'बाल अधिकार विभाग' की वार्षिक रिपोर्ट (2024-25) से लिए गए हैं। इस लिंक पर उपलब्ध: https://jankalyanfile.rajasthan.gov.in//Content/UploadFolder/OrderEntry/SJED/2025/Annual_Progress_Report/O_160425_9855fc0e-bd99-45e2-b2a1-70518e6b2a09.pdf

अनुलग्नक 15: सिक्किम

15 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
पूर्वी सिक्किम (गंगटोक)	1	6	30	36	27	9	75.0
उत्तरी सिक्किम (गनगन)	1	0	7	7	1	4	14.3
पाकयोंग	0	-	-	-	-	-	
सोरेंग	0	-	-	-	-	-	
दक्षिणी सिक्किम (नामची)	1	0	6	6	2	4	33.3
पश्चिम सिक्किम	1	9	10	19	16	3	84.2
कुल	**4/6**	**15**	**53**	**68**	**46**	**20**	**67.7**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

15 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
पूर्वी सिक्किम (गंगटोक)	1	36	36
उत्तरी सिक्किम (गनगन)	1	7	7
पाकयोंग	1	-	-
सोरेंग	1	-	-
दक्षिणी सिक्किम (नामची)	1	6	6
पश्चिम सिक्किम	1	19	19

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 16: त्रिपुरा

16 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
धलाइ	1	13	6	19	11	8	57.9
गोमती	1	15	13	28	8	20	28.6
खोवाई	1	19	6	25	16	9	64.0
उत्तरी त्रिपुरा	1	21	10	31	7	24	22.6
सेपाहिजिला	1	42	14	56	19	37	33.9
दक्षिण त्रिपुरा	1	12	2	14	3	13	21.4
उनाकोटी	1	16	12	28	10	18	35.7
पश्चिम त्रिपुरा	1	24	35	59	24	35	40.7
कुल	**8**	**162**	**98**	**260**	**98**	**164**	**37.7**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

16 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्वेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
धलाइ	1	19	19
गोमती	1	28	28
खोवाई	1	25	25
उत्तरी त्रिपुरा	1	31	31
सेपाहिजिला	1	56	56
दक्षिण त्रिपुरा	0	14	-
उनाकोटी	1	28	28
पश्चिम त्रिपुरा	0	59	-

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 17: उत्तराखंड

17 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	**क**	**ख**	**ग**	**घ = ख+ग**	**ङ**	**च = घ-ङ**	**छ= ङ/घx100**
अल्मोड़ा	1	19	17	36	30	6	83.3
बागेश्वर	1	9	16	25	22	3	88.0
चमोली	1	9	19	28	17	2	60.7
चंपावत	1	Not provided					
देहरादून	1	Not provided					
हरिद्वार	1	Not provided					
नैनीताल।	1	142	134	276	111	165	40.2
पौड़ी गढ़वाल	1	26	38	64	59	5	92.2
पिथौरागढ़	1	3	53	56	54	2	96.4
रुद्रप्रयाग	1	0	2	2	1	1	50.0
टिहरी गढ़वाल	1	0	15	15	26	1	173.3
उधम सिंह नगर	1	212	266	478	402	176	84.1
उत्तरकाशी	1	Not provided					
कुल	**9/13**	**420**	**560**	**980**	**722**	**361**	**73.7**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

अनुलग्नक 18: पश्चिम बंगाल

18 क. किशोर न्याय बोर्ड (JJB) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

	JJB	नवंबर 2022 तक लंबित केस	नवंबर 2022- अक्टूबर 2023 तक प्राप्त केस	कुल कार्यभार	अक्टूबर 2023 तक निपटाए गए केस	अक्टूबर 2023 तक लंबित केस	निपटाए गए केसों का प्रतिशत (%)
ज़िले	क	ख	ग	घ = ख+ग	ङ	च = घ-ङ	छ= ङ/घx100
अलीपुरद्वार	1	Not provided					
बांकुड़ा	1	Not provided					
बीरभूम	1	Not provided					
कूचबिहार	1	480	98	578	163	415	28.2
दक्षिण दिनाजपुर	1	374	58	432	72	360	16.7
दार्जिलिंग	1	Not provided					
हुगली	1	505	108	613	100	513	16.3
हावड़ा	1	675	155	830	152	678	18.3
जलपाईगुड़ी	1	1,243	147	1,390	818	571	58.9
झारग्राम	1	Not provided					
कलिम्पोंग	1	22	18	40	20	20	50.0
कोलकाता	1	Not provided					
मालदा	1	Not provided					
मुर्शिदाबाद	1	1,362	277	1,639	237	1,402	14.5
नादिया	1	548	207	755	316	439	41.9
उत्तर 24 परगना	1	Not provided					
पश्चिम बर्धमान	1	10	216	226	50	176	22.1
पश्चिम मिदनापुर	1	443	138	581	114	383	19.6
पूर्व बर्धमान	1	438	99	537	50	338	9.3
पूर्व मेदिनीपुर	1	316	82	398	146	252	36.7
पुरुलिया	1	Not provided					
दक्षिण 24 परगना	1	Not provided					
उत्तर दिनाजपुर	1	Not provided					
कुल	**12/23**	**6,416**	1,603	**8,019**	**2,238**	**5,547**	**27.9**

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

18 ख. विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी का कार्यभार (LCPO) (1 नवंबर 2022- 31 अक्टूबर 2023)

ज़िले	विधिक-सह-पर्यवेक्षण अधिकारी	JJB का कुल कार्यभार	LCPO का कार्यभार (2022-23)
अलीपुरद्वार	0	NP	-
बांकुरा	1	NP	-
बीरभूम	1	NP	-
कूचबिहार	1	578	578
दक्षिण दिनाजपुर	0	432	-
दार्जिलिंग	0	NP	-
हुगली	1	613	613
हावड़ा	1	830	830
जलपाईगुड़ी	1	1,390	1,390
झारग्राम	1	NP	-
कलिम्पोंग	1	40	40
कोलकाता	1	NP	-
मालदा	0	NP	-
मुर्शिदाबाद	1	1,639	1,639
नादिया	1	755	755
उत्तर 24 परगना	1	NP	-
पश्चिम बर्धमान	1	226	226
पश्चिम मिदनापुर	1	581	581
पूर्व बर्धमान	1	537	537
पूर्व मिदनापुर	1	398	398
पुरुलिया	1	NP	-
दक्षिण 24 परगना	1	NP	-
उत्तर दिनाजपुर	1	NP	-

ज़िलों के नाम अंग्रेज़ी वर्णमाला के क्रम में लिखे गए हैं।

किशोर न्याय अध्ययन के बारे में

किशोर न्याय व्यवस्था के इस अध्ययन में यह मूल्यांकन किया गया है कि 'किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015' के तहत राज्य 'विधि विवादित बच्चों' (CCL) के प्रति अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए किस हद तक तैयार हैं। यह अध्ययन मुख्य रूप से संसद में दिए गए जवाबों और एक वर्ष तक विभिन्न राज्यों से पूछे गए RTI के उत्तरों पर आधारित है। इस अध्ययन में 'किशोर न्याय बोर्ड' (JJB), 'बाल देखरेख संस्थान' (CCI), 'विशेष किशोर पुलिस इकाइयों' (SPJU) और 'ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण' (DLSA) जैसे प्रमुख संस्थानों की क्षमता का विश्लेषण किया गया है। सभी संस्थानों में यह क्षमता चार प्रमुख मानकों- आधारभूत संरचना, मानव संसाधन, बजट और विविधता के संदर्भ में आंकी गई है

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (IJR) का यह अध्ययन बिखरे हुए आंकड़ों को एक स्थान पर संकलित करके नीति निर्माताओं, सक्रिय नागरिकों और हितधारकों को बहुमूल्य उपकरण प्रदान करता है, जिससे वे व्यवस्था की गंभीर चुनौतियों का समाधान करने और उसके समग्र कामकाज में सुधार लाने के लिए प्रभावी कदम उठा सकते हैं।

मुख्य रिपोर्ट पढ़ने, आंकड़े जानने और अधिक इस्तेमाल के लिए
https://indiajusticereport.org पर क्लिक करें।

ईमेल आईडी: indiajusticereport@gmail.com फोन नंबर: 9717676026 / 7837144403

पार्टनर्स

CHRI · COMMON CAUSE · DAKSH · Centre for Social Justice · TISS · PRAYAS · VIDHI Centre for Legal Policy

डिज़ाइन

How INDIA Lives

डोनर्स

Frappe · Rohini Nilekani Philanthropies · TATA TRUSTS · Cyrus Guzder · J.T. Pathak Trust · LAL FAMILY FOUNDATION · Ravi Venkatesan · Tree of Life Foundation · Azim Premji Foundation · AI FOUNDATION